www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, गुरुवार, 09 जुलाई 2026 कृष्ण पक्ष-नवमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 150 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

ईओडब्ल्यू की हिरासत में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल, 3 साल से थे फरार

शराब, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग घोटाले में आरोपी हैं रामगोपाल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब, कोल लेवी एवं कस्टम मिलिंग घोटाले के मुख्य आरोपी कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को ईओडब्ल्यू ने हिरासत में लिया है। रामगोपाल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और नान के अध्यक्ष भी रहे हैं। वे पिछले तीन साल से फरार चल रहे थे। ईडी और ईओडब्ल्यू लंबे समय से उनकी तलाश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बेटे से पूछताछ के बीच सामने आए रामगोपाल

बता दें कि कस्टम मिलिंग घोटाले में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को समन जारी किया गया था। मंगलवार को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने रामगोपाल अग्रवाल के बेटे वैभव अग्रवाल से लंबी पूछताछ की थी। इसके बाद तीन साल से फरार चल रहे रामगोपाल अग्रवाल सामने आए।

छत्तीसगढ़ कोल लेवी घोटाला में भी आरोपी

छत्तीसगढ़ का कथित कोल लेवी घोटाला वर्ष 2020 से 2022 के बीच कोयला परिवहन और खनन से जुड़े कारोबार में अवैध वसूली के आरोपों से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) के अनुसार, कोयला परिवहन करने वाले कारोबारियों से प्रति टन तय राशि अवैध रूप से वसूली गई। जांच एजेंसियों का दावा है कि इस नेटवर्क के जरिए करीब 540 करोड़ रुपए की अवैध लेवी वसूली गई।

कस्टम मिलिंग घोटाला?

छत्तीसगढ़ का कथित कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाला धान की मिलिंग के लिए राइस मिलर्स को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा मामला है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा के अनुसार, वर्ष 2015 से 2023 के बीच प्रोत्साहन राशि बढ़ाने और उसके भुगतान में नियमों का उल्लंघन कर चुनिंदा राइस मिलर्स को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि इस प्रक्रिया में करीब 127 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। इस मामले में तत्कालीन अधिकारियों, राइस मिलर्स और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

महादेव सट्टा: मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर ओमान में गिरफ्तार, भारत लाने की तैयारी

महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल और लंबे समय से फरार चल रहे सौरभ चंद्राकर को ओमान में गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर कथित तौर पर फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करने का आरोप है। इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ■ शेष पृष्ठ 8 पर

5,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी सौरभ चंद्राकर पर करीब 5,000 करोड़ रुपए के महादेव ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं और अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। वह वर्ष 2019 से जांच एजेंसियों की गिरफ्त से बाहर था।

ओमान में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का आरोप

ओमान में उसके खिलाफफर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और अवैध रूप से देश में प्रवेश करने का मामला दर्ज किया गया है। कानूनी लड़ाई के लिए उसने मस्कट में वकीलों की एक टीम भी नियुक्त की है। महादेव ऑनलाइन बेटिंग मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहे हैं। जांच एजेंसियां अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी, मनी लॉन्ड्रिंग और हजारों करोड़ रुपये के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही हैं।

सीसीएफ ने सौरभ चंद्राकर की याचिका की थी खारिज

हाल ही में इंटरपोल की सीसीएफ ने सौरभ चंद्राकर की उस याचिका को भी खारिज कर दिया था, जिसमें उसने अपने खिलाफ जारी रेड नोटिस को रद्द करने की मांग की थी। चंद्राकर ने दावा किया था कि भारत में उसके खिलाफराजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है, लेकिन आयोग ने यह दलील स्वीकार नहीं की। सीसीएफ ने स्पष्ट किया कि मामला वित्तीय अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, इसलिए रेड नोटिस प्रभावी रहेगा।

आज बेबाक

काकरोचों के चोंच से चोंच मिलाने पहुंचा आपिया बोले तो सिनेमा टिकटों का पूर्व ब्लैकिया बड़ा बोल बोलकर वृहन्नलाओं की ताली बटोर ले गया। उसने डींग हाकी है कि अगर सरकार ने काकरोचों की मांग नहीं मानी तो वह संसद का मानसून सत्र नहीं चलने देगा। अरे पगलु तेरे साथी तो पहले ही पाला बदल चुके है। बचे खुचे चूके हुए कारतूस तुम कर ही क्या लोगे? ज्यादा हुड़दंग मचाओगे तो पहले की तरह एक बार फिर सदन से हकाल दिए जाओगे। कोई बड़ी बात नहीं कि इस बार तो बर्खास्त ही कर दिए जाओ इसलिए सोच समझकर भौंका करो।

मंजूरी: कैबिनेट की बैठक में कई विधेयकों का अनुमोदन, राज्य में व्यापार, उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया होगी सरल

मानसून सत्र में आएगा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, देश का होगा पहला राज्य

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होने वाले कई विधेयक एवं संशोधन विधेयकों के प्रारूप को मंजूरी दी गई । बैठक में छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (विनिमय-मुक्ति एवं सुविधा) विधेयक, 2026 के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया है।

इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में व्यापार और उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, डिजिटल एवं समयबद्ध बनाना है। इस तरह का विधेयक लाने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा। इसके अंतर्गत डीम्ड परमिशन , स्व-प्रमाणीकरण, तृतीय-पक्ष सत्यापन, जोखिम-आधारित निरीक्षण तथा दोहरे लाइसेंसिंग दायित्वों को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

निवेश को बढ़ावा देने आएगा बिल

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन (संशोधन) विधेयक, 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी है। इस संशोधन का उद्देश्य राज्य में निवेश को बढ़ावा देना, उद्योगों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार करना तथा निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस संशोधन विधेयक के प्रारूप को तैयार करने में अन्य अग्रणी राज्यों की औद्योगिक नीतियों का भी अध्ययन किया गया है। इससे निवेश प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगी और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

वाणिज्यिक कर अधिकरण होगा खत्म

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ मूल्य संवर्धित कर (संशोधन) विधेयक, 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी है। इस संशोधन के माध्यम से छत्तीसगढ़ वाणिज्यिक कर अधिकरण को समाप्त करने के साथ ही उससे संबंधित प्रावधानों में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। जीएसटी लागू होने के बाद वैट संबंधी द्वितीय अपीलों के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है और राज्य में जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना भी हो चुकी है। ऐसे में पृथक वाणिज्यिक कर अधिकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है।

अटल नगर प्राधिकरण के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना

मंत्रिपरिषद् ने नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा आबंटित भूखंडों एवं निर्मित परिसरों पर देय ब्याज एवं अधिभार में राहत प्रदान करने हेतु वन टाइम सेटलमेंट योजना-2026 को मंजूरी दी है। इस योजना से पात्र आबंटितियों को निर्धारित शर्तों के तहत बकाया देयों के नियमितीकरण, परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरा करने में मदद मिलेगी, जो विकास करने के इच्छुक है उनको अवसर मिलेगा और जो इच्छुक नहीं है, वे समय पर आबंटित भूमि को सरेंडर कर सकेंगे। इस निर्णय से मुकदमेबाजी में कमी आएगी, भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा तथा नवा रायपुर में निवेश एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्रिपरिषद् ने जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन अधिनियम, 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य में अंगीकार करने के लिए विधानसभा में संकल्प प्रस्तुत किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। भारत सरकार द्वारा लाए गए इस संशोधन का उद्देश्य पर्यावरणीय कानूनों के अनुपालन को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

किराएदारी से जुड़े विवादों के समाधान के लिए भी विधेयक

मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ भाड़ा नियंत्रण अधिनियम, 2011 (संशोधन) विधेयक, 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य खाली मकानों को किराये पर देने को बढ़ावा देना और किरायेदारी से जुड़े विवादों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस संशोधन में भवन स्वामी और किरायेदार के अधिकार व दायित्व स्पष्ट किए गए है, साथ ही संपत्ति प्रबंधक, किराया प्राप्ति, अधिकरण के अध्यक्ष की पदावधि और न्यायालय शुल्क से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए गए है।

तीन मजदूरों की मौत के बाद 3-डी इनोवेशन कारखाना सील

मृतक श्रमिकों के परिजनों को 30-30 लाख रुपए का मुआवजा देने पर बनी सहमति

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर जिले के ग्राम बेन्द्री, उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित मेसर्स 3-डी इनोवेशन कारखाने में हुई दुर्घटना के बाद प्रशासन ने कंपनी को सील कर दिया है। कंपनी में एक दिन पहले तीन श्रमिकों की मौत हुई थी, जिस पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। वहीं कंपनी प्रबंधन मृतक श्रमिकों के परिजनों को 30-30 लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमत हुआ है।

बता दें कि कारखाने के फेरो एलॉयज डिवीजन में संचालित फर्नेस में लांसिंग कार्य के दौरान ऑक्सीजन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुरक्षा मानकों की उड़ी धज्जियां, लावे पर बन रहा था खाना

फैक्ट्री में काम करने वाले अन्य मजदूरों ने प्रबंधन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। मजदूरों का कहना है कि उन्हें बिना किसी ट्रेनिंग के सीधे भट्टी (फर्नेस) जैसे खतरनाक सेक्शन में काम पर लगा दिया जाता था। यहां तक कि उन्हें सेफ्टी शूज जैसे बुनियादी सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे थे। एक अन्य चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि जिस टेपिंग यूनिट के पास यह हादसा हुआ, वहां कुछ मजदूर भट्टी से निकलने वाले गर्म लावे की आंच पर खाना बना रहे थे क्योंकि उनका रसोई गैस सिलेंडर खत्म हो चुका था।

छत्तीसगढ़ पुलिस में 61 सब इंस्पेक्टर बने इंस्पेक्टर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में पदस्थ 61 सब इंस्पेक्टरों को पदोन्नति का लाभ मिला है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2013 बैच के 61 सब इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया गया है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से पदोन्नति सूची जारी कर दी गई है। हालांकि, पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों की नई पदस्थापना फिलहाल घोषित नहीं की गई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार सभी पदोन्नत इंस्पेक्टरों की नई तैनाती के संबंध में अलग से आदेश जारी किया जाएगा।

गरमा-गरम

8 आईएएस और 19 राज्य सेवा अफसरों का ट्रांसफर

एक्का को सुडा का अतिरिक्त प्रभार, गजेंद्र सिंह ठाकुर राजस्व विभाग में उप सचिव

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 8 अधिकारियों और राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं।

सीनियर आईएएस अधिकारी रिमिजियस एक्का को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के साथ राज्य शहरी विकास अभिकरण का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। गजेंद्र सिंह ठाकुर को राजस्व, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राजीव को उच्च शिक्षा संचालनालय में पोस्टिंग

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों में भी बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। इंद्रजीत बर्मन को स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है। राजीव कुमार पांडेय को उच्च शिक्षा संचालनालय में पदस्थ किया गया है। भारती चंद्राकर को मार्कफेड, दिनेश कुमार नाग को छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन और नयनतारा सिंह तोमर को चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रिटायर्ड एआरटीओ के घर मिला 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी

विजिलेंस छापे में हीरे भी मिले, दीवारों-पैकटों में छिपाया था 1.62 करोड़ कैश

लखनऊ/ए.। यूपी में रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के लखनऊ स्थित घर पर विजिलेंस ने छापा मारा। करीब 26 घंटे चली छापेमारी में ललित कुमार के लखनऊ आवास से 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे के आभूषण बरामद किए हैं।

जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपए आंकी गई है। तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए कैश भी मिला, जो उसने पैकेटों में दीवार और अलग-अलग कमरों में छिपाकर रखे थे। 15 ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आगरा में तैनाती के समय केस दर्ज था

आरोपी ललित कुमार मूल रूप से रायबरेली में सेंगहो कोठी के रहने वाले हैं। विजिलेंस विभाग के अनुसार, ललित कुमार के खिलाफ2024 में कानपुर में तैनाती के दौरान करप्शन की शिकायत की गई थी। उस वक्त वह आरटीओ ऑफिस में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) यानी रीजनल इंस्पेक्टर टेक्निकल थे। शिकायत के आधार पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने 11 सितंबर, 2020 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन को जांच की अनुमति दी।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन और दो आईएएस अफसरों के खिलाफ अवमानना याचिका

सक्ती/नवप्रदेश। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट से जुड़े भू-विस्थापितों ने वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल समेत चार पक्षों के खिलाफ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायालय की अवमानना याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति के तहत पात्र भू-विस्थापितों को भत्ता या अन्य लाभ उपलब्ध नहीं कराए गए।

याचिका में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के अलावा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन सचिव शम्मी आबिदी, सक्ती कलेक्टर अमृत विकास तोपनो तथा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कंपनी का 2022 में वेदांता ने किया अधिग्रहण

याचिका के अनुसार, एथेना पावर प्लांट का संचालन वर्ष 2013 में शुरू हुआ था, लेकिन वित्तीय संकट के चलते वर्ष 2016 में इसे बंद करना पड़ा। बाद में वर्ष 2022 में वेदांता ग्रुप ने इस प्लांट का अधिग्रहण किया और वर्ष 2025 में इसका संचालन दोबारा शुरू किया। भू-विस्थापितों का आरोप है कि प्लांट दोबारा शुरू होने के बाद भी 400 से अधिक

परिवारों को न तो रोजगार दिया गया और न ही नियमानुसार भत्ता उपलब्ध कराया गया। उनका कहना है कि वे पिछले 13 वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित हैं।

मामले के समाधान का प्रयास जारी : कलेक्टर

पूरे मामले पर सक्ती कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन की ओर से प्लांट प्रबंधन को पत्र जारी कर भू-विस्थापितों को नियमानुसार भत्ता भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे। प्रशासन मामले के निराकरण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। फिलहाल मामले की सुनवाई छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में होना बाकी है। याचिका में लगाए गए आरोपों पर संबंधित पक्षों की ओर से न्यायालय में जवाब प्रस्तुत किया जाना है।

राममंदिर में चढ़ावा चोरी: 'नहीं दिखाई गई इस्तीफे की कॉपी'

अब चंपत राय के रिजाइन को लेकर नया विवाद, उठे कई सवाल

लखनऊ/ए.। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि चंपत राय के इस्तीफे की कॉपी नहीं दिखाई गई है। महंत दिनेंद्र दास ने आरोप लगाया कि चंपत राय का इस्तीफा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने लिया और पूरे घटनाक्रम में उनकी ही प्रमुख भूमिका रही। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में महासचिव चंपत राय के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मंदिर नहीं पहुंचे चंपत, अनिल और गोपाल राव

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को हुई बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए, जबकि गोपाल राव को आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया। इसके बाद मंगलवार को तीनों ही राम मंदिर परिसर नहीं पहुंचे और मंदिर की व्यवस्थाओं से भी दूरी बनाए रखी।

मौसम: मानसून की अनिश्चितता के बीच बुवाई में आई कमी से निपटने के लिए बना 'कंटिंजेंसी प्लान'

अल नीनो की चुनौती पर केंद्र व राज्य सरकारें सतर्क

किसानों को कम पानी वाली फसलों और जल संरक्षण की सलाह

नई दिल्ली/रायपुर। अल नीनो के संभावित प्रभाव से उपजी मानसून की अनिश्चितता के बीच केंद्र और राज्य सरकारें पूरी तैयारी, स्पष्ट रणनीति और मजबूत ग्राउंड एक्शन के साथ हालात को संभालने में जुट गई हैं। चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन उनसे निपटने के लिए पूरा सरकारी सिस्टम पहले से सक्रिय और सतर्क है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ सहित इन राज्यों में विशेष निगरानी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे राज्यों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। उम्मीद है कि जुलाई में बारिश और रफ्तार पकड़ेगी, जिससे खरीफ बुवाई में तेजी आएगी।

बुवाई का गणित और सरकार का बैकअप प्लान

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि फिलहाल देश में 350.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 91.95 लाख हेक्टेयर कम है। मानसून में देरी का सीधा असर सोयाबीन और कपास पर पड़ा है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने अप्रैल से ही तैयारी शुरू कर दी थी। आईसीएआर के सहयोग से प्रभावित होने की संभावना वाले जिलों के लिए 'कंटिंजेंसी प्लान' तैयार कर राज्यों के साथ साझा किए गए हैं। इसके अलावा, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए करीब 1.75 लाख क्विंटल का राष्ट्रीय बीज भंडार तैयार रखा गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार का अलर्ट

अल-नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ के कृषि विभाग ने किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि मानसून में देरी, लंबे अंतराल तक सूखे जैसी खंड वर्षा तथा बारिश का मौसम समय से पहले समाप्त होने की आशंका के कारण खरीफफसलों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य फसल विविधीकरण, कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा, जल संरक्षण और आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से सीमित संसाधनों में भी बेहतर उत्पादन सुनिश्चित करना है।

नौकरीपेशा और पेंशनधारकों के लिए खुशखबरी, 8.25% ब्याज

नई दिल्ली/ए.। नौकरीपेशा और पेंशनधारकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने पीएफ खातों में ब्याज डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भविष्य निधि (पीएफ) पर मिलने वाला 8.25त्न सालाना ब्याज 15 जुलाई तक सदस्यों के खातों में क्रेडिट हो जाएगा। इस बार सरकार करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये का ब्याज सीधे 34 करोड़ नौकरीपेशा लोगों के खातों में डालने जा रही है। इसके साथ ही, पीएफ संगठन (ईपीएफओ) ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नौकरी बदलने पर यूएएन ट्रांसफर करना होगा

नई व्यवस्था में बार-बार नौकरी बदलने वाले युवाओं को बड़ी राहत दी गई है। अब अगर आप नौकरी बदलते हैं, तो आधार से लिंक यूएएन आधारित पीएफ ट्रांसफर के लिए कोई नया आवेदन जमा करने की जरूरत नहीं होगी। आपका पुराना पीएफ बैलेंस नए नियोक्ता के खाते में अपने आप (ऑटोमैटिक) ट्रांसफर और सेटल कर दिया जाएगा।

खरोरा सीएसआर से संवर रहा ग्राम मढ़ी: घर-घर, गांव-गांव चलो अभियान के तहत पहुंचे विधायक

मोदी और साय की डबल इंजन सरकार ने छत्तीसगढ़ में विकास की नई गाथा लिखी

धरसींवां / कूंरा । 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत घर घर गांव गांव चलो अभियान के अंतर्गत धरसींवा क्षेत्र के ग्राम पंचायत नीलजा और ग्राम पंचायत सारागांव पहुंचे विधायक अनुज शर्मा और पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला-

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सफल एवं गौरवशाली 12वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत नीलजा और ग्राम पंचायत सारागांव में धरसींवां विधायक माननीय श्री अनुज शर्मा जी के साथ अंजय शुक्ला जी उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने ग्राम पंचायत नीलजा में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के घर जाकर मुलाकात कर श्रीफल ,पुष्पगुच्छ और शाल देकर आत्मीय सम्मान किए ,और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे मे जानकारी दिए।एवं ग्राम पंचायत नीलजा में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान ,गांव के समाज के प्रमुखों का सम्मान किए।

तत्पश्चात ग्राम पंचायत नीलजा में भाजपा कार्यकर्ता के घर दोपहर भोजन करने के बाद ग्राम पंचायत सारागांव में जनसंपर्क कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं,विभिन्न समाज के प्रमुख का श्रीफल,शाल, पुष्पगुच्छ देकर आत्मीय सम्मान कर मुलाकात किए। तथा उन्होंने श्री नरेंद्र मोदी दीर्घायु हो और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारो के साथ अपने उद्बोधन में कहा कि पहले कांग्रेस के सरकार में कमीशनखोरी था ,जनता तक

पैसा नहीं पहुंच पाता था,लेकिन श्री नरेंद्र मोदी जी पहली बार जब प्रधानमंत्री बना तो उन्होंने लाल किले से जो वादा किया था सभी को पूरा कर रहे है। मोदी जी ने कहा था ,न खाऊँगा न खाने दूंगा। सबसे पहले उन्होंने सभी का जनधन खाता खुलवाया , हर वर्ग के गरीबों को पक्का मकान, इलाज के लिए आयुष्मान योजना से 5 लाख रुपये तक इलाज , किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि की राशि , सुकन्या योजना , महतारी वंदना योजना, सभी योजना हर वर्ग के गरीबों को लाभ मिल रहा है। आज प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के सुशासन के सरकार ,और देश में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार सबका साथ सबका विकास के साथ सभी वर्गों का चिंता करते हुए विकास कर रहा है। आज देश में शांति और सुरक्षा है तथा देश का चहुंओर विकास हो रहा है।

जनसंर्क कार्यक्रम में श्री डॉ लखन धीवर जी उपाध्यक्ष मछ्वारा कल्याण बोर्ड ,श्री दिनेश खूंटे जी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धरसीवा, श्री अशोक सिन्हा जी प्रदेश महामंत्री पिछड़ा वर्ग ,श्रीमती सविता चंद्राकर सभापति जिला पंचायत रायपुर,श्री अरविंद ठाकुर जी भाजपा कोषाध्यक्ष, श्री रोबिन साहू जी पूर्व मंडल अध्यक्ष,ग्राम पंचायत नीलजा सरपंच श्रीमती उमा देवांगन जी, सारागांव सरपंच श्री धन्नाराम धीवर जी ,उपसरपंच श्री राजेंद्र यदु जी ,श्री मयंक यादव जी मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा ,श्री राजेंद्र विश्वकर्मा महामंत्री ,श्री सुरेश साहू जी महामंत्री ,श्रीमती सावित्री वर्मा अध्यक्ष महिला मोर्चा,श्री ज्ञानेश्वर वर्मा महामंत्री ,श्रीमती किरण देवांगन सदस्य ,श्रीमती राजेश्वरी साहू सदस्य , श्रीमती ओमेश्वरी पटेल श्रीमती दिव्या सिन्हा सदस्य ,श्रीमती आरती धीवर सदस्य वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता,समाज प्रमुख ,स्थानीय जनप्रतिनिधि ,बड़ी संख्या में देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वर्तमान में आंगनबाड़ी केन्द्र नगर पालिका बेमेतरा वार्ड नं. 16 क्र. 2 (नया वार्ड 19) राम मंदिर वार्ड आंगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त है जिस पर शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भर्ती की जाएगी।इस पद के लिए इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया नवीन ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अभ्यर्थी 06 जुलाई 2026 से 20 जुलाई 2026 तक निर्धारित पोर्टल httpsÑ//aww.e-bharti.in/ पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीयन कर आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की पूरी प्रक्रिया ई-भर्ती पोर्टल के यूज़र मैनुअल में उपलब्ध है।आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इस पद के लिए वही महिलाएं आवेदन करने की पात्र होंगी जो संबंधित नगर पालिका या वार्ड की स्थानीय निवासी हों, जिस वार्ड/ग्राम में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

नि:शुल्क सरस्वती सायकल वितरण समारोह में छात्राओं के चेहरों पर खिली मुस्कान

महापौर रामू रोहरा ने किया सायकलों का वितरण

धमतरी / नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरेंगा में राज्य शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत सायकल वितरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम धमतरी के महापौर श्री रामू रोहरा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष श्री सुभाष साहू ने की। वहीं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मोनिका ऋषभ देवांगन एवं जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती गीतेश्वरी साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकलों का वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सायकल प्राप्त करने वाली छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह स्पष्ट दिखाई दिया।मुख्य अतिथि महापौर श्री रामू रोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य शासन की सरस्वती सायकल योजना छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने छात्राओं से नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं मेहनत के साथ आगे बढ़कर अपने माता-पिता, विद्यालय तथा जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथियों ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे मजबूत आधार है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर छात्राएं आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को साकार करें।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री सुभाष साहू ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्राओं को सायकल का सदुपयोग करने तथा नियमित रूप से विद्यालय आने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। समारोह में विद्यालय परिवार, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्थायी जाति प्रमाण पत्र निर्माण हेतु विकासखंडवार विशेष शिविरों का आयोजन

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में अध्ययनरत कक्षा पहली से 12वीं तक के ऐसे विद्यार्थियों, जिनका स्थायी जाति प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बन पाया है, उनकी सुविधा एवं भविष्य में छात्रवृत्ति, प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वाराविकासखंडवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र के साथ-साथ आवश्यकतानुसार निवास एवं आय प्रमाण पत्र भी बनाए जाएंगे।जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड नवागढ़ में 04 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक, विकासखंड साजा में 08 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक, विकासखंड बेरला में 11 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक तथा विकासखंड बेमेतरा में 11 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के आयोजन की स्थलवार एवं तिथिवार जानकारी जिले के सभी विद्यालयों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई है।इन शिविरों में विद्यार्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण कर नियमानुसार आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, जिससे उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध रूप से प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सके।इस संबंध में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्राचार्यों, संबंधित राजस्व अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थल पर प्रातः 10:00 बजे से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर विद्यार्थियों के जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सुचारु एवं समयबद्ध ढंग से संपादित करना सुनिश्चित करें।

जांच के बाद भी जिम्मेदार लोगों पर नहीं हुई कार्रवाई

46 हजार का नाश्ता, 12 हजार का पानी नियम विरुद्ध 13 लाख का भुगतान

बेमेतरा/नवप्रदेश। नवागढ़ जनपद पंचायत से स्थानीय निर्वाचन में बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति लिए तत्कालीन प्रभारी सी ई ओ एस महादेवा ने स्टांप ड्यूटी मद की राशि 13 लाख 13 हजार 418 रुपए का भुगतान कर दिया, इस संबंध में जनपद पंचायत के कर्मचारियों ने जब विभाग को जानकारी दी तब जिला पंचायत ने जांच के लिए कुल पांच पत्र लिखकर जांच टीम का गठन किया इस टीम में लेखा अधिकारी लारेंस बघेल, दीप्ति मंडावी सहायक परियोजना अधिकारी, एवम भरत बंजारे विकास विस्तार अधिकारी शामिल थे,

तेरह फर्म को भुगतान-

जनपद पंचायत से मिठाई, पानी से लेकर खाने एवम बजाने में 13 लाख 13 हज़ार 418 रूपए का खर्च किया है, शिकायत के बाद इस मामले को दबाने का प्रयास किया गया ।यहीं नहीं जनपद के करोबार को लोग न जानें इसके लिए नियमित बाबुओं को आफिस से दूर कर उन लोगो को खजाने की चाबी दी गई जो मनचाही नोट शीट बनाने में दक्ष है

जांच एवम निष्कर्ष : जांच प्रतिवेदन जो टीम ने जमा किया है उसकी प्रमाणित प्रति आर टी आई से दिलीप साहू ने प्राप्त किया है जिसमे इस बात का उल्लेख है कि शाखा प्रभारी द्वारा नस्ती प्रस्तुत करने पर सी ई ओ जनपद पंचायत द्वारा स्टांप ड्यूटी मद से भुगतान का अनुमोदन किया गया।

निलंबन एवम वसूली की चिट्ठी-नवागढ़ निवासी दिलीप कुमार साहू ने पूरे मामले एवम भुगतान को लेकर जनपद पंचायत के तत्कालीन सी ई ओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए किए गए भुगतान की राशि वसूली की मांग के लिए कलेक्टर, सचिव पंचायत एवम पंचायत मंत्री को पत्र लिखा है, साहू ने बताया कि एक मामूली बातचीत में दुर्ग के सी ई ओ को निलंबित किया जाता है दुसरे तरफ खजाने से नियम विरुद्ध भुगतान करने वाले सी ई ओ की संरक्षण दिया जा रहा है, नवागढ़ जनपद पंचायत के सभी भुगतान संदेहास्पद है, राज्य स्तरीय टीम से जांच होनी चाहिए, साहू ने कहा कि उन्होने तबादला में गए प्रभारी सी ई ओ के भुगतान की जानकारी बिलासपुर कलेक्टर एवम सी ई ओ जिला पंचायत को भेज दिया है द्य वसूली एवम निलंबन के लिए विभागीय मंत्री से मिलेंगे।

बिना अनुमति कर दिया भुगतान

तीनों जांच अधिकारी ने लिखा है कि कार्यलय जनपद पंचायत द्वारा राशि उपलब्ध नहीं होने की दशा में मांग पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रेषित किया गया था राशि प्राप्त न होने की दशा में जनपद पंचायत नवागढ़ को उच्च कार्यालय को सूचना देते हुए अनुमति हेतु लेख किया जाना था, जिसके बाद ही भुगतान की कार्रवाई की जानी थी, क्योंकि किसी योजना के तहत प्राप्त राशि के ब्याज की राशि भी मूल अनुदान होती है उसका व्यय भी मूल रूप से उसी प्रायोजन में होना चाहिए।

हरेक भुगतान की जांच की उठी मांग

समाज सेवक अंजोर दास ने कहा कि मेरे द्वारा कलेक्टर को पूर्व में पत्र लिखकर नवागढ़ जनपद पंचायत से गत दो साल में हुए सभी प्रकार के भुगतान की जांच एवम भौतिक सत्यापन की मांग की गई है, अंजोर दास ने कहा कि नवागढ़ जनपद पंचायत का केश बुक दुसरे विभाग के कर्मचारियों से पूर्ण कराया गया है, एक नही कई भुगतान ऐसे निकलेंगे जो निर्वाचन की तरह होगी।

एग्रीस्टेक पंजीयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

समय-सीमा में शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

धमतरी / नवप्रदेश/ खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों के एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रगति, लंबित प्रकरणों एवं उनके निराकरण की समीक्षा हेतु आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था किसानों को तकनीक आधारित, पारदर्शी एवं सुगम कृषि सेवाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंजीयन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी संबंधित विभाग निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए सभी श्रेणी के किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। पंजीयन के अभाव में किसान धान विक्रय नहीं कर सकेंगे। उन्होंने कृषि, राजस्व, सहकारिता, खाद्य विभाग तथा बैंकिंग संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों, सहकारी समितियों एवं उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, जिससे प्रत्येक पात्र किसान समय पर अपना पंजीयन करा सके।समीक्षा के दौरान 94 संस्थागत एवं ट्रस्टों के पंजीयन की स्थिति पर चर्चा की गई। जानकारी दी गई कि अब तक केवल 23 संस्थाओं ने निर्धारित प्रारूप में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई है। इस पर कलेक्टर ने शेष 71 संस्थाओं से तत्काल जानकारी प्राप्त कर पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए।बैठक में असर्वेक्षित ग्राम, वनग्राम, डूबान क्षेत्र, शासकीय भूमि, शासकीय पट्टेदार (कृषि), ग्राम नौकर, रेगहा एवं अधिया भूमि सहित शेष सभी खसरों का एग्रीस्टेक कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

धमतरी में निवेश को मिलेगा नया बल, कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक

धमतरी/नवप्रदेश। जिले में औद्योगिक विकास और निवेश को गति देने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, एमएसएमई रायपुर के प्रतिनिधि, एक्सपोर्ट प्रमोशन टीम, जिले के नवोदित निवेशक तथा राइस मिलर्स शामिल हुए।

बैठक में एमएसएमई अधिकारियों ने क्लस्टर डेवलपमेंट की अवधारणा, उसके लाभ तथा उद्योगों के सामूहिक विकास की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं एक्सपोर्ट प्रमोशन टीम ने जिले के स्थानीय उत्पादों के निर्यात की प्रक्रिया, आवश्यक औपचारिकताओं और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अवसरों से निवेशकों को अवगत कराया। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले में निवेश और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रशासन निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शासन की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी देते हुए संबंधित विभागों को उद्योगों की स्थापना, विस्तार और निवेशकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।बैठक में निवेशकों ने भी अपने सुझाव रखे, जिन पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि धमतरी को उद्योग एवं निवेश के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

नगरी पंचायत सचिव संघ ब्लॉक शाखा का 19 वां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह संपन्न

- **अध्यक्ष महेश गोटा ने पंचायत सचिवों की भूमिका की सराहना, नियमितीकरण की मांग शासन तक पहुंचाने का आश्वासन**

नगरी / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ, ब्लॉक शाखा नगरी द्वारा मंगलवार को आदिवासी हल्बा समाज भवन में स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दंतेश्वरी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। समारोह में पंचायत व्यवस्था को सशक्त बनाने, ग्रामीण विकास में पंचायत सचिवों की भूमिका तथा उनकी लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष महेश गोटा, पंचायत सचिव संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनित कुमार ध्रुव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हृदय साहू, पंचायत महासंघ अध्यक्ष रूपेश कुमार ध्रुव, सरपंच संघ अध्यक्ष उमेश देव, पूर्व पंचायत महासंघ अध्यक्ष रामप्रसाद मरकाम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित बोरझा, फेडरेशन के ब्लॉक संयोजक डोमार सिंह ध्रुव, रोजगार सहायक संघ अध्यक्ष डोमार सिंह देवांगन तथा सेवानिवृत्त पंचायत सचिव बालाराम नरेटी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में समाज के लोग हुए शामिल, अभियान को जनआंदोलन बनाने लोगों से अपील

सिंगारपुर में देवांगन समाज का आदर्श विवाह समारोह संपन्न

भाटापारा / नवप्रदेश। तरेंगा राज देवांगन कल्याण समाज द्वारा आयोजित श्री राम जानकी मंदिर, सिंगारपुर में आदर्श विवाह समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। दिनभर तेज वर्षा होने के बावजूद समाजजनों का उत्साह कम नहीं हुआ और बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रकांत यदु (जौहर छत्तीसगढ़) ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज सुधार के लिए दहेज-मुक्त एवं सादगीपूर्ण विवाह समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा सामाजिक समरसता को मजबूत बनाते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष फेरुराम देवांगन ने की। उन्होंने संस्था के गठन, उद्देश्यों एवं आदर्श विवाह अभियान की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को अनावश्यक खर्च, दहेज प्रथा एवं सामाजिक कुरीतियों से मुक्त कर सादगीपूर्ण एवं संस्कार युक्त विवाह को बढ़ावा देना समय की मांग है। संस्था के सचिव बलराम देवांगन ने सभी अतिथियों, समाजजनों एवं उपस्थित नागरिकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के संरक्षक परस देवांगन ने किया। उन्होंने समाज की एकता, संगठन, शिक्षा एवं सामाजिक सुधार के लिए सभी से मिलकर

कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवधारी देवांगन (संयोजक, सिमगा राज), अनिल देवांगन (प्रदेश युवा मंत्री), अजय देवांगन (प्रदेश महामंत्री, रायपुर) सहित प्रदेश देवांगन कल्याण समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक दीनबंधु देवांगन, कोषाध्यक्ष नारायण देवांगन, उपाध्यक्ष शिव देवांगन, परदेशी देवांगन, संतोष देवांगन, दुकलहा देवांगन, जनक देवांगन, नरेश देवांगन, गंगाराम देवांगन, आशीष देवांगन सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति एवं युवा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दहेज प्रथा, फिजूलखर्ची एवं सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरण करना तथा सादगीपूर्ण, संस्कारयुक्त एवं आदर्श विवाह की परंपरा को बढ़ावा देना रहा। संस्था ने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संस्था ने सभी अतिथियों, समाजजनों, मीडिया प्रतिनिधियों, प्रशासन एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेलवे ओवर और अंडर ब्रिज के अप्रारंभ कार्यों को तत्काल शुरू करने के निर्देश

■ लोक निर्माण विभाग के सचिव ने रेलवे अफसरों के साथ की समीक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने विभाग के सेतु परिक्षेत्र और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में रेलवे ओवर-ब्रिज और अंडर-ब्रिज के निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आज हुई बैठक में रेलवे ओवर-ब्रिज और रेलवे अंडर-ब्रिज के कार्यों में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग और रेलवे के अधिकारियों को बेहतर समन्वय से काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कार्यस्थलों की बाधाओं को तत्परता से दूर कर अप्रारंभ कार्यों को जल्दी शुरू करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी और दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान मुख्य अभियंता अवनीश कुमार पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में विभागीय और रेलवे के अधिकारियों को आपसी समन्वय को और मजबूत करते हुए निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें शीघ्र पूरा करने को कहा, ताकि लोगों को जाम और रेलवे फाटकों पर होने वाली असुविधा से राहत मिल सके। इससे माल परिवहन भी अधिक सुगम और तेज होगा।

बाधाओं को तत्काल दूर करें : विभागीय सचिव ने नए आरओबी और आरयूबी के कार्यों को जल्द शुरू करने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर बाधाओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों से अतिक्रमण हटाने, भूमि व्यपवर्तन, नामांतरण तथा भू-अर्जन जैसी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध ढंग से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर प्रदेश में आवागमन को अधिक सुरक्षित, सुगम, सुव्यवस्थित और तेज बनाना राज्य शासन की प्राथमिकता में है।

यूटिलिटी शिफ्टिंग में तेजी लाने कहा: श्री बंसल ने कार्यस्थलों पर यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यूटिलिटी शिफ्टिंग में देरी के कारण निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रस्तावित परियोजनाओं के प्राक्कलन तथा ड्राइंग-डिजाइन तैयार करने के लिए जहां भी लोक निर्माण विभाग और रेलवे के अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण की जरूरत हो, वहां तत्काल संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने को कहा।

न्यूज गैलरी

श्री जगन्नाथ मंदिर में बच्चों ने दी मनमोहक ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति

रायपुर/नवप्रदेश। स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर रायगढ़ राजमहल स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान रायपुर के नन्हे कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण ओडिसी नृत्य प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। यह प्रस्तुति प्रसिद्ध ओडिसी नृत्य गुरु डॉ. डी.एन. बेहरा के शिष्यों द्वारा दी गई। बच्चों ने भगवान श्री जगन्नाथ के श्रीचरणों में अपनी नृत्यांजलि अर्पित करते हुए उत्कृष्ट कला, भाव और अभिव्यक्ति का सुंदर प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में ताक्ष्वी गौतम, आराची शाह बनर्जी, सोमिल गांगुली एवं ऐश्वर्या गुप्ता शामिल रहे। सभी बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से कार्यक्रम को भक्तिमय एवं सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की।

ईवी चार्जिंग नेटवर्क को मिलेगा बूस्ट, सरकार लाएगी एकीकृत एप

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेज़ी से बढ़ाने का फैसला लिया है। मंत्रालय में सचिव सह-परिवहन आयुक्त एस प्रकाश की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में परिवहन विभाग, सभी आरटीओ/डीटीओ, ऊर्जा विभाग, एचपीसीएल, बीपीसीएल, एलओसीएल, जिओ -बीपी, ईवी निर्माता और विशेषज्ञ मौजूद रहे। अभी अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग एप हैं, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी होती है। सरकार अब राज्य स्तर पर एकीकृत प्लेटफॉर्म/एप बनाएगी। भारत सरकार भी यूनिवर्सल ईवी चार्जिंग एप ला रही है। चिप्स के जरिए ऊर्जा विभाग पहले ही पायलट एप पर काम कर रहा है। केंद्र की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत चार्जिंग स्टेशन लगाने पर वित्तीय सहायता और छत्तीसगढ़ ईवी नीति-2022 के प्रोत्साहनों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी जिलों के आरटीओ/डीटीओ को अपने क्षेत्र में चार्जिंग स्टेशनों के लिए जगह चिन्हित करने और एनओसी की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए।

वित्तमंत्री चौधरी ने सहयोग केन्द्र में सुनीं 100 से ज्यादा शिकायतें

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को सहयोग केन्द्र में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्यिक कर एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी 300 से भी अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश के विभिन्न जिलों से अपनी मांगें और व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याएँ लेकर पहुँचे थे। श्री चौधरी ने बेहद संवेदनशीलता के साथ इस दौरान प्राप्त 100 से अधिक आवेदनों का एक-एक कर अवलोकन किया। आवेदनों में मुख्य रूप से ग्रामीण विकास, बुनियादी ढाँचा, पेंशन योजनाएँ, राजस्व मामले, शिक्षा, स्वास्थ्य सहायता और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दे शामिल थे। श्री चौधरी ने तत्परता दिखाते हुए कई मामलों में संबंधित विभागों के अधिकारियों और जिला कलेक्टरों को फोन पर निर्देशित किया कि आम जनता के काम में किसी भी प्रकार की ढिलाई या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी आवेदनों का समय सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

महाराष्ट्र मंडल ने किशोरों को जोड़ने की शुरू की मुहिम : दंडवते

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल न केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को समाज और समाजसेवा से जोड़ने की मुहिम कई वर्षों से जारी रखे हुए हैं, बल्कि अब 15 से 18 वर्ष के किशोर वय वालों को भी जोड़ने का अभियान शुरू कर चुका है। इसका उद्देश्य बस यही है कि कच्ची उम्र के किशोरों को न केवल अच्छे संस्कार देना है, बल्कि सकारात्मक तरीके से समाज और समाजसेवा से जोड़ना भी है। मंडल के ऐसे आजीवन सभासद, जिनके बच्चे 15 ये 18 साल के हैं, वे भी मंडल में अपने बच्चों को सभासद बनाने की मानसिकता बनाने लगे हैं। यह जानकारी महाराष्ट्र मंडल में 14 वर्षों से बतौर सचिव कार्यरत चेतन गोविंद दंडवते ने साझा की। दंडवते कहते हैं कि जिस उम्र में बच्चों के वैचारिक व मानसिक रूप से भटकने की आशंका हो सकती है, उसी उम्र में उन्हें महाराष्ट्र मंडल शिक्षा, संस्कार और खेलकूद से जोड़कर बड़ी संख्या में लोगों से उन्हें मिलने- जुलने का अवसर प्रदान कर रहा है। मंडल से जुड़ने पर इन बच्चों को शिक्षा, रोजगार, खेल, कॅरियर सहित विभिन्न क्षेत्रों में मार्गदर्शन देने के लिए अनुभवी काउंसलर आसानी से मिल जाएंगे। अपने हम उम्र दोस्तों के बीच उठने- बैठने और अपनी दोस्ती का दायरा बढ़ाने का मौका भी मिलेगा।

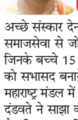

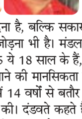

राज्य स्तर पर 343 और जिला स्तर पर 99 संकेतकों के माध्यम से होगी विकास कार्यों की निगरानी

एसडीजी 2.0 से विकसित छत्तीसगढ़ के विजन को मिलेगी नई गति : साय

■ मुख्यमंत्री ने किया छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. 2.0 फ्रेमवर्क का विमोचन, बस्तर के समग्र एवं परिणामोन्मुख विकास के लिए 'बस्तर अंजोर' पहल का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद के सदस्यों की उपस्थिति में राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. 2.0 फ्रेमवर्क का विमोचन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ एस.डी.जी. राज्य एवं जिला संकेतक फ्रेमवर्क 2.0 तथा मेटाडेटा हैंडबुक का भी विमोचन किया गया। साथ ही बस्तर संभाग के समावेशी, अभिसरण आधारित और मापनीय विकास के लिए तैयार की गई अभिनव पहल 'बस्तर अंजोर' की भी शुरुआत की गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, सटीक डेटा और परिणाम आधारित मॉनिटरिंग अत्यंत आवश्यक है। एस.डी.जी. 2.0 फ्रेमवर्क शासन को साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय तथा योजनाओं की नियमित निगरानी के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल 'विकसित छत्तीसगढ़ -2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल विकास योजनाएं संचालित करना नहीं, बल्कि उनके वास्तविक प्रभाव को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। एस.डी.जी. 2.0 के माध्यम से विकास की प्रगति को अधिक पारदर्शी, मापनीय और जवाबदेह बनाया जा सकेगा।

नए एस.डी.जी. 2.0 फ्रेमवर्क के अंतर्गत राज्य स्तर पर संकेतकों की संख्या 275 से बढ़ाकर 343 तथा जिला स्तर पर 82 से बढ़ाकर 99 कर दी गई है। इससे विकास कार्यों की अधिक व्यापक, सटीक और वैज्ञानिक निगरानी संभव होगी। मेटाडेटा हैंडबुक में प्रत्येक संकेतक की गणना पद्धति एवं रिपोर्टिंग प्रणाली को मानकीकृत किया गया है, जिससे पूरे राज्य में डेटा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने 'बस्तर अंजोर' की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह अभिसरण (कन्वर्जेंस) आधारित विकास मॉडल है, जिसे बस्तर संभाग को देश का सर्वाधिक विकसित जनजातीय क्षेत्र बनाने के संकल्प को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

उन्होंने बताया कि 'बस्तर अंजोर' के 3+4 मॉडल के अंतर्गत जिला स्तर की तीन प्रमुख पहल - नियद नेल्लानार 2.0, बस्तर मुन्ने और स्वस्थ बस्तर - का अभिसरण चार प्रमुख राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विकास फ्रेमवर्क - एस.डी.जी. 2030, विकसित छत्तीसगढ़ञ्च2047, आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम से किया गया है। इसका उद्देश्य अतिरिक्त संसाधनों के बिना बेहतर समन्वय के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में ठोस एवं मापनीय परिणाम प्राप्त करना है। 'बस्तर अंजोर' अंत्योदय से सर्वोदय की भावना पर आधारित एक दूरदर्शी पहल है, जो बस्तर को समावेशी, सतत एवं परिणामोन्मुख विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, मंत्रिपरिषद के सदस्य, मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

पहली ही बरसात में ट्रिपल इंजन सरकार के भ्रष्टाचार की कलई खुल गई है : कांग्रेस

■ शहरों में जलभराव, गांव की सड़कों के गड्ढे तालाब बन चुके, नए पुल पुलियों के स्लैब गिर रहे

रायपुर/नवप्रदेश। ट्रिपल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ के विकास के दावों पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पीडब्लूडी मंत्री के गृह जिले मुंगेली जिले के अमर टापू धाम में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से बन रहे पुल का स्लैब पहली ही ढलाई में गिर गया, निर्माण गुणवत्ता और विभागीय निगरानी, और भ्रष्टाचार की कलई खुल गई है। यह सरकार केवल कमीशनखोरी में मस्त है।

निर्माण में घटिया सामग्री, तकनीकी लापरवाही और ठेकेदारों से अनुचित वसूली की वजह से ही यह हादसा हुआ। गरियाबंद जिले में कोसुमबूड़ा पुल तेज बहाव में टूट गया, जिससे दस से ज्यादा गांवों का संपर्क मुख्यालय से कट गया। अब ग्रामीणों को अस्पताल, स्कूल, बाजार और बैंक तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूरजपुर जिले के सुखदेवपुर नाला में टूटी पुलिया और अधूरे रपटा की वजह से स्कूली बच्चों, महिलाओं और किसानों को रोज जान जोखिम में डालकर उफनता नाला पार करना पड़ रहा है। परिजन बच्चों को कंधे पर बैठाकर स्कूल पहुंचा रहे हैं, जबकि किसान ट्रैक्टर और मवेशियों के साथ बड़ी मुश्किल से आवाजाही कर रहे हैं। पामगढ़ सहित प्रदेश की जनता सड़कों में गड्ढो पर भरे पानी में नहाते हुए वीडियो बनाकर इस सरकार की नाकामी को उजागर कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार के कुशासन में केवल भ्रष्टाचार का ही विकास हुआ है, आम जनता टैक्स चुकाकर भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। छत्तीसगढ़ में लोक निर्माण विभाग, नगरीय निकाय विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पीएचई विभाग के भ्रष्टाचार एक के बाद एक उजागर हो रहे हैं। विगत दिनों लोक निर्माण विभाग के 50 लाख के टेंडर में अपने चहेते अपात्र ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए इरादतन दस्तावेजों में हेरफेर की गई, जरूरी रजिस्ट्रेशन और इलेक्ट्रिकल लाइसेंस की अनिवार्यता से छूट देकर क्वालिफाई कर दिया, नियमानुसार फर्म को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए था, इसके बावजूद उसी फर्म को कार्य सौंपे दिया गया।

कांग्रेस के संरक्षण में पल रहे घोटालेबाज अब पाताल से भी खींचे जा रहेः भाजपा

■ 'भूपेश कका का वरदहस्त अब काम नहीं आएगा, कानून का शिकंजा कस चुका है, छत्तीसगढ़ की जनता को पाई-पाई का हिसाब देना होगा'

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइण्ड सौरभ चन्द्राकर की ओमान में हुई गिरफ्तारी के मद्देनजर तत्कालीन कांग्रेस सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय जाँच एजेंसियों की तत्परता और जीरो टॉलरेंस की नीति का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी को सट्टे के दलदल में धकेलने वाला मुख्य गुनहगार आज सलाखों के पीछे है। उसे ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया जा रहा है और अब इस 5 हजार करोड़ रुपए के महाघोटाले के असली 'आकाओं' के चेहरे बेनकाब होकर रहेंगे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कांग्रेस शासनकाल पर कड़ा कटाक्ष करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में भूपेश बघेल की सरकार 'सट्टा सरकार' के रूप में याद की जाएगी। जिस भिलाई के लड़के ने 2019 से हजारों करोड़ रुपए का साम्राज्य खड़ा कर लिया, वह तत्कालीन कांग्रेस सरकार की नाक के नीचे फल-फूल रहा था।

18 लाख पीएम आवास देने का वादा निकला झूठा, विजय शर्मा के पत्र से खुली पोल

रायपुर/नवप्रदेश। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा पर पीएम आवास के नाम प्रदेश के गरीबों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा 9 जून को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर आवास पूर्ण होने पर आभार व्यक्त करते है वहीं 6 जुलाई को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को पत्र लिखकर पीएम आवास के हितग्राहियों को आवास देने की मांग करते है। उपमुख्यमंत्री के दोनों पत्र से भाजपा सरकार के पीएम आवास के नाम से गरीबों को गुमराह करने की ओछी राजनीति का पर्दाफाश हो गया।

मो. अकबर की पहल का असर, मई तक की सामाजिक सुरक्षा पेंशन जारी

■ राज्यपाल को पत्र लिखकर किया था पेंशन दिलाने का आग्रह

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अकबर द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लंबित भुगतान को लेकर राज्यपाल को लिखे गए पत्र के बाद अब हितग्राहियों को राहत मिलनी शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने मई 2026 तक की लंबित पेंशन राशि का भुगतान कर दिया है, जबकि जून माह की पेंशन जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अकबर ने 5 जून को राज्यपाल को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि प्रदेश में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के लाखों हितग्राहियों को कई महीनों से पेंशन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा था कि लगातार बढ़ती महंगाई और भीषण गर्मी के बीच गरीब, बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग हितग्राहियों के लिए पेंशन ही जीवनयापन का प्रमुख सहारा है, ऐसे में भुगतान में देरी से वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। पत्र में अकबर ने राज्यपाल से संविधान के अनुच्छेद 154 के तहत अपनी संवैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया था।

बघेल ने छत्तीसगढ़ के बाद अब पंजाब कांग्रेस में भी सुलगाई बगावत : भाजपा

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पंजाब कांग्रेस में मची भीषण अंतर्कलह और प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल की भारी राजनीतिक विफलता पर तीखा तंज कसा है। श्री पाण्डेय ने कहा कि जो व्यक्ति छत्तीसगढ़ में अपनी पूरी सरकार और संगठन को डुबा चुका हो, उसे कांग्रेस आलाकमान ने पंजाब की कलह शांत करने का जिम्मा सौंपा है, जो बेहद हास्यास्पद है। परिणाम सबके सामने है- भूपेश बघेल के पैर पंजाब में पड़ते ही वहाँ कांग्रेस बगावत की आग में पूरी तरह झुलस गई है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि पंजाब पहुँचते ही प्रभारी बघेल की जो फजीहत हुई है, वह कांग्रेस के भीतर उनके घटते कद और सांगठनिक नाकामी को दर्शाती है।

स्कीमः आर्थिक सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री साय की बड़ी पहल, ई-कोष से एकीकृत डिजिटल व्यवस्था से मिलेगा त्वरित लाभ

शासकीय कर्मियों के लिए वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना शुरू

■ आकस्मिक जरूरतों के लिए अब ऊंची ब्याज दर पर ऋण लेने की आवश्यकता नहीं होगी

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन के सभागार में राज्य के शासकीय सेवकों के लिए वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने योजना के ब्रोशर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इसे कर्मचारी कल्याण, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य शासकीय सेवकों को आकस्मिक परिस्थितियों में सम्मानजनक, त्वरित और सहज वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासकीय सेवक राज्य के विकास की रीढ़ हैं। जब कर्मचारी आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर कार्य करेंगे, तभी शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। उन्होंने कहा कि अब कर्मचारियों को आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए निजी साहूकारों अथवा ऊंची ब्याज दरों पर ऋण लेने की विवशता का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की है, जिसके माध्यम से वे बिना अनावश्यक कागजी प्रक्रिया के अपनी पात्रता के अनुसार अल्पावधि ऋण प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग करते हुए इस सुविधा को ई-कोष प्रणाली से एकीकृत किया है। यह व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल, पेपरलेस, सुरक्षित और पारदर्शी है तथा इससे राज्य सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार भी नहीं आएगा। उन्होंने इस अभिनव पहल के लिए वित्त विभाग की टीम को बधाई देते हुए सभी शासकीय सेवकों से विकसित छत्तीसगढ़ और सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक सुधारों और कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने के बाद अब वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण योजना प्रारंभ की गई है, जिससे तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए बिना ब्याज वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि पायलट चरण के मात्र दो माह में 73 हजार से अधिक कर्मचारियों ने पंजीयन कराया है तथा 27 हजार कर्मचारी इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। भविष्य में बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले कर्मचारियों को प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर अधिक राशि के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने की भी योजना है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी संघ के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना कर्मचारियों की लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करेगी तथा आकस्मिक परिस्थितियों में उन्हें सम्मानजनक और त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी। उल्लेखनीय है कि यह सुविधा ई-कोष प्रणाली से एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित होगी। कर्मचारी ई-कोष के एम्प्लॉयी कॉर्नर से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

सुविचार

बिना लक्ष्य के जीवन उस लिफाफे की तरह है जिस पर पता नहीं लिखा होता नतीजतन वह कभी कहीं नहीं पहुंच पाता

चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासत

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर एसआईटी की जांच के बाद जो नये नये खुलासे हो रहे हैं। उसे लेकर अब सियासत भी तेज होती जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से महासचिव चंपत राय का त्याग पत्र मंजूर होने के बाद अब इस मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां भी बढ़ गई हैं। खासतौर पर समाजवादी पार्टी चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर लगातार हमलावार रूख अख्तियार किये हुए है। सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव के अलावा समाजवादी पार्टी के अन्य नेता भी इसे लेकर निशाना साध रहे हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी आरोपों की बौछार करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को लेकर लगातार बयानबाजी जारी रखी हुई है। कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत्र ने तो अब सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ही हमला बोल दिया है। उन्होंने कहा है कि अयोध्याा में श्रीराम मंदिर पीएम मोदी ने किया था। इसका उदघाटन भी उन्होंने किया वहां कलश की स्थापना भी उन्होंने की थी। मंदिर के संचालन के लिए उन्होंने ही ट्रस्ट बनवाया था और आज जब चढ़ावा चोरी में उस ट्रस्ट के करता धरता की भूमिका ही संदिग्ध पाई जा रही है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी क्यों चुप हैं। जाहिर है चढ़ावा चोरी प्रकरण ने विपक्षी नेताओं को भाजपा, आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद पर निशाना साधने का सुनहरा मौका दे दिया है और वे इसे भला क्यों गवांयेगें। सीधी सी बात है कि विपक्षी पार्टियां आगामी उत्तप्रदेश विधानसभा चुनाव में इसका राजनीतिक फायदा उठाने की हर संभव कोशिश करेंगे। इसमें कोई हर्ज भी नही है। यदि आज भाजपा सत्ता में होती और किसी विपक्षी पार्टी शासित राज्य में ऐसी घटना होती तो वह भी इसे लेकर राजनीति जरूर करती। अब आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद को तो सफाई देनी ही पड़ेगी कि आखिरकार ट्रस्ट के प्रमुख कर्ता धरता चंपत राय के ठीक नाक के नीचे यह चोरी आखिर लंबे समय तक कैसे चलती रही। उनको सिर्फ पद से हटाया जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनकी जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। गौरतलब है कि चंपत राय ने पद से हटने के बाद रामभक्तों के नाम एक चिटठ्ी जारी की है जिसमें उन्होंने अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा है कि वे चार दशकों से श्रीराम मंदिर निर्माण से लेकर वहां की व्यवस्था के काम में जुटे रहे हैं और उनका जीवन खुली किताब रहा है। उनके ऊपर व्यक्तिगत रूप से निराधार आरोप लगाये जा रहे हैं। जिसका जवाब वे एसआईटी की अंतिम रिर्पोट सामने आने के बाद ही देंगे। बहरहाल चंपत राय की भूमिका को लेकर तो एसआईटी ने भी सवाल खड़े किये हैं और संभवतः इसका जवाब उन्हें एसआईटी की जांच के दौरान देना भी पड़ेगा। इस चढ़ावा चोरी प्रकरण ने भाजपा की पेशानी पर बल डाल दिया है क्योंकि कुछ माह बाद ही उत्तरप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। वैसे तो उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष के तमाम आरोपों का जवाब दे रहे हैं और उल्टे विपक्ष पर ही हमला करके विपक्ष के हथियार की धार को कुंद करने की कोशिश कर रहे हैं उन्होंने कहा है कि जिन लोगों की भगवान श्रीराम में आस्था ही नहीं थी और जो अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का विरोध करते थे यहां तक की जिन लोगों ने रामभक्तों पर गोलियां चलाई थी वे अब खुद को रामभक्त बता रहे हैं। रंग बदलने के मामले में तो उन्होंने गिरगिट को भी मात दे दी है। वे इस तरह की अनरगल बयानबाजी कर हिन्दुओं की एकता को तोडना चाहते हैं किन्तु उनके मनसूबे कामयाब नहीं होंगे। देखना होगा कि इस मामले को लेकर हो रही सियासत क्या रंग लाती है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर

श्री राधा कृष्ण ध्वजा हाथ हो, सदगुरु का साथ हो फ़िर वो बंदा अनाथों का नाथ हो। सभी गुरु भाई बहन निंदा से ऊपर उठ कर श्री कृष्ण कार्य में तन–मन प्राण से जुट जाए; सत्संग, उत्सव, जागरण, त्रिकाल संध्या, गुरु भोग, आरती। जिंदगी का हर पल आखिरी पल है बस यही जान लो तो एक क्षण भी निर्थक नहीं गवां सकते। कोई अविवेकी हो गया और नीच करम पे उतर आया तो क्या तुम विवेकी होकर भी नीचता पे आओगे? नहीं, तुम विवेकवान रहो! किसी के कारण किसी के शत्रु नहीं बने। ना मेरे कारण किसी और के, ना किसी और के कारण मेरे ! है। हम जो भी सुख–दुख पा रहे हमारे ही अपने कर्मों के परिणाम।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1816: अर्जेंटीना को स्पेन से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। 1875: बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना की गई थी, जो भारत और एशिया का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज है। 1893: शिकागो के प्रोविडेंट अस्पताल में डॉ. डेनियल हेल विलियम्स ने बिना एनेस्थीसिया के दुनिया की पहली सफल ओपन-हार्ट सर्जरी की थी।1951: भारत में पहली पंचवर्षीय योजना की शुरुआत हुई थी। 2000 - फिजी में जार्ज स्पीट तथा सैन्य नेताओं के मध्य समझौता सम्पन्न। 2001 - भारत द्वारा पाक सीमा पर दो चौकियां स्थापित करने की घोषणा। 2002 - आर्गेनाइजेशन आफ़ अफ़्रीकन यूनिटी का नाम बदलकर अफ़्रीकन यूनियन किया गया। 2004 - एशियाई विकास बैंक ने आतंकवाद से लड़ने हेतु अपने 42 सदस्य देशों के लिए एक कोष बनाया। 2007 - भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक हिमांशु जैन को ग्लास साइंस के क्षेत्र में ध्यातत्व कार्य हेतु ओट्टो स्कॉट रिसर्च पुरस्कार प्रदान किया गया। 2008 - ईरान ने लम्बी एवं मध्यम दूरी तक प्रहार क्षमता वाले नौ प्रक्षेपास्त्रों का परीक्षण किया।

ई-जागृति: डिजिटल भारत में उपभोक्ता न्याय के लिए नई परिकल्पना

प्रल्हाद जोशी
केन्द्र मंत्री

न्याय में देरी, लंबे समय से भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी निराशाओं में से एक रही है। चाहे वह खराब उत्पाद हो, ऑनलाइन खरीदी गई वस्तु का न मिल पाना हो, या अनुचित सेवा अनुबंध हो, शिकायत दर्ज करने से लेकर राहत पाने तक की प्रक्रिया अक्सर धीमी, बोझिल और डराने वाली रही है। हालांकि, भारत की उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है, लेकिन इसे समर्थन देने वाली प्रणाली तेज़ी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के साथ कदम मिलाते हुए आगे नहीं बढ़ पायी।

आज, उपभोक्ता ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ऑनलाइन बाज़ार में बड़े पैमाने पर लेन-देन करते हैं। उपभोक्ता न्याय की पारंपरिक व्यवस्था–जो भौतिक रूप से दाखिल करने, व्यक्ति द्वारा एक-एक कर जांच करने, अलग-अलग सॉफ़्टवेयर प्लेटफार्म का उपुओग करने और आमने-सामने की सुनवाई के इर्द-गिर्द बनायी गयी थी–धीरे-धीरे अपर्याप्त सिद्ध होने लगी। डिजिटल युग में उपभोक्ता अधिकार सुनिश्चित करने के लिए केवल कानूनी सुधार ही पर्याप्त नहीं थे; इसके लिए न्याय देने के तरीके में पूरी तरह से बदलाव करने की जरूरत थी। यहीं पर ई-जागृति एक महत्वपूर्ण बदलाव लाती है। यह सिर्फ़ एक तकनीक प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के केंद्र में पहुंच, पारदर्शिता और दक्षता को रखकर उपभोक्ता विवाद समाधान के तरीके की नए सिरे से परिकल्पना करने का प्रयास है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में एक आधुनिक फ्रेमवर्क की परिकल्पना की गयी थी, जो बाज़ार की उभरती वास्तविकताओं के अनुरूप काम करने में सक्षम हो। हालाँकि, कानून की भावना को प्रभावी सार्वजनिक सेवा में बदलने के लिए कई अलग-अलग पुरानी प्रणालियों को हटाकर एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम को अपनाने की जरूरत थी। पुराने प्लेटफ़ॉर्म में एकरूपता की कमी, पुरानी संरचना, एक-दूसरे से जुड़कर काम करने की सीमित सुविधा और भौतिक प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भरता जैसी समस्याएँ थीं। कई उपभोक्ताओं के लिए–विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन और अनिवासी भारतीय –न्याय पाने की प्रक्रिया की लागत अक्सर एक बड़ी बाधा बन जाती थी। ई- जागृति उपभोक्ता शिकायत की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर इन संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करती है। ओटीपी आधारित पंजीकरण और ऑनलाइन दाखिल करने से लेकर डिजिटल जाँच, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, वर्चुअल सुनवाई, बहुभाषी आदेश और वास्तविक समय में मामले की निगरानी तक, यह प्लेटफ़ॉर्म नागरिकों को किसी भौगोलिक या प्रक्रियात्मक जटिलता की बाधा के बिना न्याय पाने में मदद करता है। ऐसे बदलाव का महत्व केवल सुविधा तक ही सीमित नहीं है। यह नागरिकों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच रिश्ते को मौलिक रूप से बदल देता है। डिजिटल वर्कफ़्लो कागजी काम को कम करते हैं, अलग-अलग अधिकार-क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को एक जैसा बनाते हैं, विवेकाधीन देरी को कम करते हैं और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। मामलों की स्वचालित सूची, ऑनलाइन डैशबोर्ड और तुरंत सूचना सुनिश्चित करती है कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता को हर जानकारी मिलती रहे, जिससे प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत होता है।

इस प्लेटफ़ॉर्म ने न्याय को और अधिक समावेशी बनाने के लिए उभरती तकनीकों को भी अपनाया है। एआई-सहायता प्राप्त मामला विश्लेषण, वॉइस-टू-टेक्स्ट कार्यप्रणाली, टेक्स्ट-टू-स्पीच सुविधा, बहुभाषी इंटरफेस, उन्नत सर्च क्षमता और पहुँच प्राप्त करने के उपकरण जैसी विशेषताओं के जरिए समाज के विभिन्न हिस्सों से अधिक लोगों की भागीदारी संभव हुई है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोगों में हाइब्रिड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का देश भर में लागू होना भी उतना ही अहम रहा है, जिससे वर्चुअल सुनवाई उपभोक्ता न्याय दिलाने की प्रक्रिया का एक ज़रूरी हिस्सा बन गई है। दूरदराज के जिलों या विदेशों में रहने वाले नागरिकों के लिए, इससे कानूनी लड़ाई की वित्तीय और लॉजिस्टिक लागत दोनों काफी हद तक कम हो गई हैं।

फिर भी, इस स्तर के तकनीकी बदलाव में चुनौतियाँ हमेशा मौजूद रहती हैं। डिजिटल सुधार अक्सर संस्थानों को स्थापित प्रथाओं पर फिर से सोचने के लिए मजबूर करते हैं और उपयोगकर्ताओं को अपरिचित प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ई-जागृति की शुरुआत के दौरान, डेटा स्थानान्तरण, भुगतान गेटवे एकीकरण, इंटरफेस की उपयोगिता और लंबे समय से चल रहे मैनुअल प्रक्रियाओं में बदलाव को लेकर चिंताएँ उभरीं। कानूनी पेशेवरों और अन्य हितधारकों के कुछ हिस्सों ने नई डिजिटल व्यवस्था को अपनाते समय कुछ चिंताएं जाहिर कीं।

इन चिंताओं को बाधा मानने की बजाय, कार्यान्वयन प्रक्रिया ने उन्हें निरंतर सुधार के मौकों के तौर पर देखा। उपभोक्ता आयोगों, कानूनी पेशेवरों, तकनीकी विशेषज्ञों और राज्य सरकारों के साथ व्यापक परामर्श से इस प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिली। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, क्षेत्रीय कार्यशालाएं, वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र, साप्ताहिक शिकायत निवारण संवाद और लगातार तकनीकी समर्थन से हितधारकों का नई प्रणाली में धीरे-धीरे भरोसा बढ़ा। इस अनुभव से एक महत्वपूर्ण सबक मिलाः डिजिटल परिवर्तन केवल इसलिए सफल नहीं होता कि तकनीक लागू की गई है, बल्कि इसलिए सफल होता है, क्योंकि संस्थाएं उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया के प्रति संवेदनशील रहती हैं और निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन

श्रीपाद नाइक
विद्युत राज्यमंत्री

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों। स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए। इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए।

पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैंः स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए। लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें।

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां ङ्क जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड ङ्क ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं।

भारत की 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं। हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है।

आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त पोषण, तकनीक संबंधी साझेदारी और क्षमता विकास के जरिए विकासशील देशों की मदद करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों के लिए सुदृढ़ एवं विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियां सुनिश्चित करने हेतु मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीक, नवाचार और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना जरूरी होगा।

अब जबकि ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता आगे बढ़ रही है, सहयोग की एक ऐसी भविष्योन्मुखी रूपरेखा को मजबूत करने का अवसर है जो सामर्थ्य, बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, विश्वसनीयता, तकनीक की सुलभता, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास का समर्थन करे।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आम आदमी को अपने हक के लिए सड़क पर धरना , अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करने के साथ साथ न्याय के लिए आवाज उठाना पड़ता है ।आप कुर्सी में बैठ कर उनके बारे में नहीं सोचते ,जिस काम के लिए आप को चुना गया है फिर आप उनके विचारों को दमन क्यों करते हैं उनकी बात को न्याय के रखवाले से तितर बितर करना बंद करें । आपके पास न्याय पालिका ,कार्य पालिका , व्यवस्थापिका और मीडिया है इसका मतलब कुछ भी करेंगे ? आप सरकार हैं आपकी जवाब देही है ,और लोकतंत्र को ज्यादा दमन करना ठीक नहीं। **- लक्ष्मी नारायण लहरे '**

सिकंदर ख़ाली हाथों ही गया था, याद है मुझको, मैं इस मिट्टी की दुनिया का मुकम्मल ज्ञान रखती हूँ। न धन की चाह, न शोहरत का है कोई ख़्वाब आँखों में, मैं अपने शब्द की दौलत में ही ईमान रखती हूँ।

- आरती आलोक वर्मा

बच्चियो के साथ दरिंदगी बढते जा रहे है शादीशुदा जिदंगी मे लव वाला एंगल लाकर हत्याएं हो रही है कानून इन्हें मौत की सजा क्यो नही देता जमानत पर सोनम निकली जा रही है संविधान मे कानून लचीला है तो कानून को सख्त बनाईये बहन बेटियो को इनसे बचाईये।

- आशुतोष श्रीवास्तव

सरकार ने बोला सोना मत खरीदो , सरकार ने बोला विदेश भ्रमण मत करो ङ्घ हां वो करे तो वो अलग बात है ! सरकार ने बोला तेल बचाओ ङ्घ हां वो ना बचाये तो वो अलग बात है लेकिन आज जब 13 साल की बेटी के साथ 5 दिनों तक 31 दरिंदो ने हैवानियत की तब सरकार क्यों नहीं कुछ बोल रही ? **- रूबी प्रसाद**

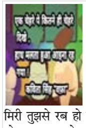

तु हमेशा मेरी नज़र में हो के बग़ैर तेरे गुज़र न हो ! तिरी दीद जिसमें न हो मुझे कोई ऐसी शाम ओ सहर न हो !! है दुआ फ़क़त मिरी तुझसे रब हो जहाँ में सुर्ख़रु ये 'वफ़ा' रहे ख़ुश गवार ये सब जहाँ कहीं आँख कोई भी तर न हो !

- कविता सिंह

बारिश की पहली बून्द , गिरि तप्त धरा पर , बन मोती , चहकी मिट्टी पर , जल बूंदन का स्पर्श पा , महक उठी सूखी मिट्टी , उसकी सोंधी खुशबू से , गहरी नींद से जाग उठा , नन्हा सुप्त बीज , ली उसने अंगड़ाई , फेंक मिट्टी की चादर , खोल आँख , बाहर झाँका , बन एक नन्हा कोपल , धरती की गोद सजाया , कोयल ,पपीहा , बुलबुल ने खूब सोहर गीत गाया , हरी-भरी धरती देख ,सबका मन हर्षाया। **- वर्षा ठाकुर**

यह जो आम है ना बदहवास दिखेगा चुनाव आने दो सबका खास दिखेगा नारे नए-नए होंगे भले इरादे न हों मंचों पर नया-नया लिबास दिखेगा हर गली में बदलाव का शोर होगा चुनाव ढलते ही सब उदास दिखेगा महीने-दो-महीने तो पूछ होगी बहुत फिर वही उपेक्षा का इतिहास दिखेगा ये टोल, ये पार्किंग रियाया के नाम है हाकिमों की गाड़ियों में पास दिखेगा वोट की खातिर जो सिर झुकाते थे जीतते ही उनका अट्टहास दिखेगा अब चाहे सरदार बदले या सरकार आम का हमेशा सत्यानाश दिखेगा भले बदल जाए तंत्र का मौसम वंदन ग़रीब की थाली में उपवास दिखेगा ।। **- मनीष सिंह वंदन**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष राशि : आज आपका दिन हर्षोल्लास से भरा रहेगा। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की प्रतीक्षा आज समाप्त होगी नई पोस्ट पर कार्यभार व जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है लेकिन आप पूरी ईमानदारी से काम करेंगे।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आपको एक अ'छे सकारात्मक माहौल में काम करने का मौका मिलेगा और कलीग्स के साथ आपके रिश्ते मित्रवत होंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन आनंदमय रहेगा। कारोबार में आज नए प्रयोग करने के बजाय वर्तमान कार्य योजनाओं को अ'छी तरह से मैनेज करना बेहतर होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबीलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में आज कार्यभार थोड़ा बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने की संभावना है आप अपने निजी जीवन में चली आ रही उलझनों से छुटकारा पाने में कामयाब रहेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके जीवन मे कुछ नया बदलाव लाने वाला है। आज आपकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज के दिन विवाह योग्य लोगों के लिए अ'छा रिश्ता आ सकता है। आज आप अपनी दिनचर्या में महत्वपूर्ण बदलाव करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके जीवन में नयापन लेकर आने वाला है। आज आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने के योग हैं।

धनु राशिः आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। इंश्योरेंस और कमीशन से जुड़े कामों में लाभ होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक जीवन में नयी खुशियां आएंगी। बहुत समय से रुके हुए आज काम पूरे होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आज आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी।

मीन राशिःआज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी पुराने मामले को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में आएगा।

QUIZ TIME

1) भारत में महात्मा गांधी श्रृंखला के नोट पहली बार कब जारी किए गए थे?

2) भारत में जनगणना का जनक किसे माना जाता है?

3) थ्वाइट्स ग्लेशियर , जिसे डूम्सडे ग्लेशियर भी कहा जाता है, किस महाद्वीप में स्थित है?

4) 1825 में वेदांत कॉलेज की स्थापना किसने की?

5) मिसेस इंटरनेशनल वर्ल्ड 2026 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन बनी है?

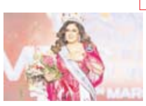

Ramaquiz

उत्तर- (1) 1996 (2) हेनरी वाल्टर (3) अंटार्कटिका (4) राजा राम मोहन राय (5) [illegible]

पहेली

शब्द सामर्थ्य -093

न्यूज गैलरी

धमतरी जिला अग्रवाल समाज की नई कार्यकारिणी घोषित

कुरुद/नवप्रदेश। कुरुद और धमतरी क्षेत्र के अग्रवाल समाज के लिए एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन छत्तीसगढ़ प्रांतीय इकाई द्वारा धमतरी जिला इकाई का गठन समाज को संगठित करने और सामाजिक कार्यों को गति देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। आयोजन स्थलः रायपुर का मेक कॉलेज में प्रमुख अतिथि/पदाधिकारीः राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रभारी ईश्वर अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री द्वय कर्तव्य अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने धमतरी जिला इकाई की नई नियुक्तियाँ की जिसमें ?जिला अध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं ?जिला महामंत्री मनोज राजकुमार अग्रवाल (कुरूद) को बनाया गया द्यसभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र सौंपकर उनसे संगठन की मजबूती और समाज सेवा के लिए सक्रिय रूप से काम करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ?धमतरी और कुरूद से समाज के गणमान्य नागरिक अनिल अग्रवाल, दयाराम अग्रवाल, श्री सुभाष अग्रवाल,द्य अनूप अग्रवाल आदि) इस गरिमामयी समारोह के साक्षी बने और नई टीम को शुभकामनाएं दीं।

अतिरिक्त कक्ष निर्माण को मिली 16.27 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने एवं विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) की प्रबंधकारिणी समिति की अध्यक्ष प्रतिष्ठा ममगाईं ने विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मनोधरपुर (मेहना) स्थित प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 16 लाख 27 हजार रुपये* की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्माण कार्य जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) निधि से कराया जाएगा। अतिरिक्त कक्ष बनने से विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त एवं सुविधाजनक अध्ययन कक्ष उपलब्ध होंगे, जिससे शिक्षण व्यवस्था और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बन सकेगी। साथ ही बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप आवश्यक अधोसंरचना विकसित होने से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वीकृत कार्य को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

पति ने पत्नी से की मारपीट, मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। सिटी कोतवाली पुलिस के अनुसार 6 जुलाई को ग्राम मचेवा निवासी रितु देवांगन के साथ उसके पति हुलस देवांगन ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 115(2), 296 एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

15 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश।सरायपाली पुलिस ने ग्राम कुटेला के तालाब पुलिया के पास कार्रवाई करते हुए माधोपाली निवासी शोभाराम मांझी (36) के कब्जे से 15 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब बरामद की। जब्त शराब की कीमत करीब तीन हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

अरुण सार्वा के कार्यालय पहुंचे ग्रामीण शिक्षकों की कमी दूर करने की उठाई मांग

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकासखंड के ग्राम पंचायत बेलर-बरबांधा के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा से मुलाकात कर गांव के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पर्याप्त शिक्षक नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, इसलिए शीघ्र अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति की जाए।प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सरपंच रुक्मणि मरकाम एवं उपसरपंच बीजू राम नेताम ने किया। उनके साथ ताराचंद कोर्राम, स्वदेश नेताम, हरिराम मरकाम, सुदेश नेताम, कनेश्वरी कोर्राम, जागेश नेताम तथा महेश नेताम भी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में कुल 142 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि वहां केवल 4 शिक्षक पदस्थ हैं। विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए कम से कम 3 अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता है।

टीचर या अफसर शिक्षा विभाग में संलग्नीकरण का खेल समाप्त

■ 17 शिक्षक-कर्मचारी मूल संस्था के लिए कार्यमुक्त

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले के शिक्षा विभाग में वर्षों से कार्यालयों में संलग्न रहकर गैर- शिक्षकीय कार्य कर रहे शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आखिरकार उनके मूल पदस्थापना स्थल पर लौटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर ने मंगलवार को आदेश जारी करते हुये कुल 17 शिक्षक एवं कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से उनके मूल संस्था/कार्यालय के लिये कार्यमुक्त कर दिया है। यह कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा 25 जून 2026 को जारी निर्देशों तथा 23 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री की समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के परिपालन में की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा), विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बीआरसी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों में संलग्न शिक्षकों एवं कर्मचारियों को तत्काल उनकी मूल पदस्थ संस्था में भेजा जाये। मिली जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न शिक्षा कार्यालयों में कई शिक्षक व कर्मचारी वर्षों से शिक्षकीय कार्य तथा अपने मूल पदस्थापना स्थल को छोड़कर कार्यालयीन दायित्व निभा रहे थे, जबकि अनेक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी रही।

आदेश तत्काल प्रभाव से लागू: जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा तथा संबंधित सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों को उनकी मूल संस्था/कार्यालय के लिये कार्यमुक्त माना जायेगा। सवाल यह भी उठाया गया था कि शिक्षक आखिर शिक्षक हैं या फिर कार्यालयों में अधिकारी की भूमिका निभाने के लिये नियुक्त किये गये हैं। शिक्षा जगत के लिये, शिक्षकों का गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्नीकरण एक बड़ा सवाल था। अब जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम माना जा रहा है। शिक्षकों की मूल पदस्थापना वाले विद्यालयों में उनकी वापसी से शिक्षण व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

किन-किन कार्यालयों से हटाये गये संलग्न कर्मचारी

आदेश के अनुसार जिन कर्मचारियों एवं शिक्षकों को कार्यमुक्त किया गया है, उनमें प्रमुख रूप से - जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय गरियाबंद, समग्र शिक्षा कार्यालय, विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) कार्यालय गरियाबंद, फिंगेश्वर,मैनपुर,देवभोगआदि कार्यालयों में संलग्न कर्मचारियों को मूल पदस्थ संस्था के लिये कार्यमुक्त कर दिया गया है। इनमें प्रधान पाठक, एलबी शिक्षक,सहायक ग्रेड-02 एवं सहायक ग्रेड-03 सहित विभिन्न पदों पर कार्यरत कुल 17 अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे हैं।

प्रतिबंध के बावजूद तीन ट्रैक्टर कचरा डंप, सर्जिकल ग्लव्स, सिरिंज, नीडल, ड्रिप व बैंडेज मिले

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़, मेडिकल कॉलेज का बायो मेडिकल वेस्ट नपा डंपिंग यार्ड में फेंका

■ दबंगई के आरोप, जांच के बाद अधिकारियों ने माना- बायो मेडिकल वेस्ट मौजूद

महासमुंद/नवप्रदेश। जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बनाए गए बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन के कड़े नियमों की धज्जियां उस समय उड़ती नजर आई, जब मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल का बायो मेडिकल वेस्ट नगर पालिका के तुमाड़बरी स्थित मणिकंचन (एसएलआरएम) सेंटर के डंपिंग यार्ड में खुलेआम फेंक दिया गया। गंभीर बात यह है कि नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा इसका विरोध करने और कचरा खाली करने से मना करने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन से जुड़े लोगों ने कथित राजनीतिक संरक्षण और दबंगई के बल पर तीन ट्रैक्टर कचरा डंप कर दिया।

डंपिंग यार्ड में पड़े कचरे में सर्जिकल ग्लव्स, सिरिंज, नीडल, ड्रिप सेट, बैंडेज, दवाइयों के रैपर, टेबलेट सहित बड़ी मात्रा में बायो मेडिकल वेस्ट दिखाई दिया। विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के संक्रमित कचरे को खुले में फेंकना संक्रमण फैलने का बड़ा कारण बन सकता है और यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

रायपुर की कंपनी को मिला है जिम्मा, फिर भी खुले में फेंका गया कचरा : जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज सह जिला अस्पताल से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के संग्रहण और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण का जिम्मा रायपुर की एसएमएस वाटर ग्रेस कंपनी को दिया गया है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में बायो मेडिकल वेस्ट नगर पालिका के डंपिंग यार्ड में पहुंचना अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

रोकने पर कर्मचारियों से बदसलूकी, गैरहाजिरी में खाली कर गए कचरा : नगर पालिका कर्मचारियों ने जब अस्पताल से आए वाहनों को कचरा खाली करने से रोका और बताया कि यहां बायो मेडिकल वेस्ट डालना पूरी तरह प्रतिबंधित है, तब कथित रूप से अस्पताल प्रबंधन से जुड़े कुछ लोगों ने कर्मचारियों से अभद्रता की। आरोप है कि कर्मचारियों के वहां से हटने के बाद तीन ट्रैक्टर कचरा डंप कर वाहन वापस लौट गए।

सीएमओ ने अधीक्षक से पूछा, पहले बताया सामान्य कचरा

घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार शाम नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सौरभ शर्मा मौके पर पहुंचे और वहीं से मेडिकल कॉलेज के संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. बसंत महेश्वरी से फोन पर चर्चा की। अधीक्षक ने प्रारंभिक तौर पर इसे अस्पताल का सामान्य कचरा बताया। हालांकि सीएमओ ने मौके पर मौजूद सामग्री को बायो मेडिकल वेस्ट बताते हुए इस पर आपत्ति दर्ज कराई।

निरीक्षण में खुली पोल, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने माना- बायो मेडिकल वेस्ट है: बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की तीन सदस्यीय टीम ने डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने वहां बायो मेडिकल वेस्ट की मौजूदगी स्वीकार की और उसे तत्काल उठाकर सुरक्षित निस्तारण कराने की बात कही।

डंपिंग यार्ड में दिनभर मवेशियों और आवारा कुत्तों का जमावड़ा

नगर पालिका के एसएलआरएम सेंटर में शहर का सामान्य ठोस कचरा लाकर उसका पृथक्करण और जैविक खाद तैयार करने का कार्य किया जाता है। वहीं अनुपयोगी कचरे का डंपिंग भी किया जाता है। लेकिन इसी परिसर में अस्पताल का बायो मेडिकल वेस्ट फेंक दिए जाने से खतरा कई गुना बढ़ गया है। डंपिंग यार्ड में दिनभर मवेशियों, आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों का जमावड़ा लगा रहता है। यदि संक्रमित सामग्री इनके संपर्क में आती है तो संक्रमण फैलने का खतरा पूरे शहर तक पहुंच सकता है।

नगरीय प्रशासन सचिव से मांगा गया मार्गदर्शन

नगर पालिका के सीएमओ ने पूरे मामले की जानकारी नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव को भेजते हुए आवश्यक मार्गदर्शन मांगा है। माना जा रहा है कि मामले में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और आगे की कार्रवाई को लेकर शासन स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

अर्टिका कार में पुलिस ने जब्त की 130 पौवा अवैध शराब

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में अवैध रूप से शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन पर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल बलौदाबाजार की संयुक्त पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए लग्जरी कार में अवैध रूप से शराब का परिवहन कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

मुखबिर से मिली सूचना पर थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे सफेद रंग की अर्टिका कार क्रमांक डीएल 1 सीएई 6066 में अवैध शराब रखकर परिवहन करते हुए कृषि उपज मंडी खोरसीनाला के सामने खैंदा (ड) मेन रोड पर कार की तलाशी लेने के दौरान 40 पौवा गोवा तथा 90 पौवा देशी सहित 130 पाव अवैध शराब बरामद की गई। चालक ने अपना नाम धनकुमार टंडन बताया। आरोपी धनकुमार टंडन पिता श्यामरतन टंडन 58 वर्ष, साकिन खैंदा के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

पुलिस ने 51 लाख रुपए के अवैध गांजा के साथ मध्य प्रदेश के दो तस्करों को धरदबोचा

कुल जब्त सामग्री- 54 लाख 99 हजार रुपए

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध गांजा, शराब के तस्करी करने वालों पर कडे एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रांर्गत संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग करने के लिए फिक्स प्वाइंट लगा कर चेकिंग किया जा रहा है। दिनांक 07.07.2026 को थाना प्रभारी मैनपुर को मुखबीर से सूचना मिला की एक सफेद रंग के डस्टर कार में अवैध रूप से भारी मात्रा में गांजा लेकर देवभोग रोड होते हुए मैनपुर की ओर जा रहा है।

मुखबीर के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना मैनपुर से पुलिस टीम रवाना कर झरियाबहरा तिराहा के पास पुलिस टीम को तैनात कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। उसी दौरान मुखबीर के द्वारा बताये गये सफेद रंग का डस्टर कार आते दिखा। जिससे दुर से हांथ से ईशारा कर रोका गया।

पुलिस को देख कर कार चालकर वाहन को तेज गति से भागाने लगा। जिसे बैरिकेट लगा कर रोका गया। वाहन में सवार व्यक्तियों का नाम पता पुछने पर 01) आर्यन मालवीय पिता हरीष मालवीय उम्र 20 वर्ष निवासी ईछावर थाना ईछावर जिला सिहोर (म.प्र.) 02) अभिषेक महेस्कर पिता जितेन्द्र महेस्कर उम्र 23 वर्ष ईछावर थाना ईछावर जिला सिहोर (म.प्र.) का रहने वाला बताया। समक्ष गवाहन के सफेद रंग के डस्टर कार का तलाशी लेने पर कार में रखे अवैध रूप से 102.750 किलो ग्राम कीमती 51 लाख 37 हजार 500 रूपये एवं घटना में प्रयुक्त सफेद रंग का डस्टर कार क्रमांक सीसी 04-के.डब्लू.-5689 कीमती 03 लाख 50 हजार व दो नग मोबाइल कीमती 11 हजार 500 रूपये। कुल जप्ती - 54 लाख 99 हजार रूपये को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी आर्यन मालवीय एवं अभिषेक महेस्कर का कृत्य अपराध धारा 20 (ख) नारकोटि एक्ट का पाये जाने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस कार्यवाही में थाना मैनपुर पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।

30 किलो गांजा तस्करी मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, मुख्य खरीदार भी दबोचा गया

■ फरार दो परिवहनकर्ता, कार मालिक और डेस्टिनेशन प्वाइंट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में 30 किलो गांजा तस्करी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में फरार चल रहे दो गांजा परिवहनकर्ताओं, गांजा मंगाने वाले मुख्य आरोपी (डेस्टिनेशन प्वाइंट) तथा तस्करी में प्रयुक्त कार के मालिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस प्रकरण में पहले ही 30 किलो गांजा, तस्करी में प्रयुक्त कार और मोबाइल फोन समेत कुल 23.22 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

पुलिस के अनुसार 19 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कार में गांजा की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर सुअरमाल मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने कार को तेज गति से भगाते हुए कोमाखान की ओर दौड़ा दिया। पुलिस टीम ने बाइक से पीछा किया। पीछा किए जाने पर आरोपी रेलवे क्रॉसिंग के पास अंडरब्रिज में कार छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिक्की से 30 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई। गांजा और वाहन को जब्त कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को वाहन के स्वामित्व संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर टीम जबलपुर पहुंची। वहां वाहन मालिक दुर्गेश चक्रवर्ती को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर फरार गांजा परिवहनकर्ता छोटू सिंह ठाकुर और राजेन्द्र राज चौधरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि वे जबलपुर निवासी संदीप गुप्ता के लिए गांजा की खेप लेकर आए थे। इसके बाद पुलिस ने संदीप गुप्ता के ठिकाने पर दबिश देकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस चारों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर महासमुंद लाई, जहां न्यायालय में पेश करने के बाद उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में गांजा तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पारधी गिरोह के सात शातिर चोर गिरफ्तार

■ सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण से मिली सफलता, 12.46 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

महासमुंद/नवप्रदेश। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में हुई नकबजनी की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए पारधी गिरोह के सात शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, तीन मोटरसाइकिल सहित कुल 12 लाख 46 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। पूछताछ में आरोपियों ने आरंग और सक्ती जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र में भी चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया है। गिरोह के अधिकांश सदस्यों के खिलाफ पूर्व से भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 23 जून को ग्राम रूढ़ा निवासी हरिश्चंद्र पटेल (62) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जून की रात अज्ञात चोर घर में घुसकर अलमारी उठाकर खेत में ले गए और उसे तोड़कर उसमें रखी नकदी, सोने का लटकन, तीन सोने की अंगूठियां तथा सात जोड़ी चांदी की पायल चोरी कर ले गए। मामले में सिंघोड़ा थाना में बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और अपराधियों के कार्य करने के तरीके (मोडस ऑपरेंडी) का अध्ययन किया। जांच में पता चला कि घटना से एक दिन पहले आरोपी ग्राम पैकिन में एक छठी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि छठी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उन्होंने आसपास के गांव में चोरी की योजना बनाई। 22 जून की रात ग्राम रूढ़ा के एक मकान से अलमारी उठाकर खेत में ले गए, ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी और आभूषण चोरी कर लिए।

गड़बड़ी: उपभोक्ताओं का दावा- बिना रकम दिए नहीं होता काम, रसीद तक नहीं मिलती, एई ने विस्तृत जवाब देने से किया इनकार

बिजली कार्यालय पर अवैध वसूली का आरोप, उच्च स्तरीय जांच की मांग

छुईखदान/नवप्रदेश। छुईखदान विद्युत वितरण कार्यालय एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। क्षेत्र के कई उपभोक्ताओं ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि नए घरेलू बिजली कनेक्शन और कृषि पंप कनेक्शन जैसे कार्यों में नियमों से अधिक ÷व्यवस्था÷ का बोलबाला है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि बिना अतिरिक्त राशि दिए उनका काम समय पर नहीं होता और कार्यालय के बाहर सक्रिय कुछ लोगों के माध्यम से ही प्रक्रिया पूरी कराई जाती है।

उपभोक्ताओं के अनुसार, नया घरेलू बिजली कनेक्शन लेने पहुंचे आवेदकों को सबसे पहले कार्यालय के बाहर बैठे या विभाग से जुड़े बताए जाने वाले व्यक्तियों के पास फॉर्म भरवाने के लिए भेजा जाता है, जहां लगभग 100 रुपये लिए जाते हैं। इसके बाद 1 किलोवाट के नए कनेक्शन के नाम पर 2700 से 3000 रुपये तक जमा कराए जाते हैं। वहीं टेस्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए भी विभाग द्वारा बताए गए ठेकेदारों के पास भेजा जाता है, जहां 300 से 500 रुपये तक अतिरिक्त राशि लिए जाने का आरोप है।

सबसे गंभीर आरोप यह है कि इन अतिरिक्त पैसों की कोई रसीद नहीं दी जाती। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि रसीद मांगने पर साफ कह दिया जाता है कि इसकी कोई रसीद नहीं मिलेगी। कई उपभोक्ताओं का यह भी आरोप है कि कार्यालय में राशि जमा करने के बाद भी तत्काल रसीद नहीं दी जाती और केवल यह कहकर भेज दिया जाता है कि ÷कल आपका कनेक्शन हो जाएगा।÷ बाद में मोबाइल पर लगभग 2100 रुपये जमा होने का संदेश आने से यह सवाल खड़ा होता है कि शेष राशि आखिर किस मद में ली गई।

कृषि पंप कनेक्शन को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि यदि आवेदक अतिरिक्त राशि देने से मना करता है तो उसका एस्टीमेट अधिक राशि का बनाया जाता है, जबकि बाद में पैसे देने पर उसी कार्य का एस्टीमेट कम कर दिया जाता है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि वास्तविक लागत कम है तो शुरुआत में अधिक राशि का एस्टीमेट तैयार करने का औचित्य क्या है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग में दलालों की कथित सक्रियता के कारण आम उपभोक्ता सीधे कार्यालय से अपना वैध कार्य नहीं करा पा रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को हो रही है, जिन्हें समय पर बिजली कनेक्शन की आवश्यकता होने के कारण मजबूरी में अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं। इससे विभाग की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

एई ने विस्तृत पक्ष देने से किया इनकार

इन आरोपों के संबंध में जब छुईखदान विद्युत वितरण कार्यालय की सहायक अभियंता (एई) मदलसा विश्वकर्मा से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने किसी भी आरोप पर विस्तृत बाइट देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि विभाग में कर्मचारियों की कमी है, जिसके कारण कार्य प्रभावित होते हैं। हालांकि उपभोक्ताओं द्वारा लगाए गए अवैध वसूली, दलालों की सक्रियता, बिना रसीद राशि लेने तथा एस्टीमेट में कथित अनियमितताओं जैसे आरोपों पर उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

संक्षिप्त खबरें

सेजेस राजिम में एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान के वृक्षारोपण अभियान संचालित

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले के शासकीय रामबिशाल पाण्डेय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) राजिम में एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान के तहत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जा रहा। विद्यालय में संचालित मिशन लाइफ यूथ एंड इको क्लब की प्रभारी व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में अमरूद, आम, कनेर, इमली, अशोक, बबुल आदि पौधों का रोपण किया जा रहा है। प्रभारी व्याख्याता ने बताया कि अभियान के तहत अब तक 160 से अधिक छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया जा चुका है। विद्यार्थियों द्वारा अपने घरों एवं आसपास भी पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बी. एल. ध्रुव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता तापमान, भीषण गर्मी एवं जलवायु परिवर्तन संपूर्ण मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।इको क्लब जिला नोडल एवं व्याख्याता सागर शर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए। प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का आजीवन संकल्प ले और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप मिले।क्लब प्रभारी समीक्षा गायकवाड़ ने बताया कि मिशन लाइफ यूथ एंड इको क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष विद्यालय में वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाता है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों द्वारा अधिक से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक पौधे की सुरक्षा, नियमित सिंचाई एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी विद्यार्थियों को सौंपी गई है, ताकि भविष्य में ये पौधे विकसित होकर स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

एंटी वेनम वेक्सीन सभी पीएचसी में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो -कलेक्टर'

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। मंगलवार को समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा करते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बारिश के मौसम में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटी वेनम वेक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अस्पतालों में स्टॉफसहित सभी बुनियादी सुविधाएं तथा मौसमी बीमारियों से निपटाने सभी स्वास्थ्य अमले अलर्ट मोड़ पर रहे। विकासखंड स्तर पर गठित क्रिक रिस्पॉन्स टीम हमेशा सतर्क हो और सूचना प्राप्त करे। किसी भी क्षेत्र में महामारी की सूचना मिलने पर तत्काल टीम पहुँच जाना चाहिए। उन्होने कहा कि बारिश के मौसम में खान-पान,शुद्ध पेयजल आदि के सम्बन्ध में जागरूकता अभियान चलाएं। मितानिन हर दिन गृह भेंट कर ग्रामीणों से मिलकर हाल चाल जाने और किसी की तबियत खराब हो तो उसकी सूचना पीएचसी को देना चाहिए। कलेक्टर ने पीएचई विभाग के अधिकारियो को विभिन्न पेयजल स्त्रोतो का वाटर टेस्टिंग एवं क्लोरिनीकरण शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिये।

रोजगार लेने वाले ही नहीं, रोजगार देने वाले भी बनें युवा : प्रकाश सिन्हा

महासमुंद/नवप्रदेश। बेस्ट कंप्यूटर एजुकेशन द्वारा आयोजित रोजगार मेला-2026 में जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं क्षेत्र क्रमांक-21 अंकोरी के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने युवाओं से कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज के युवाओं को केवल रोजगार लेने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने का लक्ष्य भी रखना चाहिए।

अपने संबोधन में प्रकाश सिन्हा ने कहा कि समाज में ऐसे अनेक युवा हैं जो अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद बेरोजगार हैं, जबकि कई कम पढ़े-लिखे लोग अपने हुनर और मेहनत के बल पर सफल उद्यमी बनकर दूसरों को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए केवल नौकरी की तलाश पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल, मेहनत और अवसरों की सही पहचान भी जरूरी है।

मैदान में घास, बच्चों में सर्प एवं बिच्छू का भय, स्कूल समिति एवं नपं की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

■ **कोपरा स्कूल परिसर बना तालाब**

कोपरा नवापारा/नवप्रदेश। जिला गरियाबंद में लगातार हो रही बारिश के कारण कोपरा के शासकीय विद्यालय का पूरा परिसर जलमग्न हो गया है। स्कूल परिसर में जगह-जगह पानी भर जाने से पूरा मैदान तालाब जैसा दिखाई दे रहा है। वहीं विद्यालय के खेल मैदान में घास तेजी से उग आई है। जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों में सर्प एवं बिच्छुओं के निकलने का भय बना हुआ है। इस स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रबंधन समिति तथा नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। पालकों का कहना है कि बारिश के मौसम में विद्यालय परिसर से पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष यही स्थिति बनती है। इस बार लगातार हुई बारिश के बाद स्कूल परिसर में कई दिनों तक पानी जमा रहने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छोटे बच्चे पानी से होकर कक्षाओं तक पहुंचने को मजबूर हैं।जिससे दुर्घटना और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। विद्यालय के खेल मैदान में लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण घनी घास उग आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में जहरीले सांप और बिच्छू आसानी से छिपे रहते हैं। जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर पालकों की चिंता बढ़ गई है। यदि समय रहते मैदान की सफाई नहीं कराई गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। अभिभावकों का कहना हैं कि विद्यालय प्रबंधन समिति एवं नगर पंचायत को इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।लेकिन जिम्मेदार शिक्षा विभाग लापरवाही बरत रहे हैं। पालकों ने विद्यालय परिसर से पानी की तत्काल निकासी, मैदान की साफ-सफाई, घास कटाई और नियमित रखरखाव की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द ही आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो वे संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। लोगों ने जिला प्रशासन से भी मामले का संज्ञान लेकर विद्यालय परिसर का निरीक्षण कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है। वहीं पालकों का कहना कि स्कूल समिति, नगर पंचायत और संबंधित शिक्षा विभाग बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस गंभीर समस्या का समाधान कब तक करते हैं। इस मामले पर शाला विकास समिति अध्यक्ष दिनेश साहू का कहना हैं कि पानी निकासी की समस्या के लिए प्रयास जारी हैं। बहुत जल्द ही इस समस्या का समाधान कर लिया जायेगा।

इस मामले पर विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी फिंगेश्वर हेमंत साहू का कहना हैं कि यह बहुत ही गंभीर समस्या हैं। कोपरा स्कूल स्वामी विवेकानंद स्कूल के लिए चयन हो गया हैं। मैदान समतली कारण एवम अन्य कार्य के लिए शासन को 33 लाख का प्रस्ताव भेजा गया हैं। शासन का आदेश मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

संलग्नीकरण खत्म करने की शुरुआत, उठे कई सवाल

शिक्षा विभाग में संलग्नीकरण खत्म 17 कर्मचारी मूल पदस्थापना पर लौटे

कोपरा नवापारा/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के शिक्षा विभाग में वर्षों से विभिन्न कार्यालयों में संलग्न रहकर गैर-शिक्षकीय कार्य कर रहे शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आखिरकार उनके मूल पदस्थापना स्थल पर भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर ने मंगलवार को आदेश जारी करते हुए 17 शिक्षक एवं कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से उनके मूल विद्यालय एवं कार्यालय के लिए कार्यमुक्त कर दिया। यह कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा 25 जून 2026 को जारी निर्देशों तथा 23 जून को स्कूल शिक्षा मंत्री की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में की गई है। आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, समग्र शिक्षा कार्यालय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बीआरसी कार्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों में वर्षों से संलग्न शिक्षकों एवं कर्मचारियों को तत्काल उनकी मूल पदस्थ संस्था में भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार जिले के कई शिक्षक एवं कर्मचारी लंबे समय से शिक्षण कार्य छोड़कर कार्यालयों में प्रशासनिक दायित्व निभा रहे थे। दूसरी ओर अनेक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई थी, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। ऐसे में विभाग की इस कार्रवाई को शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, समग्र शिक्षा कार्यालय, विकासखंड स्रोत समन्वयक बीआरसी कार्यालय गरियाबंद, फिंगेश्वर, मैनपुर एवं देवभोग सहित विभिन्न कार्यालयों से संलग्न कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थ संस्थानों के लिए कार्यमुक्त किया गया है। इनमें प्रधान पाठक, एलबी शिक्षक, सहायक ग्रेड-02 तथा सहायक ग्रेड-03 सहित विभिन्न पदों पर कार्यरत कुल 17 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। शिक्षकों की मूल विद्यालयों में वापसी से लंबे समय से शिक्षक विहीन या शिक्षक कमी से जूझ रहे विद्यालयों को राहत मिलने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण उपलब्ध होने की संभावना बढ़ेगी।

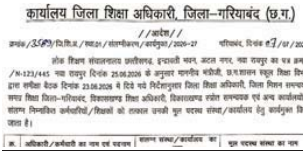
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

//आदेश//

कार्रवाई पर उठने लगे बड़े सवाल

क्या केवल 17 कर्मचारियों तक सीमित रहेगा आदेश

विभागीय आदेश के बाद अब इसकी निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। चर्चा है कि यह कार्रवाई अभी अधूरी और चुनिंदा लोगों तक सीमित दिखाई दे रही है।जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग में आज भी ऐसे कई कर्मचारी कार्यरत हैं। जिन्हें संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इंद्रावती भवन, नया रायपुर के आदेश से विभाग में पदस्थ किया गया था। इनमें कुछ कर्मचारियों का वेतन प्रतिनियुक्ति की तर्ज पर सीधे शिक्षा विभाग से आहरित हो रहा है।जबकि कुछ का वेतन अब भी विकासखंड छुरा के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल से निकाला जा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या इन कर्मचारियों को भी शासन के निर्देशों के अनुरूप मूल पदस्थापना पर भेजा जाएगा,या कार्रवाई केवल कुछ कर्मचारियों तक ही सीमित रहेगी। कस्तूरबा विद्यालयों की पदस्थापना भी चर्चा में एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

संत राजीव लोचन महाराज को छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग में उपाध्यक्ष बनने पर उत्साह

■ **ब्राह्मण समाज ने कहा– गौ सेवा और सनातन संस्कृति को मिलेगा नया आयाम**

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के धनगांव निवासी प्रसिद्ध संत राजीव लोचन महाराज को छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पूरे नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। विशेषकर सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं विप्र बंधुओं ने इस नियुक्ति को क्षेत्र और समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए महाराज श्री को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है। सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव विकास धर दीवान ने कहा कि राजीव लोचन महाराज का जीवन सेवा, साधना और संस्कारों के प्रति समर्पित रहा है। उनकी नियुक्ति से न केवल गौ सेवा आयोग को नई ऊर्जा मिलेगी, बल्कि समाज में गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति के प्रति जनजागरण भी और प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है कि इसी क्षेत्र के संत को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि राजीव लोचन महाराज वर्षों से गौ सेवा, सनातन संस्कृति, धार्मिक जागरण, सामाजिक समरसता एवं भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण के लिए सतत कार्य करते आ रहे हैं। ऐसे संत व्यक्तित्व को राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जाना उनकी सेवाओं का सम्मान है तथा इससे प्रदेश में गौ संरक्षण एवं संस्कृति संवर्धन के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर राकेश तिवारी, विनोद तिवारी, जितेंद्र तिवारी, अजय तिवारी, अनिल त्रिपाठी, दीपक तिवारी, शिवम तिवारी, राजेश धर दीवान, सुदीप शर्मा, कृपाशंकर त्रिपाठी, अभिषेक पाठक, सृजन दीवान, बंशीधर दीवान, रितेश शर्मा, रितेश तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, रोशन धर दीवान, रितेश मिश्रा, दीपक चौबे, प्रफुल्ल तिवारी, दुर्गेश शर्मा, दिव्यम शुक्ला, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महाराज को शुभकामनाएं दीं।

बसना में विकास का नया अध्याय: 9.61 लाख की सड़क का भूमिपूजन

बसना/नवप्रदेश। विकास की राह पर अब बसना का वार्ड नंबर 8 तेजी से आगे बढ़ चला है। वर्षों से सड़क, पानी और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे वार्डवासियों की अब सुनवाई हुई है। नगर पंचायत बसना के वार्ड क्रमांक 8 में 9 लाख 61 हजार रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन धूमधाम से किया गया। भूमि पूजन के साथ ही निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया, जिससे पूरे वार्ड में खुशी की लहर है।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. श्रीमती खुशबू अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि सरिंदर सिंह मन्नू, वार्ड 6 के पार्षद निर्मल दास, वार्ड 13 के पार्षद राकेश डरसेना, विशेष सहयोगी समिति अध्यक्ष गुलाम जाफर और निजामुद्दीन कादरी रवि आहूजा गोलू, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और वार्डवासी मौजूद रहे। सभी ने इस विकास कार्य का स्वागत किया और इसे वार्ड के लिए मील का पत्थर बताया।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

भाटापारा/नवप्रदेश। सुहेला थाना अंतर्गत ग्राम नेवारी निवासी अभियुक्त रेवाराम साहू को पीड़िता के साथ जबरदस्ती बालात्संग करने का अपराध सिद्ध होने पर व्यवहार न्यायालय भाटापारा के अपर सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार जायसवाल ने 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं आर्थिक दण्ड से दंडित किया है।

अपर लोक अभियोजक भाटापारा कैलाश यादव ने इस प्रकरण के बारे मे बताया कि पीड़िता ने 8 जनवरी 2022 को सुहेला थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 07.01.22 को अपने किराए के घर में थी, तभी ग्राम नेवारी का रेवाराम साहू आया और बोला कि तुम्हारे पति ने बोला है कि मेरे घर में रुक जाना, तब वह नहीं रुकना है बोली, तब घर का दरवाजा को बंद कर पीड़िता को पकड़कर खाट में लेटा दिया और शारीरिक संबंध बनाया। संभोग करने के बाद दरवाजा खोलकर चला गया। घटना की सूचना अपने पति को बताई। पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर थाना सुहेला के द्वारा एफआई आर दर्ज कर गवाहों के कथन लेख, जप्ती, मुलाहिजा आदि घटना की विवेचना पूर्ण कर चालान न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय में सभी गवाहों के कथन लेखबद्ध किया गया तथा अपर लोक अभियोजक कैलाश यादव ने अंतिम बहश में ऐसे अपराध के लिए आरोपी को कठोर दंड दिये जाने का निवेदन किया ।

नए रेस्टहाउस के लोकार्पण से पहले टीवी व एसी

सत्यम नगर में रिटायर्ड सबइंस्पेक्टर के घर में चोरी

डोंगरगांव/नवप्रदेश। नगर में चोरी की बड़ी वारदात की खबर आई है। राजनांदगांव मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के सामने नए विकसित हो रहे सत्यम नगर में रिटायर्ड एसआई के सुने मकान में चोरी की वारदात हो गई है। सूचना पर पुलिस, सायबर व डॉग स्क्वायड की टीम सक्रिय होकर विवेचना में जुट गई है। वहीं नगर के आउटर छुरिया मार्ग में स्थित नए रेस्टहाउस में लोकार्पण पुर्व ही एयर कंडीशनर व टीवी गायब होने की जानकारी मिली है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक नगर में राजनांदगांव मार्ग में पेट्रोल पंप के सामने नए विकसित हो रहे सत्यम नगर में रिटायर्ड सबइंस्पेक्टर के सुने मकान में चोरी की वारदात हुई है। प्रार्थी पुनीत श्रीवास की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है कि वे अपनी पत्नी व बेटे के साथ 4 जुलाई को कवर्धा गए थे। 7 जुलाई को उनका बेटा सूर्यकांत शाम 8 बजे वापस सत्यम नगर डोंगरगांव स्थित घर पहुंचा। घर के मेनगेट खोलने के बाद देखा कि घर का दरवाजा खुला है। भीतर जाकर देखा तो आलमारी से गहने व जेवरात गायब थे। तब सूर्यकांत ने उन्हें फोन से जानकारी दी। तब वे दूसरे दिन 8 जुलाई को सुबह 8 बजे पहुंचकर देखा कि उनके आलमारी से बेशकीमती सोने व चांदी के गहने जेवरात गायब हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी के बेटे सूर्यकांत द्वारा रात्रि 8 बजे जानकारी देने पर टीआई ने सत्यम नगर स्थित घर पहुंचकर मौका मुआयना किया। बहरहाल दूसरे दिन 8 जुलाई को डॉग स्क्वाड व सायबर सेल की टीम ने मौका मुआयना किया है।

लाखों के गहने जेवरात की चोरी

प्रार्थी ने बताया कि आलमारी से एक सोने का हार, एक जोड़ा सोने का टाप्स, 2 नग सोने की अगूठी, चांदी का पायजेब 15 तोला, चांदी का झालरयुक्त पायल एक जोडी, चांदी की पायल एक जोडी, चांदी का लाकेट, चांदी के 2 नग छोटे प्लेट, 2 नग चादी के छोटे चम्मच, चांदी के 02 नग ग्लास एवं चांदी के 10 जोडी बिछिया चोरी हुए हैं।

छुईखदान नगर पंचायत में तीन एल्डरमैन नियुक्त

छुईखदान/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छुईखदान नगर पंचायत के लिए तीन एल्डरमैनों की नियुक्ति की गई है। जारी आदेश के अनुसार अर्जुन महोबिया, राजू उइके एवं किरण गुप्ता को एल्डरमैन मनोनीत किया गया है। तीनों को भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं के रूप में जाना जाता है।

एल्डरमैन की नियुक्ति के बाद नगर की राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने तीनों मनोनीत एल्डरमैन का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी है। समर्थकों का कहना है कि तीनों लंबे समय से संगठन और जनहित के कार्यों से जुड़े रहे हैं तथा नगर के विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती से नगर पंचायत की बैठकों में उठाएंगे।

नगर पंचायत में एल्डरमैनों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। वे नगर के विकास कार्यों, जनहित से जुड़े प्रस्तावों और विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव एवं विचार रख सकते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि नई नियुक्तियों से नगर पंचायत के कार्यों में नई गति आएगी और स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर भी सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी। नगर के नागरिकों ने भी नवमनोनीत एल्डरमैनों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई है कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करेंगे तथा नगर के समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

कुरूद का कायाकल्प: भारत माता चौक पर लगेगी प्रतिमा

बोटिंग और सौंदर्यीकरण का ऐतिहासिक फैसला!

कुरूद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर की अध्यक्षता में आयोजित 10वीं पी.आई.सी. बैठक में नगर विकास को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। 'विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ' को आगे बढ़ाते हुए परिषद ने कुरूद को सुंदर और व्यवस्थित बनाने का संकल्प लिया है।

बैठक के मुख्य आकर्षण और बड़े फैसले

भारत माता चौक का गौरवः 15 अगस्त तक भारत माता की विशालकाय प्रतिमा स्थापित कर चौक का भव्य सौंदर्यीकरण किया जाएगा। केनाल रोड का कायाकल्पः अध्यक्ष निधि से केनाल रोड (भारत माता चौक से कुष्ठ कार्यालय तक) को चमकाया जाएगा। यहां लाइटिंग, स्टॉप डैम सौंदर्यीकरण और बोटिंग की शुरुआत होगी। हरियाली सप्ताहः पर्यावरण संरक्षण के लिए जुलाई माह में विशेष 'हरियाली सप्ताह' मनाया जाएगा। वार्डों का विकासः अध्यक्ष व पार्षद निधि से सभी वार्डों में मूलभूत कार्य होंगे। साथ ही मरम्मत कार्यों के लिए 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। ज्योति भानु चन्द्राकर ने कहा कि कुरूद नगर में विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए हम सब तेज गति से काम करते रहेंगे।

नगरी पंचायत सचिव संघ ब्लॉक शाखा का 19 स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह संपन्न

अध्यक्ष महेश गोटा ने पंचायत सचिवों की भूमिका की सराहना, नियमितीकरण की मांग शासन तक पहुंचाने का आश्वासन

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ, ब्लॉक शाखा नगरी द्वारा मंगलवार को आदिवासी हल्बा समाज भवन में स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दंतेश्वरी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। समारोह में पंचायत व्यवस्था को सशक्त बनाने, ग्रामीण विकास में पंचायत सचिवों की भूमिका तथा उनकी लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष महेश गोटा, पंचायत सचिव संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनित कुमार ध्रुव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हृदय साहू, पंचायत महासंघ अध्यक्ष रूपेश कुमार ध्रुव, सरपंच संघ अध्यक्ष उमेश देव, पूर्व पंचायत महासंघ अध्यक्ष रामप्रसाद मरकाम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित बोरझा, फेडरेशन के ब्लॉक संयोजक डोमार सिंह ध्रुव, रोजगार सहायक संघ अध्यक्ष डोमार सिंह देवांगन तथा सेवानिवृत्त पंचायत सचिव बालाराम नरेटी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाटापारा- बलौदाबाजार मार्ग पर दो बाइक आपस में टकराई, दो की मौके पर मौत, महिला गंभीर

भाटापारा/नवप्रदेश। भाटापारा- बलौदा बाजार मुख्य मार्ग पर अर्जुनी-खमरिया के पास दो बाइकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। तेज रफ्तार को इस हादसे की मुख्य वजह बताया जा रहा है। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

मामला भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत आता है। पुलिस के अनुसार, गणेश कुमार कौशले (45) अपनी पत्नी रेवती बाई (40) के साथ बाइक से बलौदा बाजार जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक, जिसे मोहित वर्मा (40) भाटापारा की ओर जा रहा था, से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

हादसे में गणेश कुमार कौशले और मोहित वर्मा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, गणेश की पत्नी रेवती बाई गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल बलौदा बाजार में भर्ती कराया गया है।

सरकारी वाहन चालकों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 150 से अधिक लोगों की हुई जांच

गरियाबंद/नवप्रदेश। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जनसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को आगे बढ़ाते हुए गरियाबंद पुलिस ने बुधवार को देवभोग रोड स्थित शौर्य पुलिस पेट्रोल पंप परिसर में विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकारी विभागों के वाहन चालकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें स्वस्थ और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना था। शिविर का लाभ आम नागरिकों और अन्य वाहन चालकों को भी दिया गया।शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने रक्तचाप (बीपी), शुगर और नेत्र परीक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच पूरी तरह निःशुल्क की। साथ ही प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में सरकारी विभागों के वाहन चालक, पुलिसकर्मी, कर्मचारी और आम नागरिकों सहित 150 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

गांव में लौटी जल समृद्धि, 'मोर गांव-मोर पानी' महा अभियान से लबालब हुई जल संरचनाएं

■ कबीरधाम ज़िले के 253 आजीविका डबरी और 25 नवा तरिया से होगा 432440 घन मीटर जल का संरक्षण*

कवर्धा / नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में भीषण गर्मी के दौरान मोर गांव मोर पानी महा अभियान अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार और जल संरक्षण करने के उद्देश्य से विकसित भारत जी राम जी योजना से बनाए जा रहे आजीविका डबरी और नवा तरिया का सकारात्मक परिणाम अब बारिश के महीने में देखने को मिल रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में अभी तक 253 आजीविका डबरी और 25 नवा तरिया का निर्माण किया गया है। जिसमें क्रमशः 225170 घन मीटर एवं 207234 घन मीटर सहित कुल 432404 घन मीटर वर्षा जल का संग्रहण होगा। उल्लेखनीय है कि मोर गांव मोर पानी महा अभियान अंतर्गत कबीरधाम जिले में वर्षा जल को रोकने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत घरो में सोख्ता गड्ढा, बोरवेल रिचार्ज पिट, विभिन्न ग्राम पंचायतो में नए तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण, नालों की गाद सफाई, पहाड़ों पर कंटूर ट्रेंच जैसे अनेक कार्य कराये गए हैं। लगातार प्रयासों के ही सुखद नतीजे है कि गांव में जल समृद्धि लौट रही है।

इस संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि कबीरधाम जिला वृष्टि छाया क्षेत्र में आता है।जिसके परिणाम स्वरूप यहां वर्षा जल में असमानता देखने को मिलती है। गिरते भू-जल स्तर और कम होते पानी को सहजने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गत वर्ष से ही जल संरक्षण का अभियान जारी रखा है। ग्रामीणों को जल संरचनाओं के निर्माण से बड़ी मात्रा में रोजगार और मजदूरी भुगतान प्राप्त हुआ है। निर्माण कार्य का लगातार निरीक्षण बैठकों के माध्यम से समीक्षा तथा ग्रामीणों के सकारात्मक सहयोग से

बहुत ही अल्प समय में सभी प्रमुख जल संरचनाओं का निर्माण पूरा हुआ और जल संरक्षण के रूप में सुखद नतीजे सामने आ रहे हैं।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि रोजगार, आजीविका और जल संरक्षण तीनों ही विषयों को आजीविका डबरी एवं नवा तरिया के कार्यों से जोड़ा गया है। इन कार्यों से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, मत्स्य पालन और उद्यानिकी फसलों के विस्तार से रोजगार एवं आजीविका के नए स्रोत ग्रामीणों के लिए खुलेंगे। जल संरक्षण द्वारा भविष्य को खुशहाल एवं सुरक्षित बनाने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। सभी से अपील की जाती है कि वह भी अपने घरों में सोख्ता गड्ढा बनाकर वर्षा जल को संग्रहीत करें और अपने कबीरधाम जिले को हरा-भरा बनाने में सहयोग प्रदान करें।

जल संरक्षण,रोजगार और आजीविका के अभियान पर एक नजर......!

1) आजीविका डबरी - कुल 253 आजीविका डबरी बने है। प्रत्येक का क्षेत्रफल 20म20 मीटर (400 वर्ग मीटर) है। लागत 1 लाख 40 हजार रुपए प्रति नग है। कुल 185248 मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को मिला और 3 करोड़ 68 लाख 87 हजार 700 रुपए का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों को प्राप्त हुआ। एक डबरी में लगभग 890 घन मीटर पानी रुकेगा तथा 253 डबरी में 225170 घन मीटर पानी का संग्रहण होगा। सभी डबरियो से लगभग 253 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा आसपास के हैंडपंप रिचार्ज होंगे। मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी फसलों के लिए ग्रामीणों को सहायता मिलेगी तथा आजीविका की गतिविधियों का विस्तार होगा।

2) नवा तरिया* - कुल 25 नवा तरिया का निर्माण हुआ है। प्रत्येक का क्षेत्रफल 80म80 मीटर (6400 वर्ग मीटर) है। लागत 10 लाख रुपए प्रति नग है।इस कार्य से कुल 103751 मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को मिला और 1 करोड़ 80 लाख 57 हजार रुपए का मजदूरी भुगतान ग्रामीणों क ो प्राप्त हुआ। एक नवा तरिया में लगभग 7146 घन मीटर पानी रुकेगा तथा 25 नवा तरिया में 207234 घन मीटर पानी का संग्रहण होगा। इन सभी तरिया से लगभग 290 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा आसपास के हैंडपंप को रिचार्ज करने में मद्द मिलेगी।मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी फसलों के साथ सामूहिक वृक्षारोपण हेतु ग्रामीणों को सहायता मिलेगी तथा आजीविका की गतिविधियों का विस्तार होगा।

3) कंटूर ट्रेंच - जनपद पंचायत स.लोहारा के ग्राम पंचायत गागंपुर के ग्राम कोराइडोंगरी में 15.48 एकड़ बंजर भूमि पर 2,511 कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं। वहीं ग्राम पंचायत बड़ौदाकला के ग्राम बड़ौदाकला में 13.70 एकड़ भूमि पर 2,464 कंटूर ट्रेंच का निर्माण पूर्ण किया गया है।इन संरचनाओं से वर्षा जल का बेहतर संचय होगा जिससे भू-जल स्तर में सुधार, मृदा संरक्षण और हरियाली बढ़ाने में मदद मिलेगी।कंटूर ट्रेंच से ग्रामीणों को 5049 मानव दिवस का रोजगार मिला है और 13 लाख 17 हजार 789 रुपए का मजदुरी भुगतान प्राप्त हुआ।दोनों कंटूर ट्रेंच में अनुमानित 53 लाख 72000 लीटर वर्षा जल का संग्रहण होगा।

न्यूज गैलरी

प्रदेश साहू समाज संघ की सह संयोजक बनीं डॉ. डाली साहू

कोपरा। प्रदेश साहू समाज संघ छत्तीसगढ़ के द्वारा कार्यकरणीय का विस्तार किया गया। इस अवसर पर जिला साहू संघ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू एवम महिला प्रकोष्ठ संयोजक दिव्या कलिहारी ने सर्वसम्मति से डॉ डाली साहू को जिला प्रदेश सहसंयोजक के रूप में नियुक्त किया। यह जिम्मेदारी वरिष्ठ समाजसेवी और पदाधिकारियों की अनुशंसा पर सौंपी गई। सभी ने नव नियुक्त प्रदेश सहसंयोजक पर विश्वास जताते हुए कहा कि यह निर्णय महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने में अहम कदम हैं। नियुक्ति के बाद उपस्थित पदाधिकारियों ने डॉ डाली साहू को शुभकामनाएं दी और आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नई जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाते हुए समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में समाज को संगठित करने और विकास की दिशा में कार्यरत रहने का संकल्प भी दोहराया। कोपरा नगर साहू संघ के उपाध्यक्ष भी हैं। समाजिक कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहती हैं। इस अवसर जिला गरियाबंद अध्यक्ष प्रवीण साहू, कामलेश साहू, चंदन साहू, अजय साहू, सोमप्रकाश साहू, रामकुमार साहू, पुष्पा जगन्नाथ साहू, देवराज साहू, यशवन्त साहू, जगदीश साहू, संतोष साहू, सष्टम साहू, दिनेश साहू, शशिकला साहू, नोखेलाल साहू, राजेश साहू सहित सामाजिक बंधू गण एवम सर्वसमाज से खिलेश्वर गोस्वामी, कृष्णनंद सेन, दिलीप वर्मा, दशरथ यादव, झाडू राम तारक, बसंत पटेल सहित सभी लोगों ने भी बधाई दी हैं।

जिले में प्रथम स्थान हासिल कर गांव की बेटी साक्षी वट्टी ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

नगरी/ नवप्रदेश। नगरी विकासखंड के लिए गर्व का विषय है कि ग्राम की प्रतिभाशाली छात्रा कु. साक्षी वट्टी, पिता इंदल सिंह वट्टी, ने जवाहर उत्कर्ष योजना परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे धमतरी जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से परिवार, विद्यालय तथा पूरे गांव में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

जिसमें साक्षी की इस सफलता को उसकी मेहनत, लगन, अनुशासन एवं निरंतर अध्ययन का परिणाम बताया जा रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।साक्षी की इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि साक्षी भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगी तथा अपने परिवार, गांव और जिले का नाम प्रदेश एवं देशभर में रोशन करेंगी।

संगठन की शक्ति से साकार होगा विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प, कवर्धा में नवीन भाजपा जिला कार्यालय का लोकार्पण

भाजपा का नवीन जिला कार्यालय राष्ट्रसेवा का नया केंद्र बनेगा: साय

■ भाजपा कार्यालय केवल भवन नहीं, राष्ट्रसेवा और संगठन साधना का देवालय है : मुख्यमंत्री

कवर्धा/नवप्रदेश । भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनसेवा के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में कबीरधाम जिले में नवनिर्मित भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में नवीन कार्यालय का लोकार्पण किया। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जाम्वाल, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, सांसद राजनांदगांव संतोष पांडेय, विधायक पंडरिया भावना बोहरा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में संगठन कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सशक्त संगठन ही जनसेवा की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह नवीन जिला कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति देने, कार्यकर्ताओं को सशक्त मंच उपलब्ध कराने तथा जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करने का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा की अखंड साधना है।

हमारे लिए संगठन का प्रत्येक कार्यालय किसी भवन का स्वरूप नहीं, बल्कि एक देवालय है, जहां राष्ट्र प्रथम का मंत्र, सेवा का भाव और अंत्योदय का संकल्प प्रतिदिन जीवंत होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यालय देवतुल्य कार्यकर्ताओं को समर्पित है, जिनके त्याग, समर्पण, सेवा और अथक परिश्रम ने संगठन को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संगठन की यही शक्ति विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा नवीन कार्यालय भवन में लिफ्ट स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को तत्काल स्वीकृति प्रदान करते हुए इसकी घोषणा की, जिसका उपस्थित कार्यकर्ताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कवर्धा में स्थापित यह नवीन जिला कार्यालय संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और जनसेवा के संकल्प को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की वास्तविक ताकत है और यह कार्यालय आने वाले वर्षों में संगठनात्मक गतिविधियों का प्रभावी केंद्र बनेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यालय राष्ट्रसेवा, संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनकल्याण के संकल्प का जीवंत केंद्र होता है। उन्होंने कहा कि यह नवीन कार्यालय संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जाम्वाल ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मर्यादा, अनुशासन और कार्यपद्धति का अक्षरशः पालन करने का आग्रह करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं संगठन का प्रतिनिधि होता है।

कलेक्टर ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

बेमेतरा/नवप्रदेश। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक कर बारीकी से एक एक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति, अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु निगम, हाउसिंग बोर्ड, और नगर निगम सहित अन्य निर्माण कार्य से संबंधित विभागों के कार्यपालन अभियंता एवं अनुबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समय-सीमा और गुणवत्ता पर सख्त निर्देश : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में स्वीकृत सभी निर्माण कार्य शासन की प्राथमिकता में हैं। इन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर और तय मानकों के अनुसार गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, ''विकास कार्यों में विलंब और गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता के पैसे का सदुपयोग हो, यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।''

एक-एक कार्य की हुई समीक्षा

बैठक में कलेक्टर ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभागवार कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क, पुल-पुलिया, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र और अमृत सरोवर योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति जानी। जिन कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई, उन पर नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी को 1 कार्य में तेजी लाने का अल्टीमेटम दिया गया।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

ममगाई ने कहा कि कई निर्माण कार्यों में सामग्री की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं को निर्देशित किया कि सभी निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और थर्ड पार्टी क्वालिटी मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से कराएं। उन्होंने चेतावनी दी, ''यदि किसी भी कार्य में मटेरियल की गुणवत्ता खराब पाई गई या तय एस्टीमेट से विचलन मिला, तो संबंधित ठेकेदार के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारी पर भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित निर्माण कार्य का भुगतान गुणवत्ता प्रमाणन के बाद ही किया जाए।''

देवशरण सेन और सूर्यकांत श्रीवास का सम्मान

राजनांदगांव/ नवप्रदेश। जिला सेन समाज ने समाज के दो प्रमुख प्रतिनिधियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। छत्तीसगढ़ शासन के केश शिल्पी कल्याण बोर्ड में सदस्य मनोनीत किए गए देवशरण सेन तथा रेवाडीह सर्किल अध्यक्ष एवं नवनियुक्त एल्डरमैन सूर्यकांत श्रीवास (बबला) का समाजजनों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाते हुए शुभकामनाएं दीं। जिला सेन समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में समाज के जिला संयोजक, पूर्व पार्षद एवं सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन को छत्तीसगढ़ शासन के केश शिल्पी कल्याण बोर्ड में सदस्य बनाए जाने पर गर्मजोशी के साथ सम्मानित किया गया। वहीं रेवाडीह सर्किल अध्यक्ष सूर्यकांत श्रीवास (बबला) के एल्डरमैन मनोनीत होने पर भी समाजजनों ने उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला सेन समाज के अध्यक्ष शेषनारायण शांडिल्य ने किया।

इस दौरान दोनों पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया तथा मिठाई खिलाकर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी गई। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि देवशरण सेन और सूर्यकांत श्रीवास को मिली नई जिम्मेदारियां पूरे सेन समाज के लिए गौरव का विषय हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों जनप्रतिनिधि समाज के हितों की रक्षा करते हुए जनसेवा के कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। सम्मान समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।जहां उपस्थित समाजजनों ने दोनों पदाधिकारियों के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए उनके सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शेषनारायण शांडिल्य, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष श्रीमती निशा श्रीवास, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिव कुमार सेन, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कौशिक, मुख्य सलाहकार धन्नूलाल सेन, भावेश शांडिल्य, श्रीमती हिलेश्वरी सेन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सिहावा में रथयात्रा से पहले पुलिस अलर्ट, डीजे-धूमाल पर हुआ मंथन

■ रोकने 10 दिन पहले बुलाई गई अहम बैठक, सिहावा थाना प्रभारी अजय सिंह ने जनप्रतिनिधियों संग बनाई शांतिपूर्ण आयोजन की रणनीति

नगरी/ नवप्रदेश। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा को लेकर सिहावा क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। रथों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस वर्ष भी सिहावा और भीतररास से भगवान जगन्नाथ की दो रथयात्राएं निकाली जाएंगी। पिछले वर्ष रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़, धक्का-मुक्की और विवाद की घटनाओं से सबक लेते हुए पुलिस प्रशासन ने इस बार पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

इसी कड़ी में रथयात्रा से 10 दिन पहले सिहावा थाना प्रभारी अजय सिंह ने ग्राम पंचायत भवन सिहावा में सरपंच, जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पिछले वर्ष हुई घटनाओं की समीक्षा करते हुए यह बात सामने आई कि रथयात्रा के दौरान डीजे और धूमाल की तेज धुन पर नृत्य करते समय युवाओं के बीच धक्का-मुक्की होती है, जिससे बहस, विवाद और भगदड़ जैसी स्थिति बन जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीजे एवं धूमाल के उपयोग को लेकर भी गंभीर मंथन किया गया।

थाना प्रभारी अजय सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की कि धार्मिक आयोजन की गरिमा बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही रथयात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाया जा सकता है।

परेशानी: राजनांदगांव जिले की राशन दुकानों में हितग्राहियों की लंबी लाइन, संचालक भी दे रहे गोलमोल जवाब

राशन दुकानों में ओटीपी बंद होने से ग्राहक और दुकानदार परेशान

राजनांदगांव/ नवप्रदेश। प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन दुकानों में मोबाइल ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण बंद किए जाने के बाद राशन वितरण व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। केवल बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट) के माध्यम से राशन दिए जाने की व्यवस्था से उपभोक्ताओं और राशन दुकान संचालकों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से वितरण प्रक्रिया धीमी हो गई है जिससे रोजमर्रा की आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

शहर सहित जिले की अधिकांश उचित मूल्य दुकानों में इन दिनों राशन लेने आने वाले हितग्राहियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पहले जहां मोबाइल ओटीपी के माध्यम से आसानी से राशन वितरण हो जाता था वहीं अब केवल फिंगरप्रिंट से सत्यापन की अनिवार्यता के कारण प्रक्रिया में काफी समय लग रहा है। दुकान संचालकों का कहना है कि कई बुजुर्गों, मजदूरों और दिव्यांग हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट मशीन में सही तरीके से नहीं आते। कई बार सर्वर की धीमी गति और नेटवर्क की समस्या के कारण घंटों तक राशन वितरण बाधित रहता है। ऐसे में न तो हितग्राहियों को समय पर राशन मिल पाता है और न ही दुकानदार निर्धारित समय में वितरण कार्य पूरा कर पाते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से भी लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि फिंगरप्रिंट मिलान नहीं होने के कारण कई पात्र हितग्राहियों को बार-बार दुकान के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे मजदूरी करने वाले लोगों की रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही है क्योंकि उन्हें राशन लेने के लिए काम छोड़कर कई बार आना पड़ता है। राशन दुकानदारों का कहना है कि यदि मोबाइल ओटीपी की सुविधा पुनः शुरू कर दी जाए तो जिन हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट मैच नहीं होते उन्हें भी आसानी से राशन मिल सकेगा और वितरण प्रक्रिया भी तेज होगी। उनका कहना है कि देश के कई राज्यों में बायोमेट्रिक के साथ ओटीपी का विकल्प उपलब्ध है जिससे उपभोक्ताओं और दुकानदारों दोनों को राहत मिलती है। राशन कार्डधारियों ने भी मांग की है कि छत्तीसगढ़ में भी अन्य राज्यों की तरह फिंगरप्रिंट के साथ मोबाइल ओटीपी का विकल्प उपलब्ध कराया जाए ताकि किसी भी तकनीकी परेशानी की स्थिति में पात्र हितग्राही राशन से वंचित न रहें। इधर सरकार के इस निर्णय को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। उपभोक्ताओं और राशन विक्रेताओं का कहना है कि व्यवस्था में सुधार के बजाय ओटीपी सुविधा बंद करने से अनावश्यक परेशानियां बढ़ गई हैं। उन्होंने शासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार कर जल्द से जल्द ओटीपी आधारित वैकल्पिक व्यवस्था पुनः लागू करने की मांग की है।

जिला खाद्य अधिकारी रविंद्र सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुरूप सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन वितरण की प्रक्रिया लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों तथा 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए ओटीपी की सुविधा उपलब्ध है। वहीं जो हितग्राही रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे राज्यों में रह रहे हैं वे वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना के तहत वहां भी अपना राशन प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि ओटीपी सुविधा बंद होने के कारण आम हितग्राहियों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

अतिरिक्त कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला कलेक्टोरेट में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाला कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त होने वाले आवेदनों का जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज आयोजित जनदर्शन में जिले के अमजनों की मांग एवं समस्याओं को सुना गया और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर जोर दिया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 90 से अधिक नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिन पर अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र नागरिक तक योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनदर्शन में ग्राम भुरका के दिव्यांग राजेंद्र प्रसाद नट ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन स्वीकृत कराने, ग्राम खैरागंगा के अशोक कुमार नट ने स्थायी जाति प्रमाण पत्र जारी कराने तथा ग्राम बोधीपारा के भारत यादव ने विद्युत पोल एवं जर्जर विद्युत तारों की मरम्मत कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अलावा

राजस्व, पंचायत, सामाजिक न्याय, विद्युत एवं अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न आवेदन भी प्राप्त हुए। अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन केवल शिकायत दर्ज करने का मंच नहीं, बल्कि शासन और आमजन के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। इसलिए प्रत्येक विभाग प्राप्त आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित करे, ताकि नागरिकों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, डिप्टी कलेक्टर मायानंद चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

90 से अधिक आवेदनों पर प्रशासन की कार्रवाई

जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 90 से अधिक नागरिकों ने अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने सभी आवेदनों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार और समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।

न्यूज गैलरी

मुंगेली में 1.18 लाख से अधिक किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूरा

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में किसानों को डिजिटल कृषि सेवाओं से जोड़ने के लिए संचालित एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान में अब तक 1 लाख 18 हजार 110 से अधिक किसानों का पंजीयन पूरा हो चुका है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में चल रहे अभियान की समीक्षा करते हुए एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शेष किसानों के लिए ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर, कॉमन सर्विस सेंटर और मोबाइल यूनिट के माध्यम से अभियान तेज किया जाए। बैठक में बताया गया कि एक्जेम्प्टेड श्रेणी के 3,680 में से 3,260 किसानों (88 प्रतिशत) का भी पंजीयन पूरा हो चुका है। अधिकारियों को सभी खसरा नंबरों का पंजीयन, नियमित मॉनिटरिंग और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।

उत्कर्ष योजना की कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई 2026 को किया गया था। परीक्षा परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों से दावा एवं आपत्ति आमंत्रित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 09 जुलाई 2026 तक जिला कलेक्टोरेट स्थित कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, मुंगेली के कक्ष क्रमांक 221 में निर्धारित समयावधि के भीतर अपना दावा अथवा आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धेय डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

बाढ़ और मौसमी बीमारियों से निपटने स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, गांवों का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: कलेक्टर

मुंगेली/नवप्रदेश। संभावित बाढ़ एवं वर्षाकालीन बीमारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाढ़ संभावित गांवों का व्यापक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की, वहीं विकासखंड पथरिया के निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित लाल एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक निमिष मिश्रा ने पथरिया विकासखंड के बाढ़ संभावित ग्राम मदकू, धूमा, सावंतपुर, मोतीमपुर, चुनचुनिया एवं सल्फा का भ्रमण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा स्वच्छ पेयजल के उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता, जलजनित एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी।

निजी अस्पतालों में व्यवस्थाओं की जांच

स्वास्थ्य विभाग ने सवेरा, आकृति, सिद्धी विनायक और द लेप्रोसी मिशन अस्पताल का औचक निरीक्षण कर साफ-सफाई, स्टाफ की उपस्थिति और नर्सिंग होम एक्ट के पालन की समीक्षा की। सिद्धी विनायक अस्पताल में वार्ड के बिस्तरों के बीच निर्धारित दूरी नहीं मिलने पर प्रबंधन को तत्काल दो बेड कम कर मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

बैंड बजाने के विवाद में युवक पर चाकू से हमला

मुंगेली/नवप्रदेश। चुलमाटी कार्यक्रम के दौरान बैंड बजाने की बात पर हुए विवाद में युवक पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रार्थी शिवदास पात्रे, निवासी धनगांव (च) द्वारा थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 3 जून को वह अपने साथियों के साथ ग्राम हेडसपुर में आयोजित चुलमाटी कार्यक्रम में बैंड बजाने गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब बैंड पार्टी अपने गांव लौटने की तैयारी कर रही थी, तभी ग्राम हेडसपुर निवासी महेन्द्र जांगडे वहां पहुंचा और दोबारा बैंड बजाने की जिद करने लगा, मना करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए अपने पास रखे नुकीले चाकू से शिवराज पात्रे के पेट के दाहिने हिस्से में वार करने पर आहत शिवराज पात्रे गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल जिला अस्पताल मुंगेली में भर्ती कराया गया, प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में धारा 296, 115(2), 351(3), 118(1) पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा त्वरित विधिवत् कार्यवाही करने निर्देशित किया गया।

जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर

पेज 1 का शेष...

ईओडब्ल्यू की हिरासत में...

कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला?: छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला राज्य के सबसे बड़े आर्थिक मामलों में से एक माना जाता है। प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की जांच के अनुसार, साल 2019 से 2022 के बीच सरकारी शराब बिक्री व्यवस्था में कथित सिंडिकेट बनाकर अवैध शराब की बिक्री, कमीशनखोरी और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क के जरिए करीब 3,200 करोड़ रुपए का अवैध घोटाला हुआ। मामले में कई आईएएस अधिकारी, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। मामले की जांच एवं अदालती प्रक्रिया जारी है।

महादेव सट्टाः मास्टरमाइंड...

ने यह कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सौरभ चंद्राकर पिछले कुछ समय से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार ने उसे वापस लाने के लिए औपचारिक प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल उसे ओमान की राजधानी मस्कट स्थित अल खौद हाई-सिक्योरिटी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

मानसून सत्र में आएगा ईज...

समाप्त करने जैसे प्रावधान किए गए हैं। इससे निवेशकों के लिए अनावश्यक प्रक्रियात्मक बाधाएं कम होंगी, कारोबार करने में सुगमता बढ़ेगी तथा राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।

तीन मजदूरों की मौत के...

सिलेंडर में अचानक भीषण विस्फोट होने से अरुण पाण्डेय, लाल सिंह एवं कमल सिंह की मौत हो गई थी। दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा तत्काल घटनास्थल पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घटनास्थल का विस्तृत परीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य लिए गए, फोटोग्राफ एवं विडियोग्राफ लिए गए तथा कारखाना प्रबंधन एवं श्रमिकों से प्रारंभिक पूछताछ कर दुर्घटना के कारणों की जांच प्रारंभ की गई।

8 आईएएस और 19 राज्य...

आपदा प्रबंधन और पुनर्वास विभाग का उप सचिव बनाया गया है। प्रतीक जैन को जिला पंचायत कोरबा का मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। सुरूचि सिंह को नगर पालिका निगम भिलाई का आयुक्त बनाया गया है। वहीं, जयंत नाहटा को जिला पंचायत धमतरी, एम. भार्गव को जिला पंचायत दंतेवाड़ा, तन्मय खन्ना को जिला पंचायत बस्तर और दुर्गा प्रसाद अधिकारी को जिला पंचायत राजनांदगांव का मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है।

रिटायर्ड एआरटीओ के घर...

जगहों पर मकान, फ्लैट और खेती की जमीनों के दस्तावेज भी मिले हैं। विजिलेंस ने बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपए बताई है।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन और...

डभरा एसडीएम को भी पक्षकार बनाया गया है। यह मामला वर्ष 2008 के भूमि अधिग्रहण मामला सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट से जुड़ा है, जिसे पहले एथेना पावर प्लांट के नाम से जाना जाता था। जानकारी के अनुसार, प्लांट की स्थापना के लिए वर्ष 2008 में आसपास के गांवों की लगभग 1,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था। इस प्रक्रिया में 800 से अधिक परिवारों ने अपनी जमीन दी थी। भू-विस्थापितों का कहना है कि पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति-2007 के तहत प्रभावित परिवारों को नौकरी अथवा नियमानुसार भत्ता दिया जाना था, लेकिन उन्हें इसका लाभ नहीं मिला।

राममंदिर में चढ़ावा चोरी...

इस्तीफे को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने दावा किया है कि वह चंपत राय का इस्तीफा नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा कि केवल वही नहीं, बल्कि ट्रस्ट के अधिकतर सदस्य भी चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे।

अल नीनो की चुनौती पर...

सिंह चौहान ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद बताया कि जून में 33 प्रतिशत कम बारिश के बाद जुलाई में स्थिति में सुधार आया है और अब यह कमी घटकर 24 प्रतिशत रह गई है। हाल के दिनों में देश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने से कम वर्षा वाले जिलों की संख्या 262 से घटकर 178 हो गई है।

नौकरीपेशा और पेंशनधारकों...

ने 'CITES 2.01' नाम से एक नया सेंट्रलाइज्ड आईटी सिस्टम लागू किया है, जिससे अब पीएफऔर पेंशन से जुड़े नियम भी बेहद आसान और पारदर्शी हो गए हैं। श्रम मंत्री के अनुसार, सरकार की ओर से मंजूर 8.25 प्रतिशत ब्याज को ऑटो-प्रोसेसिंग तकनीक के जरिए सीधे सदस्यों के खातों में ट्रांसफर किया जा रहा है। फील्ड अधिकारियों का सत्यापन पूरा होते ही यह राशि आपके खाते में जमा हो जाएगी।

भाजपा ग्रामीण मंडल के कार्यक्रम में डॉ. मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

मुंगेली/नवप्रदेश। भाजपा मुंगेली ग्रामीण मंडल द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती पर ग्राम चारभाठा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा मुंगेली ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचार आज भी बुजुर्गो एवं युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। एक देश में दो निशान दो विधान दो प्रधान नहीं चलेंगे। ऐतिहासिक संकल्प देने वाले प्रखर भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को शत् शत् नमन। इस अवसर भाजपा मुंगेली ग्रामीण मंडल ग्राम चारभाठा बूथ अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, आरएस श्रीवास, अशोक श्रीवास, सुरेश श्रीवास, गणेश श्रीवास, सुमित श्रीवास, जयलाल, बिसाहू श्रीवास, जोहित श्रीवास, छबिलाल, दिलीप, वीरेंद्र साहू, धर्मेंद्र सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं./अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक के वेंकट कामेश्वर राव आ. के. कामेश्वर राव निवासी शांतिनगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 5290 रकबा 0.0100 हे. है। जो भूमिस्वामी के रामलिंगम स्वामी पिता के कामेश्वर राव शामिलात खाते के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी के रामलिंगम स्वामी की मृत्यु दिनांक 13.04.2021 को हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.07.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या आने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202607104700014 /अ-03/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है ...

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग-01 (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202607104700013 /अ-03/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया ...

आज दिनांक 03.07.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग-01 (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202607103800011 /अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक एस.के. विश्वनाथ आ. सॉपल्ली कन्नियः नायडू निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आनदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 भूखंड के. एम.आई.जी.2/202 क्षेत्रफल 160 वर्गमीटर भूमि धारक एस.के. नायडू आ. एस. वेंकटाचलम के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक एस.के. नायडू मृत्यु दिनांक 30.04. 2021 को हो चुकी है। मृतक धारक द्वारा अपने जीवनकाल में प्रश्नाधीन उक्त भूखण्ड का पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 09.05.2019 को आवेदक एस.के. विश्वनाथ के पक्ष मे निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड में दर्ज मृतक धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22.07.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.07.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202607101000023/ब-121/सन्- 2025-26

मामले की श्रेणी-राजस्व

खेदामारा प.ह.न. 00011 हे.

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- दीपक कुमार सोनी/ ...

ईश्तहार

...

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00053 धनोरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं के.एल. फ्रांसीस (K.L.Francis) (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/ के.एल. मरियन्ना (K.L.Mariyanna) निवासी ब्लाक नं. 18/बी. स्ट्रीट नं.10, सेक्टर-03, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) में अपना नाम के.एल. फ्रांसीस (K.L. Francis) पिता के.एल. मरियन्ना (K.L.Mariyanna) (पुराना नाम) से बदलकर कुप्पली लुर्द फ्रांसीस (KUPPLI LURD FRANCIS) पिता कुप्पली लुर्द मरियन्ना (KUPPLI LURD MARIYANNA) निवासी ब्लाक नं.18/बी, स्ट्रीट नं. 10, सेक्टर-03, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
के.एल. फ्रांसीस
पिता के.एल. मरियन्ना
निवासी ब्लाक नं. 18/बी. स्ट्रीट नं.10, सेक्टर-03, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00039 बोरसी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104700100 ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/202601610200026 /अ-27/ वर्ष 2025-26

...

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/202607101200013 /अ-06/ वर्ष 2025-26

...

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं जनतत्री बाई (JANTATRI BAI) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) ध.प. मंतरी, निवासी- ब्राहम्ण पारा ग्राम व पो. घुमका जिला राजनांदगांव (छ.ग.) ने अपना नाम गायत्री बाई (GAYA-TRI BAI) (पुराना नाम) से बदल कर जनतत्री बाई (JAN-TATRI BAI) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
जनतत्री बाई ध.प. मंतरी
निवासी- ब्राहम्ण पारा ग्राम व पो. घुमका जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध ...

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

पीएम मोदी की मौजूदगी में प्रम्बानन मंदिर में गूंजा 'ओम नमः शिवाय' का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने बुधवार को योग्याकार्ता स्थित विश्व प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण एवं पुनरुद्धार परियोजना का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल यह मंदिर परिसर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। भगवान शिव को समर्पित यह ऐतिहासिक स्थल भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक माना जाता है।

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित 9वीं सदी के प्रम्बानन मंदिर का प्रांगण 'ओम नमः शिवाय' के मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा। तीन दिवसीय इंडोनेशिया यात्रा के अंतिम दिन प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और इस आध्यात्मिक माहौल की झलक सोशल मीडिया पर साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 28 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, "इंडोनेशिया के प्रम्बानन मंदिर में ? नमः शिवाय!" वीडियो में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमीन पर बैठकर आंखें बंद किए और हाथ जोड़कर 'ओम नमः शिवाय' का जाप करते दिखाई और सुनाई देते हैं। इस दौरान मंदिर में घंटियों की ध्वनि भी गूंजती है। गेरुए रंग के परिधान में प्रधानमंत्री मोदी भी हाथ जोड़कर मंत्रोच्चार के बीच खड़े नजर आते हैं। इंडोनेशिया यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने योग्याकार्ता स्थित प्रम्बानन मंदिर का संयुक्त दौरा किया। दोनों नेताओं ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया और प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के इतिहास तथा सांस्कृतिक महत्व की जानकारी ली। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न कराई और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

तनाव बढ़ा : होर्मुज में जहाजों पर ईरानी हमले के बाद एक्शन, अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना

ईरान से सीजफायर खत्म, 80 ठिकानों पर हमले, अब कोई डील नहीं : ट्रंप

तेहरान/ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा, हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने नाटो पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया था कि उसने ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई।

ईरान ने होर्मुज में तीन टैंकरों को बनाया निशाना

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया, जिसमें एक टैंकर कतर का था। ईरान ने चेतावनी दी कि हमारी तरफसे तय रुट इस्तेमाल नहीं होने पर सुरक्षा की गारंटी नहीं रहेगी।

अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफशहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफलाया गया।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की

कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी

तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

कुछ जहाज अब भी होर्मुज पार करने में सफल रहे

बढ़ते तनाव के बावजूद कुछ जहाज अब भी होर्मुज स्ट्रेट पार करने में सफल रहे हैं। 'मरकरी होप' नाम का एक बहुत बड़ा तेल टैंकर बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट पार कर गया। इसमें यूएई का 20 लाख बैरल कच्चा तेल था, इसके अलावा जापान का 'तेनजुन' और इंडोनेशिया का 'पर्टामिना प्राइड' नाम के दो बड़े तेल टैंकर भी मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट से निकल गए।

हमलों के बाद होर्मुज से 4 तेल और गैस टैंकर लौटे

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर ईरान के हमलों के बाद कम से कम चार तेल और गैस टैंकर बीच रास्ते से ही वापस लौट गए। रॉयटर्स के मुताबिक, 'अल घरिया', 'दुहैल' और 'अल रुवैस' नाम के तीन एलएनजी टैंकर होर्मुज स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मंगलवार देर रात उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया।

अमरनाथ यात्रियों का सातवां जत्था रवाना

जम्मू/ए.। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और भक्तिमय वातावरण के बीच बुधवार को अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का सातवां जत्था जम्मू बेस कैंप से रवाना हुआ। यात्रियों में बाबा बर्फानी के दर्शन को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने यात्रा की व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों की सराहना करते हुए इसे संतोषजनक बताया।

एक श्रद्धालु ने बातचीत के दौरान कहा, ÷अमरनाथ यात्रा का अवसर केवल बाबा बर्फानी की कृपा से मिलता है।

समुद्री क्षेत्र में भारत की ताकत बढ़ी

नई दिल्ली/ए.। कामराजार पोर्ट लिमिटेड ने 'कैपिटल ड्रेजिंग फेज ड्ढ्ढ' परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर 18 मीटर परिचालन ड्राफ्ट क्षमता हासिल कर ली है। इसके साथ ही कामराजार बंदरगाह, विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाद देश का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बन गया है, जहां 18 मीटर ड्राफ्ट वाले बड़े जहाजों का संचालन संभव होगा।

अब यह बंदरगाह 1,70,000 टन तक भार ढोने वाले विशाल कैपसाइज जहाजों को संभाल सकेगा।

न्यायालय तहसीलदार धमधा, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.:-........./ब-121 / वर्ष 2025-26
ग्राम- धमधा / प.ह.नं.- 15,

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका परमीला पिता मोतीलाल साहू, जाति-तेली, निवासी ग्राम धमधा, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग द्वारा प्रस्तुत आवेदन में लेख है, कि आवेदिका अपनी स्वयं की जन्म दिनांक 17/03/2005 को स्थान ग्राम धमधा, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग में जन्म हुआ है। जन्म का पंजीयन किसी भी जिले या स्थान में दर्ज नहीं होने से संबंधित विभाग में जन्म का पंजीयन स्थानीय रजिस्टार जन्म/मृत्यु को जन्म / मृत्यु रजिस्टीकरण म.प्र. सह पठित छ.ग. राज्य नियम 1973 के नियम 10 (3) के अंतर्गत निर्देश/आदेश देने हेतु आवेदन के साथ शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, नगर अध्यक्ष का प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर इस न्यायालय के समक्ष निवेदन पेश किया गया है।

उक्त प्रश्नाधीन वाद भूमि के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 15/07/2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
आगामी पेशी दिनांक 15/07/2026

मुहर — **तहसीलदार धमधा**

न्यायालय तहसीलदार बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ/20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं. 15

// ईश्तहार //

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मूलचंद बांधे पिता इतवारी बांधे जाति सतनामी निवासी ग्राम बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा नगर बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 स्थित नजूल भूमि पुरानीबस्ती शीट नं. 17 सी प्लाट नं. 12/3 क्षेत्रफल 385 वर्गफीट भूमि भू-भाटक 4.62 रूपये, (मकान) जो कि धारक मूलचंद, वेदप्रकाश पिता इतवारी बांधे सा. बलौदाबाजार के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। लीज / पट्टा अवधि दिनांक 31/03/1995 को समाप्त होना उल्लेखित करते हुए नवीनीकरण किये जाने हेतु शपथ पत्र एवं मेनटेनेंस खसरा की प्रतिलिपि सहित आवेदन पत्र नजूल अधिकारी (रा.) बलौदाबाजार से प्रकरण अग्रिम कार्यवाही हेतु प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

उक्त भूमि का नवीनीकरण किये जाने से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा-आपत्ति करना हो तो स्वयं अथवा किसी अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 17/07/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद दावा-आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार बलौदाबाजार**

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.-0771-4903223
Email :eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत धनसुली रायपुर, स्थित एल.आई.जी. भवन क्रमांक - 85 श्री आर.पी. चौबे पिता स्व. श्री ए.पी. चौबे के नाम से स्व-वित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 20.06.2012 को लीजडीड पंजीकृत कर, पूर्ण मूल्य जमा कर इस कार्यालय के पत्र क्रंमाक 3191 दिनांक 06.07.2012 के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया । वर्तमान में आबंटी श्री आर.पी. चौबे पिता स्व. श्री ए.पी. चौबे मकान नं. आई 03. जेल लाईन सेंटल जेल रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती उर्मिला मिश्रा पति श्री उमाकांत मिश्रा निवासी मकान नं. 07 तुलसी विला खम्हारडीह रायपुर छ.ग. को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संपदा प्रबंधन, प्रक्षेत्र-02, शंकर, नगर रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-129-26-27, दिनांक: 03.07.2026

कार्य: सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत भनवारटंक से खोडरी सेक्सन के बीच अप एवं डाउन लाइन के छोटे पुलों (49ए अप, 49ए डाउन, 50के अप, 50के डाउन, 50ए अप, 56ए अप, 56बी अप और 56 के डाउन) के अप्रोचेज पर बोल्डर गिरने से रोकने के लिए किमी 797/30-798/03 और किमी 800/1-5 एवं किमी 800/11-17 के किमी के बीच कटिंग कर चौड़ीकरण । **निविदा मूल्य (रू): 9,85,40,172.50/-, अमानत राशि (रू): 19,70,800/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 18 माह ।**

क्र.सं. (2) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-130-26-27, दिनांक: 03.07.2026

कार्य: सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत भनवारटंक से खोडरी सेक्सन में अप एवं डाउन लाइन के बीच किमी 800/41-48 पर बोल्डर गिरने की स्थान और भनवारटंक से खोडरी सेक्सन के बीच किमी 801/21-31 पर बड़े एवं छोटे पुलों (58के डाउन और 58के अप) के अप्रोचेज में बोल्डर गिरने से रोकने के लिए कटिंग कर चौड़ीकरण । **निविदा मूल्य (रू): 7,51,19,114.50/-, अमानत राशि (रू): 15,02,400.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 18**

क्र.सं. (3) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-131-26-27, दिनांक: 03.07.2026

कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत खोडरी से खोंगसरा के बीच घाट सेक्शन में सेस की मरम्मत तथा ट्रैक के किनारे सेस में सुधार और मानकीकरण । **निविदा मूल्य (रू): 2,73,02,929.11/-, अमानत राशि (रू): 5,46,100.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह । निविदा जमा की आरंभ तिथि:-** दिनांक: 14.07.2026 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथि:-** दिनांक: 28.07.2026 के 11:00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/267 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

सीधे हाईकमान से मिलना चाहते हैं चन्नी, बघेल की बैठक से बनाई दूरी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में बगावत जारी है। पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थक मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को बदलने की जिद पर अड़े हैं। इस विवाद को सुलझाने के लिए पंजाब प्रभारी एवं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया मगर चन्नी पहले हाईकमान से मिलना चाहते हैं। लिहाजा मंगलवार को उन्होंने बघेल की बैठक से दूरी बनाई रखी। उनके समर्थक विधायक, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक भी प्रदेश प्रभारी की बैठक में नहीं गए। पार्टी सूत्र बताते हैं कि चन्नी दिल्ली से लौट आए हैं और वे मंगलवार को चंडीगढ़ में ही रहे मगर बघेल से मिलने नहीं पहुंचे। उनके समर्थकों ने यही बताया कि चन्नी जरूरी काम के चलते दो दिन बाद बघेल से मिलेंगे। उधर, सूत्र बताते हैं कि मंगलवार शाम को कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की टीम ने पूर्व सीएम चन्नी से संपर्क साधा है। उनकी मुलाकात जल्द राहुल गांधी से हो सकती है जबकि प्रियंका गांधी की ओर से भेजी गई टीम चन्नी से मिलकर जा चुकी है। हालांकि इस मुलाकात के बाद से पूर्व सीएम चन्नी और उनके समर्थक फिलहाल शांत हैं मगर पंजाब कांग्रेस में जिस तरह से अंदरूनी हालात चल रहे हैं, उस देखते हुए हाईकमान को पार्टी में टूट का डर सता रहा है। चन्नी के एक समर्थक विधायक ने बताया कि मोरिंडा में हुई बैठक में सभी नेताओं ने पूर्व सीएम चन्नी को इस मसले पर हाईकमान से बात करने के लिए अधिकृत किया था, इसलिए सभी नेता चाहते हैं कि प्रदेश प्रभारी से पहले पूर्व सीएम चन्नी राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के समक्ष पंजाब के नाराज नेताओं की बात रखें। उनके अनुसार अधिकतर नेता वड़िंग का नेतृत्व स्वीकार नहीं कर रहे हैं। मंगलवार को बघेल ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया जोकि देर शाम तक जारी रहा। पहले प्रदेश प्रभारी बघेल ने नवनियुक्त प्रदेश कार्यवाहक प्रधानों सुखजिंदर सिंह डैनी, राजकुमार वेरका और संगत सिंह गिलजियां को बुलाया था मगर गिलिजियां नहीं पहुंचे। इसी तरह उन्होंने सभी जिला प्रधानों को भी बैठक के लिए बुलाया था, उसमें भी छह जिलाध्यक्ष नहीं पहुंचे। इससे पहले बघेल ने कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा, चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह, चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति के अध्यक्ष विजय इंदर सिंगला, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता राणा केपी सिंह, चुनाव प्रचार समिति के सह अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैहरा,सहित अन्य नेताओं के साथ बैठक की।

नेताओं, कार्यकर्ताओं में एकजुटता : बघेल

पंजाब प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं में एकजुटता है और सभी मिलकर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जल्द जुटेंगे। जिनके जो गिल-शिकवे हैं, वे जल्द दूर कर लिए जाएंगे। वे एक-एक कर सभी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। बघेल ने कहा कि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उद्देश्य और मिशन को लेकर पूरी एकजुटता है। बघेल ने कहा, बैठक में चुनाव को लेकर संगठन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कहना-सुनना जारी है, मिलना-जुलना जारी है।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH,
WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINIMATA BANGO CANAL DIVISION No. 5, KHARSIA, DISTT-RAIGARH (C.G.)

TENDER CANCELLATION NOTICE

The tender invited by System No. 190942 Group No. 01 and 190945 Group No. 02 (First Call) under NIT No. 01/SAC/26-27 date 18.05.2026 is cancelled due to single tender and lack of competition.

G-262700845

EXECUTIVE ENGINEER
MINIMATA BANGO CANAL DIVISION NO. 5
KHARSIA

G-262701959/9

आसिम मुनीर की 'गीदड़ भभकी' में साजिश की आहट, निगरानी बढ़ी

नई दिल्ली/ए.। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ते जनविरोध और बिगड़ते हालात के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत को घुड़की दी है। रावलपिंडी स्थित जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) में सोमवार को आयोजित कोर कमांडर्स सम्मेलन में मुनीर ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान इस मसले पर हर स्तर पर प्रयास करेगा।

Directorate of Urban Administration & Development
Technical Cell, Indravati Bhawan, Nava Raipur (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

Notice Inviting Tender - (5th Call)

NIT No- /TC/UAD/2026-27/504711 Raipur Dated:06.07.2026

SN	System Tender No.	Name of Work / Description of Work
1	194933	Establishment and Operation of Water Testing Laboratory for Centralized State Level. (5th Call)

The Details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **http://eproc.cgstate.gov.in 08.07.2026 Time 17.30** Hours. (IST) on wards. & Last date for Online Bid Submission is **20.07.2026, Up to 17:30** Hours. Physical envelope containing original FDR and affidavit shall reach to this office on or before **22.07.2026, 16:30** Hours by speed post only.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Engineer
Urban Administration & Development Nava Raipur

Note :-
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (http://eproc.cgstate.gov.in)
Contractors can contact Help Desk for any Clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. e-Procurement system Help Desk, 1. The Service Integrator of e-Procurement system. M/s Mjunction Service Ltd. on Help Desk Toll free No. 1800 258 2502 or email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
2. Manager, Chhattisgarh Infotech & Biotech Promotion Society (CHIPS) on Tel. 0771-4014158 or email:pro-chips@nic.in

G-262701957/5

Chief Engineer
Urban Administration & Development Nava Raipur

कार्यालय कलेक्टर जिला धमतरी एवं पदेन उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

:: अधिसूचना ::

धमतरी, दिनांक 30/06/2026/6516

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202503130400042/अ-82/2024-25, चूंकि राज्य शासन को यह प्रतित होता है कि नीचे अनुसूची में वर्णित भूमि ए.डी.बी. लोन-3 परियोजना अंतर्गत बुढ़ेनी-नयापारा, परसवानी, मगरलोड, मोहदी, बोरसी, भोयना मार्ग का पुर्ननिर्माण एवं उन्नयन कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत् यह घोषित किया जाता है कि इस भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-

:: अनुसूची ::

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला - धमतरी
(ख) तहसील - धमतरी
(ग) ग्राम - लीलर
(घ) क्षेत्रफल - 0.0406 हे.

क्रमांक	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (हे. मे.)
1	2	3
1	1140	0.0096
2	1142	0.0104
3	1144	0.0176
4	1344	0.0030

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमतरी के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है।
4. पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक / अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमतरी के कार्यालय में पुनर्वास योजना का अवलोकन किया जा सकता है।

(पीयूष तिवारी)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

(अबिनाश मिश्रा)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 262701973/2

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO. 33 **RAIPUR DATED- 08.07.2026**

Online bids are invited for the following works up to **29.07.2026 at 17:30 hours.**

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	195019	15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में शमियाना पंडाल एवं कुर्सी एवं अन्य बैठक व्यवस्था कार्य।	25.50
2	195022	स्वतंत्रता दिवस 2026 (15 अगस्त 2026) के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में डोम निर्माण वॉटर प्रोफिंग, फ्रेम, तख्त एवं फ्लेक्स फ्रेमिंग व्यवस्था का कार्य ।	11.50

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from **09.07.2026 17.30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE :-
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.cgeproc@mjunction.in**

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE- 04
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

भगवान के धन में गड़बड़ी बड़ा अपराध, चोर बचना नहीं चाहिए': देवकीनंदन ठाकुर

■ **रायपुर में भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा, 14 जुलाई को होगा समापन**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद्भागवत कथा भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हो गई है। कथा के पहले दिन देवकीनंदन ठाकुर ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। भगवान के नाम पर आए पवित्र दान में गड़बड़ी करना बहुत बड़ा अपराध है। मामले की जांच चल रही है और जो भी दोषी हो, उसे किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए और सख्त सजा मिलनी चाहिए।

कथावाचक ने अपनी इस कथा में 'नो तिलक, नो एंट्री' का अनूठा नियम लागू किया है। इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका मकसद लोगों, विशेषकर बच्चों को अपनी सभ्यता और सनातन संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को कथा में जरूर भेजें। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के कारण आज की नई पीढ़ी अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से दूर होती जा रही है, जिसका असर समाज में दिख रहा है। जब तक बच्चे तिलक जैसी अपनी पहचान को नहीं समझेंगे, तब तक वे जीवन के सही मूल्यों को नहीं अपना पाएंगे।

कथावाचक ने मंदिरों के पैसे की सुरक्षा और सदुपयोग के लिए 'सनातन बोर्ड' बनाने की उठाई मांग

धर्मांतरण रोकने के लिए बने 'सनातन बोर्ड'

देवकीनंदन ठाकुर ने देश के मंदिरों की व्यवस्था को लेकर सरकार से 'सनातन बोर्ड' बनाने की पुरजोर मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे पास भव्य मंदिर हैं, लेकिन वहां आने वाले चढ़ावे के सही उपयोग के लिए कोई केंद्रीय व्यवस्था नहीं है। मंदिरों का पैसा किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि भगवान का है। इस पैसे का उपयोग गौसेवा, बच्चों की शिक्षा और उन गरीब परिवारों की मदद के लिए होना चाहिए जो मजबूरी में धर्मांतरण कर लेते हैं। ठाकुर जी का पैसा ठाकुर जी के ही लोगों के काम आना चाहिए।

14 जुलाई तक चलेगी कथा, आस्था और यूट्यूब पर सीधा प्रसारण

रायपुर में शुरू हुई इस श्रीमद्भागवत कथा का समापन 14 जुलाई को हवन-पूजन के साथ होगा।

आगामी दिनों के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि 9 जुलाई को भीष्म पितामह प्रसंग व पूतना वध, 10 जुलाई को गोवर्धन पूजा, 11 जुलाई को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 12 जुलाई को माखन चोरी लीला और 13 जुलाई को रुक्मिणी विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस कथा का सीधा प्रसारण आस्था चैनल और यूट्यूब पर भी किया जा रहा है।

हरित आवरण बढ़ाने के लिए उद्योगों को दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा मानसून 2026 के दौरान राज्य की औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित वृक्षारोपण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा, समन्वय एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइंस के न्यू कन्वेंशन हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव श्री राजू अगसिमनी ने उद्योगों द्वारा प्रस्तावित एवं संचालित वृक्षारोपण कार्यों की प्रगति, पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव, निगरानी व्यवस्था तथा उद्योगवार कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं उनकी जीवित रहने की दर भी सुनिश्चित की जाए।

वन विभाग में अब ई-ऑफिस व्यवस्था अनिवार्य : कश्यप

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने वन विभाग के सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि विभाग के मुख्यालय, वृत्त, वनमंडल तथा सभी फील्ड कार्यालयों में कार्यालयीन फाइलों और डाक का संचालन अब अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाएगा। मंत्री कश्यप ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विभाग प्रमुख की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी स्तर पर फिजिकल फाइल संचालित नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी ई-ऑफिस के माध्यम से ही कार्यालयीन कार्यों का निष्पादन करें, ताकि शासन की डिजिटल कार्यप्रणाली को पूरी तरह लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था लागू होने से फाइलों के निपटारे में तेजी आएगी, निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी तथा सभी कार्यों की ऑनलाइन निगरानी संभव होगी। इससे अनावश्यक विलंब कम होगा और आम नागरिकों से जुड़े मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और तकनीक आधारित प्रशासन को लगातार बढ़ावा दे रही है। वन विभाग में ई-ऑफिस व्यवस्था का पूर्ण क्रियान्वयन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली अधिक तेज, प्रभावी, पारदर्शी और पूरी तरह डिजिटल बनेगी। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था के शत-प्रतिशत पालन की नियमित समीक्षा करें और शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

रायपुर-कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में एक एसी थ्री कोच का प्रावधान

रायपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं में निरंतर वृद्धि करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है 7 इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18251/18252 तथा 18249/18250 रायपुर-कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में 01अतिरिक्त एसी थ्री कोच की सुविधा स्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा रायपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18251 रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में दिनाँक 12 जुलाई 2026 से तथा कोरबा से चलने वाली गाड़ी संख्या 18252 कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में दिनाँक 13 जुलाई 2026 से उपलब्ध रहेगी । इसी प्रकार रायपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18249 रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में दिनाँक 15 जुलाई 2026 से तथा कोरबा से चलने वाली गाड़ी संख्या 18250 कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में दिनाँक 16 जुलाई 2026 से उपलब्ध रहेगी। इसकी उपलब्धता से यात्रियों को सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्राप्त होगी।

हाईटेक आंगनबाड़ी के नौनिहालों को सोनू सूद की संस्था ने वितरित की कॉपियां

रायपुर/नवप्रदेश। 'शिक्षा सारथी' अभियान के अंतर्गत, सोनू सूद चैरिटी क्लब, रायपुर के सदस्यों ने टाटीबंध स्थित हाईटेक आंगनबाड़ी के नौनिहाल बच?चों को नोटबुक वितरित किया। नगरीय प्रशासन व विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. के हाथों यूनीफार्म लेने के बाद बच?चों को उसी समय नोटबुक उपहार स्वरूप मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं रहा। आंगनबाड़ी आने को लेकर यूनीफार्म के साथ कॉपियों ने बच?चों की स्वस्फूर्त प्ले स्कूल आने की इच्छाशक्ति को काफी बढ़ा दिया। सोनू सूद चैरिटी क्लब की ओर से इस पहल का प्रतिनिधित्व करते हुए अधिवक्ता रूपल विजय पांडेय और अधिवक्ता यशप्रदा रामदास जोगलेकर ने हाल ही में नगर निगम द्वारा निर्मित व महाराष्ट्र मंडल की ओर से संचालित महतारी सदन का दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों और महाराष्ट्र मंडल को उन्होंने बड़ी संख्या में नोटबुक वितरित किया। इससे बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान देने में प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही मंडल की भी हौसला आफजाई होगी। इस पहल से बाकी समाजसेवी संस्थाओं के लिए कम आय वाले परिवार के बच्चों को प्ले स्कूल में अन्य जरूरी सामग्री लाकर वितरित करने की प्रेरणा मिलेगी। रूपल और यशप्रदा ने बताया कि उनकी संस्?था की यह शुरुआती पहल महाराष्ट्र मंडल के साथ एक सुदृढ़ व दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करने की साझा सोच को भी दर्शाती है। यह प्रयास सामाजिक सेवा और सामुदायिक स्तर पर प्रभावी साझेदारी की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। सोनू सूद चैरिटी क्लब इस प्रकार की पहल के माध्यम से शिक्षा को सुलभ बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के अपने उद्देश्य को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

प्रदेश में 11 लाख पीएम आवास पूरे, छूटे हितग्राहियों को जोड़ने की कवायद शुरू

■ **पीएम आवास योजना में तकनीकी गड़बड़ी, छूटे पात्र परिवारों को मिलेगा न्याय**

■ **डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज को लिखा पत्र**

डिप्टी सीएम शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना (ग्रामीण) की सूची से तकनीकी त्रुटि के कारण छूटे पात्र हितग्राहियों को शामिल करने के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा। राज्य में 11 लाख आवास पूरे, 47 हजार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास न्याय योजना के तहत बने।

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हर पात्र परिवार को छत दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से मांग की है कि राज्य में तकनीकी त्रुटियों (टेक्निकल ग्लिच) के कारण जो पात्र हितग्राही आवास सूची में दर्ज होने से छूट गए हैं, उन्हें शामिल करने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप किया जाए।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची तैयार करने के मामले में छत्तीसगढ़ देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जिसने यह प्रक्रिया सबसे पहले पूरी की थी। इसके बावजूद तकनीकी कारणों से कुछ वास्तविक और पात्र परिवार सूची में शामिल होने से वंचित रह गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का संकल्प है कि योजना के दायरे से एक भी पात्र हितग्राही छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जो भी पात्र लोग छूट गए हैं, वे योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें ताकि उन्हें पक्के मकान का लाभ मिल सके।

आवास निर्माण के आंकड़े: 11 लाख से अधिक मकान पूरे

डिप्टी सीएम ने योजना की प्रगति साझा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लगभग 11 लाख आवासों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि कुछ लाख आवासों पर काम अभी तेजी से जारी है। इसके साथ ही 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास न्याय योजना' के अंतर्गत भी 47 हजार आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

जनमन योजना से मिले 15 हजार अतिरिक्त आवास

शर्मा ने आगे जानकारी दी कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास के लिए संचालित 'जनमन योजना' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य को 15 हजार अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति मिली है। सरकार का पूरा ध्यान इस बात पर है कि केंद्र और राज्य की इन योजनाओं के समन्वय से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में कोई भी परिवार बिना पक्के मकान के न रहे।

रायपुर में पांच दिवसीय पावन प्रवास करेंगे जगद्गुरु शंकराचार्य

■ **सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर जगद्गुरु शंकराचार्य के करें दर्शन**

रायपुर/नवपदेश। श्रीगोवर्द्धनमठ पुरीपीठाधीश्वर के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज 21 से 25 जुलाई तक की रायपुर में पांच दिवसीय पावन प्रवास करेंगे। यह प्रवास 'हिंदू राष्ट्र अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन श्री सुदर्शन संस्थानम् , बिलासपुर रोड, रावाँभाठा, रायपुर में होगा। प्रवास के दौरान जगदुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती धर्म, राष्ट्र, भारतीय संस्कृति, गोसंरक्षण तथा 'हिंदू राष्ट्र' सहित विभिन्न विषयों पर श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। साथ ही धार्मिक, आध्यात्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी और आनंद वाहिनी की केंद्रीय एवं प्रांतीय इकाइयां लगातार कार्य कर रही हैं। आयोजन की जानकारी देते हुए आनंद वाहिनी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा तिवारी, पीठ परिषद छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष नवनीत तिवारी तथा आदित्य वाहिनी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष दुबे ने बताया कि श्रद्धालुओं को पूज्य शंकराचार्य के दर्शन एवं उनके विचारों का लाभ मिल सके, इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

आयोजन समिति ने प्रदेश के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की है कि वे सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर जगदुरु शंकराचार्य के दर्शन, आशीर्वाद एवं उनके प्रेरक उद्बोधनों का लाभ उठाएं तथा राष्ट्र एवं संस्कृति जागरण के इस अभियान के सहभागी बनें।

आकाशीय बिजली से मृत व्यक्ति के परिजनों को मिली आर्थिक सहायता

■ **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लंबित प्रकरण का हुआ शीघ्र निराकरण**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के गृह निवास बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में प्रस्तुत आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आकाशीय बिजली गिरने से मृत व्यक्ति के आश्रित को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। इस पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है और शासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का एक और उदाहरण सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आकाशीय बिजली गिरने से हुई मृत्यु के बाद मुआवजा राशि लंबित होने पर मृतक के परिजनों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन प्रस्तुत कर आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के पालन में राजस्व विभाग द्वारा प्रकरण का परीक्षण किया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी ने मृतक के आश्रित श्री संजय कुजूर, ग्राम झिक्की, तहसील बगिया, जिला जशपुर के पक्ष में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करने की अनुशंसा कलेक्टर जशपुर को भेजी। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर प्रदान की गई। आर्थिक सहायता मिलने से मृतक के परिजनों को कठिन समय में संबल मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन देने के बाद उनके मामले पर तत्काल संज्ञान लिया गया और शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित होने से उन्हें समय पर आर्थिक सहायता प्राप्त हो सकी।

रायपुर में अपराधों की बाढ़: नाबालिग का अपहरण 25 लाख की ठगी और सड़क हादसों में दो की मौत

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में बुधवार को कानून-व्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपहरण, धोखाधड़ी, सड़क हादसे, चोरी और आर्म्स एक्ट के कुल 25 गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कई मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कुछ मामलों में अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

नाबालिग का अपहरण और नौकरी के नाम पर बड़ी ठगी

अपराधों की इस सूची में मुजबहन थाना क्षेत्र का मामला बेहद संवेदनशील है, जहां एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वहीं, कोतवाली थाना क्षेत्र में नौकरी लगाने के नाम पर 25 लाख रुपये की बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। शातिर आरोपी ने पीड़ितों को सहायक ग्रेड-03 और लैब टेक्नीशियन के पदों पर फर्जी चयन सूची और नियुक्ति पत्र दिखाकर लाखों रुपये ऐंठ लिए। इसके अतिरिक्त, खमतराई में एक साइबर ठग ने फोन पर रिश्तेदार बनकर एक व्यक्ति से 70 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। तेज रफ्तार और लापरवाही ने दो परिवारों के चिराग बुझा दिए।

अपहरण: मुजगहन में 14 वर्षीय नाबालिग का अपहरण।
ठगी: खमतराई में 70 हजार रुपए की फोन ठगी।
बड़ी धोखाधड़ी: कोतवाली में नौकरी के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी
सड़क हादसे: उरला और मोवा क्षेत्र में दो मौतें।
चोरी: तीन थाना क्षेत्रों में बाइक चोरी।
नशे पर कार्रवाई: शराब और गांजा जब्ती।
आर्म्स एक्ट: गुढ़ियारी में चाकू लेकर आतंकित करने के दो मामले दर्ज।

16 दिन बाद खत्म हुआ बिजली संविदा कर्मचारियों का आंदोलन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ का 16 दिनों से जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन मंगलवार को समाप्त हो गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और पावर कंपनी के उच्च प्रबंधन के साथ हुई सकारात्मक चर्चा तथा कर्मचारियों की मांगों पर आश्वासन मिलने के बाद संघ ने आंदोलन वापस लेने की घोषणा की। संघ ने सभी संविदा कर्मचारियों से बुधवार से अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौटकर नियमित रूप से ड्यूटी करने की अपील की है। आंदोलन समाप्त करने से पहले संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर नियमितीकरण एवं समायोजन की एक सूत्रीय मांग पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष हरी चरण साहू, प्रदेश महामंत्री कमलेश भारद्वाज, संयुक्त महामंत्री योगेश साहू सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। डॉ. रमन सिंह ने दिया समाधान का भरोसा

बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों पर शासन और पावर कंपनी प्रबंधन स्तर पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा। उन्होंने ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव से भी चर्चा कर मांगों की समीक्षा कर शीघ्र समाधान का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। संघ ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की सकारात्मक पहल और सरकार से मिले आश्वासन के बाद आम उपभोक्ताओं को हो रही असुविधा तथा प्रदेशहित को देखते हुए आंदोलन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। संघ ने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही नियमितीकरण और समायोजन की लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेगी।

आरडीए की बड़ी सौगात: अब घर बैठे ऑनलाइन बुक करें फ्लैट

■ **प्लॉट और दुकान, 121 संपत्तियां पोर्टल पर उपलब्ध**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने नागरिकों की सुविधा और पारदर्शिता को बढ़ाते हुए अपनी संपत्तियों की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। अब इच्छुक लोग बिना कार्यालय आए घर बैठे ही आरडीए की वेबसाइट के माध्यम से संपत्तियों की जानकारी ले सकेंगे और ऑनलाइन आवेदन व बुकिंग कर सकेंगे।

इस नई व्यवस्था के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

121 संपत्तियां उपलब्ध: आरडीए ने पहले चरण में करीब 121 आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों को ऑनलाइन बुकिंग के लिए लाइव कर दिया है। इसमें कमल विहार और रावभाटा जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं।

हर वर्ग के लिए आवास: कमल विहार में आवासीय फ्लैट, आवासीय व व्यावसायिक प्लॉट उपलब्ध हैं, जबकि रावभाटा में व्यावसायिक संपत्तियां हैं। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के लिए भी विशेष रूप से निर्मित आवास शामिल हैं।

मेंटेनेंस शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन: बुकिंग के साथ-साथ अब लोग घर बैठे ही वेबसाइट के जरिए मेंटेनेंस शुल्क का ऑनलाइन भुगतान भी कर सकेंगे। इससे नागरिकों को बार-बार दफ्तर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

लंबे समय बाद शुरू हुई बुकिंग: आरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अवनीश कुमार शरण ने बताया कि लंबे समय से बंद पड़ी बुकिंग प्रक्रिया को अब पूरी तरह डिजिटल कर दोबारा शुरू किया गया है।

पारदर्शिता और सुशासन: आरडीए अध्यक्ष नंदे साहू ने कहा कि इस डिजिटल पहल का उद्देश्य नागरिकों को त्वरित, सरल और पारदर्शी सेवाएं देना है, जिससे समय की बचत होगी और आवंटन प्रक्रिया में सुगमता आएगी।

रायपुर विकास प्राधिकरण की यह पहल डिजिटल प्रशासन को मजबूत बनाने के साथ-साथ नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन आवेदन, बुकिंग और डिजिटल भुगतान की सुविधा से संपत्तियों के आवेदन, भुगतान एवं आवंटन की पूरी प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज और पारदर्शी हो जाएगी।

सेवाएं अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध तथा पारदर्शी बनेंगी

ऑनलाइन बुकिंग सुविधा के साथ अब हितग्राही घर बैठे ही वेबसाइट के माध्यम से मेंटेनेंस शुल्क का ऑनलाइन भुगतान भी कर सकेंगे। इससे नागरिकों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी और सेवाएं अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध तथा पारदर्शी बनेंगी। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदे साहू ने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य नागरिकों को आधुनिक, पारदर्शी एवं जनहितैषी सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था से समय की बचत होगी, प्रक्रिया सरल बनेगी तथा संपत्तियों के आवंटन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित होगी। डिजिटल भुगतान की सुविधा से हितग्राहियों को त्वरित एवं बेहतर सेवाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने नागरिकों से इस ऑनलाइन व्यवस्था का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की।

जिले का पहला अन्नपूर्ति ग्रीन एटीएम अम्बेडकर नगर में होगा शुरू, 24 घंटे मिलेगा राशनकार्ड का चावल

■ कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया निरीक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले का पहला अन्नपूर्ति ग्रीन एटीएम सुपेला के गदा चौक स्थित अम्बेडकर नगर में शुरू होने जा रहा है। इस अत्याधुनिक व्यवस्था के माध्यम से राशनकार्डधारी 24 घंटे अपनी सुविधा अनुसार चावल प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अन्नपूर्ति ग्रीन एटीएम का निरीक्षण कर शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लिया और सुरक्षा व संचालन के लिए चौकीदार और ऑपरेटर की दो शिफ्ट में ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत जिले के किसी भी क्षेत्र में निवास करने वाले राशनकार्डधारी अम्बेडकर नगर स्थित ग्रीन एटीएम से अपने हिस्से का चावल ले सकते हैं। अन्नपूर्ति ग्रीन एटीएम का संचालन महिला स्व-सहायता समूह द्वारा किया जाएगा। समूह की सदस्य मशीन में चावल की आपूर्ति, संचालन और हितग्राहियों की सहायता के लिए उपस्थित रहेंगी। इच्छुक हितग्राही स्वयं भी मशीन का उपयोग कर चावल प्राप्त कर सकेंगे। एटीएम की क्षमता 2.7 मीट्रिक टन है। इस व्यवस्था से लोगों को उचित मूल्य की दुकानों पर लंबी कतारों में खड़े रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी और राशन वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज एवं सुविधाजनक बनेगी। मशीन से चावल प्राप्त करने के लिए हितग्राही को सबसे पहले अपना राशनकार्ड नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद बायोमेट्रिक सत्यापन (अंगूठे का निशान) करना होगा। सत्यापन पूर्ण होते ही पात्रता के अनुसार निर्धारित मात्रा में चावल मशीन से स्वतः उपलब्ध हो जाएगा। इस दौरान खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया भी मौजूद थे।

डिस्मेंटल होंगे जिले के 66 सरकारी स्कूलों के जर्जर कक्ष

■ दुर्ग के 8, धमधा के 26 और पाटन के 32 स्कूलों के जर्जर क्लास रूम ध्वस्त होगें

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक बड़ा कदम उठाया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के जर्जर हो चुके भवनों और कमरों को डिस्मेंटल करने की अनुमति दे दी है। जिला शिक्षा अधिकारी और लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग के प्रतिवेदन और प्रस्ताव के आधार पर अनुपयोगी और असुरक्षित ढांचों को तोड़ा जाएगा। वर्तमान में चिन्हित किए गए स्कूलों के अतिरिक्त, क्षेत्र के अन्य जर्जर भवनों का भी लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण कर प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जिसके आधार पर शीघ्र ही उन्हें भी डिस्मेंटल करने की अनुमति दी जाएगी। जिले के तीनों प्रमुख विकासखंडों के कुल 66 शासकीय स्कूलों में यह कार्रवाई की जाएगी। जारी सूची के अनुसार दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत 8 शासकीय स्कूलों के जर्जर कक्ष/भवन शमिल हैं। दुर्ग ब्लॉक के स्कूलों में शासकीय प्राथमिक शाला तितुरडीह 1 के 3 कक्ष और 1 हॉल, शासकीय प्राथमिक शाला कातुलबोड़ के 5 कक्ष, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सुपेला के 9 कक्ष, शासकीय प्राथमिक शाला सुपेला 1 के 10 कमरे, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला वृन्दानगर का 1 कक्ष, शासकीय प्राथमिक शाला जुनवानी के 4 कक्ष, शासकीय प्राथमिक शाला सुभाषनगर के 4 कक्ष व 1 बरामदा और शासकीय प्राथमिक शाला केम्प 1 भिलाई के पूरे भवन को डिस्मेंटल किया जाएगा।

धमधा विकासखंड के तहत कुल 26 शासकीय स्कूलों के जर्जर कक्ष, भवन को तोड़ा जाएगा। पाटन विकासखंड के अंतर्गत आने वाले कुल 32 शासकीय स्कूलों में भी यह कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज गैलरी

महापौर ने वार्ड 50 और 53 में किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

दुर्ग/नवप्रदेश। महापौर अलका बाघमार ने बुधवार को वार्ड 50 और 53 में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद रेखा बंजारे, सविता साहू, रंजीता पाटिल, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, ज्ञानदास बंजारे, अमितेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने वार्ड 50 बोरसी भाठा-पूर्व क्षेत्र में एलआईजी 154 से 142 और 192 से 199 व बंशी विहार गली नंबर 1 में डी बरवा के घर से चौरसिया के घर तक 12.50 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली और पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। वार्ड 53 मीनाक्षी नगर स्थित शिव मंदिर के सामने महापौर निधि से स्वीकृत 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले मंच निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

पशु क्रूरता का मामला दर्ज

भिलाई/नवप्रदेश। स्मृति नगर थाने में ऑटो सेंटर संचालक के खिलाफ पशु क्ररूरता का मामला दर्ज किया गया है। स्मृति नगर पुलिस चौकी में शिकायतकर्ता हिमांशु उपाध्याय ने बताया कि 5 जुलाई की शाम करीब 6.50 बजे स्मृति नगर मेन रोड पर बारिश से बचने के लिए एक पिल्ला मां बम्लेश्वरी ऑटो सेंटर के सामने खड़ा था। ऑटो सेंटर के संचालक ने पिल्ले को वहां से हटाने के लिए जोर से लात मार दी। पिल्ला पास में बनी पानी की टंकी में जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने कुछ देर बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने ऑटो सेंटर संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाबा बर्फानी धाम अमरनाथ यात्रा के लिए भक्त कुम्हारी से रवाना

कुम्हारी/नवप्रदेश। हिमालय की मनोरम वादियों में स्थित पवित्र बाबा बर्फानी धाम अमरनाथ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्राकृतिक रूप से बनने वाला हिम शिवलिंग भगवान शिव के दिव्य स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। प्रत्येक वर्ष सावन माह में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु कठिन पर्वतीय मार्ग पार कर बाबा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। नगर पालिका क्षेत्र कुम्हारी से बाबा बर्फानी के भक्तों का जत्था मंगलवार को स्टेशन चौक से दर्शन के लिए रवाना हुआ। जत्थे में दीपक सिंह बैस, प्रेम प्रकाश गोंड़, उमा शंकर क्षेत्री, कुंदन साहू, जसवंत गोंड़, कैलाश, राकेश साहू, चितरंजन साहू, राजू क्षेत्री, मनोज सिंह राजपूत व ज्ञान साहू सहित 22 लोग शामिल हैं। सभी रायपुर से रवाना हुए।

कोर्ट से कार छुड़ाने मांगी 20 हजार की घूस, एसएसपी ने किया सस्पेंड

भिलाई/नवप्रदेश। एक्सीडेंट के मामले में जब्त कार को छुड़ाने के लिए कोर्ट में चालान पेश करने के नाम पर 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एसएसपी ने कुम्हारी थाने में पदस्थ आरक्षक सोलोमन राजू को सस्पेंड कर दिया है। आरक्षक को पुलिस लाइन अटैच कर दिया गया है। शिकायतकर्ता विमलेश द्विवेदी के अनुसार कुम्हारी ओवरब्रिज के नीचे उनकी कार और सामने से आ रही टीवीएस सुपर एक्सल बाइक के बीच टक्कर हो गई थी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। विमलेश ने घायल को रायपुर के महोबा बाजार स्थित अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज का पूरा खर्च भी वहन किया। करीब एक सप्ताह बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि खर्चा-पानी के नाम पर कई बार पैसे भी लिए गए। कोर्ट से वाहन रिलीज कराने की प्रक्रिया के दौरान पहले 1,500 रुपये लिए गए। चालान पेश करने के नाम पर 20 हजार रुपये की मांग की गई।

गर्लफ्रेंड के साथ होटल में ठहरे युवक की मौत

■ भाई ने जताई हत्या की आशंका,पुलिस जांच में जुटी

भिलाई/नवप्रदेश। सुपेला इलाके के एक होटल के कमरे से 19 साल के म्यूजिक आर्टिस्ट शादाब का शव मिला है। शादाब मंगलवार को शाम के समय चार साल बड़ी 23 साल की गर्लफ्रेंड के साथ होटल में ठहरा था। कुछ समय बाद होटल के कमरे में उसका शव मिला। शादाब के परिवारजनों ने लड़की पर युवक की हत्या का आरोप लगाया है।

शादाब के भाई ने आरोप लगाया कि उसके भाई को बेल्ट से मारा गया। फिर खुद का हाथ और गर्दन ब्लेड से काटकर धमकाया गया। हत्या के बाद लड़की उसकी बॉडी के साथ रात भर रही। बताया गया कि शादाब का पुरानी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो चुका था। उसने मोबाइल और सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद वह अपनी नई गर्लफ्रेंड को डेट कर रहा था। जिस दिन शादाब होटल में ठहरा था, उसी दिन उसकी एक्स गर्लफ्रेंड का फोन आया था। इसे लेकर शादाब की गर्लफ्रेंड नाराज हो गई। इसके बाद दोनों के बीच लड़ाई हुई। इसके बाद युवक का शव मिला। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस ने होटल के कमरे से शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला की मर्चुरी भेज दिया। मृतक शादाब के भाई अल्ताफशेख ने बताया कि उनका भाई करीब 6 महीने से चाहत झा नाम की युवती के साथ रिलेशनशिप में था। युवती वांबे आवास में रहती है। मंगलवार को शादाब और उसकी गर्लफ्रेंड कुणाल होटल गए थे। उन्हें शादाब के दोस्तों से जानकारी मिली कि होटल में युवती के मौजूद रहने के दौरान शादाब की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रात करीब साढ़े 11 बजे शादाब के दोस्त होटल पहुंचे थे। उन्हें चेक आउट करना था, लेकिन कमरे का दरवाजा नहीं खुला। दोस्तों ने करीब दो-तीन घंटे तक इंतजार किया। अल्ताफ का कहना है कि सुबह करीब 6 बजे युवती अकेले कमरे से बाहर निकली और कुछ देर बाद फिर कमरे में गई। यह घटना होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद है। दरवाजा खुलने पर शादाब की बॉडी बेड पर पड़ी मिली। अलताफ का कहना है कि उनका उनका भाई आत्महत्या का कदम नहीं उठा सकता।

बार एवं रॉड मिल ने बनाया उत्पादन का नया कीर्तिमान

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी की बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) ने उत्पादन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 12 मिमी टीएमटी बार श्रेणी में एक दिवसीय उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बीआरएम ने 7 जुलाई को 3,426 टन (1,663 बिलेट्स) का उत्पादन कर विभाग के इतिहास में नया एक दिवसीय रिकॉर्ड दर्ज किया। इससे पूर्व यह कीर्तिमान 8 मार्च को 3,405 टन (1,653 बिलेट्स) उत्पादन का था। इस उपलब्धि पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र और कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने बार एवं रॉड मिल की पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे संयंत्र की निरंतर प्रगति, टीमवर्क और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का प्रतीक बताया। विभागाध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने इस उपलब्धि पर अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है। इस अवसर पर बीआरएम विभाग के महाप्रबंधकगण आशीष, शाश्वत मोहंती, समीर पांडे और शिखर तिवारी सहित अन्य अधिकारियों ने भी बार एवं रॉड मिल की पूरी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

दो दिवसीय एमटीबी फ्री स्टाइल साइक्लिंग चैंपियनशिप के फाइनल में प्रेरक प्रथम

■ मुख्य अतिथी सांसद विजय बघेल ने बारिश के बीच खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

भिलाई/नवप्रदेश। जयंती स्टेडियम भिलाई में पहली बार वीआरएम क्लब के तत्वावधान में दो दिवसीय माउंटेन बाइक एमटीबी फ्री स्टाइल चैंपियनशिप का रोमांचकारी आयोजन किया गया। नेशनल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में देश के 22 राज्यों से आए प्रतिभाशाली 58 खिलाडियों ने अपनी शानदार साइक्लिंग कला का प्रदर्शन किया। फाइनल में 10 खिलाडियों ने क्वालीफाई किया था। पहली बार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भिलाई के प्रेरक कांत वर्मा प्रथम रहे। श्री नगर कश्मीर से मोहम्मद फरहान दूसरे नंबर पर रहे। तीसरे स्थान पर पटना बिहार से मोहम्मद दिलशाद रहे।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल के साथ सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, सुधीर बंसल, विष्णु पाठक, पप्पू चंद्राकर, पार्षद धर्मेंद्र भगत, विशेष अतिथि अर्जुन अवार्ड विजेता राजेंद्र प्रसाद, बीएसपी से परमिंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन में मुकेश सिंह, अभिषेक सिंह व अमन ठाकुर सक्रिय रहे। सांसद विजय बघेल ने कहा कि भिलाई में पहली बार इस स्तर की एमटीबी फ्री स्टाइल चैंपियनशिप का आयोजन होना गौरव की बात है। उन्होंने वीआरएम क्लब और आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि तेज बारिश के बावजूद खिलाड़ियों का उत्साह, साहस और आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। खिलाड़ियों ने अद्भुत खेल भावना का परिचय दिया। खिलाड़ियों के समर्पण, अनुशासन और संघर्ष को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

नगर निगम में सफाई कर्मियों के सम्मान और सुरक्षा का संबल बनी 'नमस्ते किट'

■ महापौर, आयुक्त ने किया नि:शुल्क वितरण

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम क्षेत्र में कार्यरत सफाई कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'नमस्ते' योजना के तहत नगर निगम दुर्ग द्वारा 'नमस्ते किट' का वितरण शुरू किया गया। महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने महापौर कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को नि:शुल्क नमस्ते किट प्रदान की।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, लीना देवांगन, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, लीलाधर पाल, शशि साहू सहित जनप्रतिनिधि व निगम अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम द्वारा योजना के तहत निगम क्षेत्र के सभी 60 वार्डों में कार्यरत सफाई कर्मियों को चरणबद्ध रूप से नमस्ते किट का वितरण किया जाएगा। किट में सफाई कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट, दस्ताने, मास्क, एप्रन, बरसाती सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सफाई कर्मी 'स्वच्छ भारत मिशन' के सच्चे अभियान दूत हैं। जिस समर्पण और जिम्मेदारी के साथ सफाई कर्मी प्रतिदिन शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में जुटे रहते हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम प्रशासन प्रत्येक सफाई कर्मी की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। 'नमस्ते किट' सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा कवच के रूप में काम करेगी और उन्हें कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा प्रदान करेगी।

मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त

दुर्ग/नवप्रदेश। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाए जाने पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मानिक मेडिकल स्टोर्स, अहिवारा का औषधि लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। विगत 16 जून को सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार और औषधि निरीक्षक गायत्री पटेल द्वारा अहिवारा बस स्टैण्ड के सामने मानिक मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया गया था।

पौने दो करोड़ के विकास कार्यों का विधायक ललित ने किया भूमिपूजन

रिसाली/नवप्रदेश। नगर निगम रिसाली में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने करीब पौने दो करोड़ की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कुल 1 करोड़ 72 लाख 8 हजार से तालपुरी, रूआबांधा उत्तर, रूआबांधा दक्षिण व रूआबांधा पूर्व में विकास कार्य होंगे।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भूमिपूजन अवसर पर कहा कि संकल्प पत्र की घोषणाओं को पूरा किया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार रिसाली को नए कलेवर में आम जनता को समर्पित करेगी। रिसाली की दशा और दिशा जल्द बदलेगी। विकास के नए शोपान के तहत उन्होंने आज वार्ड 1 से लेकर 4 तक भूमिपूजन किया है। अधिकांश कार्य वही है जिनकी मांग जनता ने की है। विकास कार्य के लिए फंड की कमी नहीं होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, महापौर परिषद की सदस्य ममता यादव, पार्षद सारिका साहू, सविता ढवस, डॉ. सीमा साहू, सरिता देवांगन, धर्मेन्द्र भगत, शीला नारखेड़े, माया यादव समेत मण्डल अध्यक्ष अनूपम साहू, राजू जंघेल समेत गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक ललित ने कहा कि सभी 40 वार्डों में भूमिपूजन के लिए कार्यक्रम तय किया गया है। शहर के अंतिम छोर तक विकास कार्य कराए जाएंगे। रिसाली निगम क्षेत्र में जल्द ही कॉलेज और नालंदा परिसर का भी निर्माण किया जाएगा।

इन कार्यों का होगा भूमिपूजन

वार्ड 1 तालपुरी में नाली के ऊपर कव्हर, फेसिंग वर्क, डोम शेड, कव्हर ड्रेन का कार्य 30.22 लाख से पूर्ण किया जाएगा। वार्ड 2 रूआबांधा उत्तर में बाउंड्रीवाल, कम्युनिटी हॉल, पेवर ब्लाक, रोड चैड़ीकरण के लिए शासन ने कुल 69.28 लाख रुपए स्वीकृत किये हैं। वार्ड 3 रूआबांधा दक्षिण में सीसी रोड, कव्हर ड्रेन, सड़क चौड़ीकरण के लिए कुल 42.87 लाख खर्च किए जाएंगे। वार्ड 4 रूआबांधा पूर्व में पांच कार्य के लिए 29.71 लाख स्वीकृत किये गए हैं। मंच के सामने पेवर ब्लाक, कव्हर ड्रेन के कार्य होंगे।

कलेक्टर जनदर्शन : सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित ग्रामीणों ने मुआवजा दिलाने किया आवेदन

पानी निकासी बंद होने से खेतों में जलभराव, कॉलोनियों की नालियां जाम

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। जनदर्शन में अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। जनदर्शन में मांगों और समस्याओं से संबंधित 127 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम अंजोरा के किसानों ने खेतों में बरसाती पानी की निकासी कराने की मांग की। किसानों ने बताया कि गांव के एक किसान ने अपने खेत में ऊंची मेड़ बना दी है, जिसके कारण बरसाती पानी का बहाव रुक गया है। वर्षों से खेतों का बरसाती पानी एक-दूसरे के खेतों से होकर निकलता रहा है, लेकिन पानी की निकासी बंद होने से कई किसानों के खेतों में जलभराव हो गया है। इससे धान की फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है और किसानों को लाखों रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने जनपद दुर्ग सीईओ को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

परसाही के ग्रामीणों ने सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि परसाही से सिर्री मार्ग के चौड़ीकरण के दौरान करीब 50 परिवारों के मकान प्रभावित हुए थे, जिनमें कई मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए। जनवरी 2024 में मकान टूटने के बाद से अब तक किसी भी प्रभावित परिवार को मुआवजा नहीं मिला है। संबंधित विभाग को आवेदन दिया जा चुका है। कलेक्टर ने एसडीएम पाटन को नियमानुसार कार्यवाही करने कहा।

उल्लास नगर, बॉम्बे आवास और अयप्पा नगर के रहवासियों ने जाम नालियों, जलभराव और दूषित पेयजल की समस्या के संबंध में आवेदन दिया। रहवासियों ने बताया कि अवैध अतिक्रमण हटाए जाने के बाद नाली पूरी तरह जाम हो गई है, जिससे गंदा पानी घरों के सामने और आसपास जमा हो रहा है। गंदे पानी के बीच से पेयजल पाइपलाइन गुजरने के कारण पानी दूषित होने की आशंका है। क्षेत्र में दुर्गंध, मच्छरों का प्रकोप बढने से डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। वार्ड पार्षद और नगर निगम में इसकी शिकायत की गई थी। कलेक्टर ने नगर निगम भिलाई आयुक्त को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति चरोदा प्रखंड की नई कार्यकारिणी घोषित

भिलाई नगर/नवप्रदेश। श्री राम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में चरोदा प्रखंड की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रमेश माने और प्रदेश महामंत्री बुद्धन सिंह ठाकुर की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष मदन सेन की सहमति से चरोदा प्रखंड की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिलाध्यक्ष मदन सेन ने बताया कि नई कार्यकारिणी में वाई नारायण राव को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उपाध्यक्ष पद पर पीएन शर्मा, सुशील यादव, के वीरभद्र राव और सुब्रत दास, महामंत्री सत्य प्रकाश शर्मा और सुनील बैठा, मंत्री मनजीत लहरे, माला भट्ट, हरीश साहू और लेखराम यादव, कोषाध्यक्ष रिंकु तिवारी को नियुक्त किया है। आरएस श्रीनिवास को मीडिया प्रभारी, हितेश चन्द्र साहू को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी, देवमय मित्रा को कार्यालय प्रभारी और केदारेश्वरी (मीनाक्षी) को विधिक सलाहकार नियुक्त किया है। कार्यकारिणी सदस्यों में बीए नायडू, राकेश गजेन्द्र, बी नागु, उमाशंकर चक्रधारी, वीरू नायक, राजेश विश्वकर्मा, कमल तांडी, लोही दास, मलय बनर्जी, वासु शिखा, ए कृष्णा, गणेश प्रसाद, दिनेश गढ़ेवाल, एवी शंकर राव, हेमराज बाग को शामिल किया है। महिला शाखा अध्यक्ष पद पर सुधा बर्मन की नियुक्ति की।

दावा-आपत्ति 13 तक

दुर्ग/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग-शहरी के अंतर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। आवेदकों से 13 जुलाई तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया है। आवेदनों की अन्तिम सूची परियोजना कार्यालय और नगर निगम दुर्ग के सूचना पटल पर चस्पा की गई है।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का कमाल: मौत के मुहाने से लौटे पांच मासूम, तीन वेंटिलेटर पर थे भर्ती

■ करैत, कोबरा और वाइपर जैसे विषैले सांपों के डंक से बेदम हो चुके थे बच्चे

■ डॉक्टरों की समर्पित टीम ने 24 घंटे निगरानी रख दी नई जिंदगी, 50 वायल तक चढ़ाया एंटी-वेनम

रायगढ़/नवप्रदेश। श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति चिकित्सालय ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। यहां के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने विषैले सर्पदंश से जूझ रहे पांच मासूम बच्चों को मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। बारिश के मौसम में बढ़ रहे सर्पदंश के मामलों के बीच मेडिकल कॉलेज की यह उपलब्धि स्वास्थ्य तंत्र के लिए एक मिसाल बनकर सामने आई है।

अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, भर्ती किए गए पांच बच्चों में से चार न्यूरोटॉक्सिक और एक हेमोटॉक्सिक सर्पदंश का शिकार था। इनमें से तीन बच्चों को करैत, एक को कोबरा और एक को

वाइपर सांप ने काटा था। अस्पताल पहुंचने पर अधिकांश बच्चों की हालत बेहद गंभीर थी; उनकी पलकें झुक चुकी थीं, बोलने और निगलने में असमर्थता थी, मांसपेशियां कमजोर पड़ गई थीं और सांस लेने में भारी तकलीफ थी। बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए तीन मासूमों को तुरंत पीआईसीयू (पीडियाट्रिक आईसीयू) में वेंटिलेटर सपोर्ट पर लिया गया। डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए कुछ मामलों में आवश्यकतानुसार 50 वायल तक एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) दिया।

सोते समय भाइयों को करैत ने गर्दन पर काटा

सबसे संवेदनशील मामला धरमजयगढ़ के दो सगे भाइयों—7 वर्षीय वीर कुमार और 12 वर्षीय लोकेश राठिया का था। 1 जुलाई की रात सोते समय दोनों को करैत ने गर्दन पर काट लिया था। सुबह तक शरीर में जहर फैलने से उनकी सांसें उखड़ने लगी थीं। इसी तरह सक्ती जिले के हासौद की 7 वर्षीय मंजू को कोबरा ने और रायगढ़ के 5 वर्षीय हितेश ढंगर को वाइपर ने अपना शिकार बनाया था, जिससे हितेश के शरीर में खून के थक्के बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो गई थी।

इस टीम ने चौबीसों घंटे रखी नजर

यह चुनौतीपूर्ण इलाज बाल्य एवं शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मणेश्वर कुमार सोनी के नेतृत्व में डॉ. गौरव क्लॉडियस, डॉ. फारूज़ अहमद, डॉ. पल्लवी सहित पीआईसीयू के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफकी टीम ने किया। टीम की चौबीसों घंटे सतत निगरानी और समन्वित प्रयासों के चलते सभी बच्चे अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं।

आयुष्मान योजना से मिला नया जीवन

अस्पताल अधीक्षक डॉ. दुर्गा शंकर पटेल ने बताया कि समय पर एंटी-वेनम, वेंटिलेटर सुविधा और प्रशिक्षित टीम की उपलब्धता से यह जान बचाना संभव हो सका। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत बच्चों का पूरा इलाज और दवाएं पूरी तरह से नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार ने इसे अस्पताल की आपातकालीन क्षमता और आधुनिक पीआईसीयू सुविधाओं का जीवंत प्रमाण बताया है।

न्यूज गैलरी

कोटा में अधेड़ भालू की संदिग्ध मौत

कोटा/नवप्रदेश। बिलासपुर जिले के बेलगहना वन विकास क्षेत्र अंतर्गत डांडबछाली के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक अधेड़ उम्र के भालू का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विकास निगम और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक तौर पर भालू की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, डांडबछाली के समीप रेलवे लाइन के खंभा नंबर 779/2 के पास स्थित सुख नइया नाला में भालू का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर वन विभाग की टीम घटनास्थल पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि भालू रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर के बाद वह उछलकर पास के नाले में जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। घटना की सूचना मिलते ही वन विकास निगम के अधिकारियों के साथ वन विभाग के चिकित्सक भी मौके के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि भालू का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद उसकी मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

प्रधान पाठक ने कटवा दिए 29 हरे-भरे पेड़, शिक्षा विभाग ने किया निलंबित

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के गुरूर विकासखंड अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बड़भूम के प्रधान पाठक डोंगर सिंह निषाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई विद्यालय परिसर में लगभग 29 हरे-भरे पेड़ों की कटाई कराए जाने के मामले में की गई है। संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा विभाग, दुर्ग द्वारा 8 जुलाई को जारी आदेश के अनुसार, जिला शिक्षा अधिकारी बालोद की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। आदेश में कहा गया है कि प्रधान पाठक ने स्कूल विकास समिति के प्रस्ताव के आधार पर विद्यालय परिसर में पेड़ों की कटाई कराई, लेकिन इसकी सूचना या अनुमति उच्च कार्यालय से प्राप्त नहीं की। शिक्षा विभाग ने इस कृत्य को शासकीय कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही, कर्तव्य की उपेक्षा तथा स्वेच्छाचारिता माना है। इसके चलते छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, डौंडी लोहारा निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

बारिश की गतिविधियों और तीव्रता में कमी आने की संभावना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे के दौरान मानसून पूरी तरह सक्रिय रहा। मध्य छत्तीसगढ़ के अधिकांश इलाकों में अच्छी बारिश हुई। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार 8 जुलाई से प्रदेशभर में बारिश की गतिविधियों और तीव्रता में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। राजधानी रायपुर में दो दिनों के बाद सुबह सूरज नजर आया है। यहां भी तापमान बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में आज कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। तो वहीं राजधानी रायपुर में आज तापमान बढ़ने का आसार है। इसके अलावा प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे क्षेत्रों में बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। इसके कमजोर पड़ने की संभावना भी जताई गई है।

सीएम हेल्पलाइन पर मिली शिकायत के बाद तीन ट्रैक्टरों को किया जब्त

पेंड्रा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (टोल फ्री नंबर 1076) में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने जिले के खोडरी, अंजनी और खंता क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे तीन ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में अवैध रेत परिवहन की शिकायत प्राप्त होने के बाद कलेक्टर ने तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। निर्देशों के पालन में खनिज विभाग की उड़नदस्ता टीम ने खोडरी से एक, अंजनी से एक तथा खंता से एक ट्रैक्टर को अवैध रेत परिवहन करते हुए पकड़ा और जब्त कर लिया।

निर्वाचन आयुक्त ने दिए समय पर तैयारियां पूरी करने के निर्देश

दिसंबर में होंगे 15 निकायों के चुनाव, सरगर्मियां तेज

■ नवा रायपुर में राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

■ 15 निकायों में महापौर और अध्यक्ष पदों का आरक्षण पूरा, वार्डों में प्रक्रिया जारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आगामी दिसंबर 2026 में प्रस्तावित नगरीय निकायों के आम और उप-निर्वाचन की तैयारियों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी कमर कस ली है। नवा रायपुर स्थित आयोग मुख्यालय में राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती आर संगीता, निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत सहित विभाग के तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में प्रदेश के उन 15 नगरीय निकायों में चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिनका कार्यकाल दिसंबर 2026 में समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही राज्य शासन द्वारा हाल ही में गठित की गई दो नई नगर पंचायतों में भी पहली बार आम चुनाव कराने की रणनीति पर चर्चा हुई। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि निर्वाचन से जुड़ी सभी आवश्यक शासकीय और कानूनी प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूर्ण की जाएं, ताकि चुनाव का संचालन पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

समीक्षा के दौरान उन निकायों की सूची पर अंतिम मुहर लगाई गई जहां दिसंबर में मतदान होना है। इनमें प्रदेश के 4 बड़े नगरपालिक निगम, 5 नगरपालिका परिषद और 6 नगर पंचायतें शामिल हैं।

नगरपालिक निगम: भिलाई, बीरगांव, भिलाई-चरौदा और रिसाली।

नगरपालिका परिषद: जामुल, सारंगढ़, बैकुण्ठपुर, शिवपुर-चरचा और खैरागढ़।

नगर पंचायत: प्रेमनगर, मारो, कोंटा, नरहरपुर, भैरमगढ़ और भोपालपट्टनम।

नवगठित नगर पंचायत: तमनार और बड़ी करेली (यहाँ भी पहली बार आम चुनाव होंगे)।

महापौर और अध्यक्ष पद तय, वार्डों पर काम जारी

बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती आर संगीता ने चुनावी तैयारियों, परिसीमन और आरक्षण की मौजूदा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिन 15 निकायों में चुनाव होने हैं, वहां महापौर और अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया को सफलतापूर्ण पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में इन निकायों के वार्ड पार्षदों के पदों के लिए आरक्षण की कार्रवाई तेजी से जारी है। वहीं दूसरी ओर, नवगठित नगर पंचायत तमनार में वार्ड आरक्षण तथा बड़ी करेली में वार्डों के नए सिरे से परिसीमन और आरक्षण की कागजी कार्रवाई अंतिम दौर में है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने प्रदेश में दो वार्ड पार्षद पदों पर होने वाली आकस्मिक रिक्तियों (उप-चुनाव) की जानकारी भी आयोग के सामने रखी, जिन पर मुख्य चुनाव के साथ ही मतदान कराया जा सकता है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बैठक के अंत में स्पष्ट किया कि चुनाव के आयोजन में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मतदाता सूची को दुरुस्त करने से लेकर मतदान केंद्रों के भौतिक सत्यापन और आरक्षण की अधिसूचनाओं को समय पर जारी करना प्राथमिकता में होना चाहिए। बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्हें स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है।

बीजेपी विधायक विपक्षी हमलों का देंगे तथ्यों के साथ करारा जवाब

■ छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को लेकर सत्ताधारी दल बीजेपी ने अपनी रणनीति पूरी तरह तैयार कर ली है। नवा रायपुर में हुई बीजेपी विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में करीब डेढ़ घंटे तक मंथन हुआ। बैठक में विधायकों को साफ संदेश दिया गया है कि वे सदन में पूरी तैयारी, आंकड़ों और तथ्यों के साथ उतरें ताकि विपक्ष के हर सवाल का करारा जवाब दिया जा सके।

तथ्यों के साथ जवाब: विधायकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों और योजनाओं के आंकड़ों के साथ सदन में आएं ताकि असहज स्थिति से बचा जा सके।

बेहतर तालमेल: मंत्रियों और विधायकों के बीच समन्वय पर जोर दिया गया है ताकि किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर पार्टी की ओर से अलग-अलग या विरोधाभासी बयान सामने न आएं।

इन मुद्दों पर घेराव की आशंका: सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, आदिवासी क्षेत्रों के मुद्दे, बुनियादी सुविधाएं (सड़क, बिजली, पानी) और रायपुर का बहुचर्चित 'नकटी अतिक्रमण मामला' गूंजने के आसार हैं।

सत्र की अवधि: विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई तक चलेगा, जिसमें कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होगी।

सिर्फ बचाव नहीं, उपलब्धियों का होगा आक्रामक प्रचार: बैठक में तय हुआ कि बीजेपी इस सत्र में सिर्फ विपक्ष के आरोपों का बचाव नहीं करेगी, बल्कि सरकार के कामकाज और अब तक की उपलब्धियों को आक्रामक तरीके से सदन के पटल पर रखेगी। विधायकों को यह भी हिदायत दी गई है कि सदन के बाहर मीडिया से चर्चा करते समय भी केवल प्रमाणित और तथ्यात्मक जानकारियां ही साझा की जाएं।

पंडवानी गायिका तीजन बाई के नाम पर दिया जाएगा राज्य अलंकरण पुरस्कार

■ संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने की घोषणा

रायपुर/नवप्रदेश। पंडवानी की महान गायिका स्वर्गीय तीजन बाई को श्रद्धांजलि देने के लिए रायपुर में आयोजित सांगीतिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रदेश के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय तीजन बाई को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके कला जगत में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया।

इस मौके पर मंत्री अग्रवाल ने पंडवानी के क्षेत्र में तीजन बाई के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार देने का ऐलान किया। कार्यक्रम के दौरान संस्कृति मंत्री ने तीजन बाई के परिजनों को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक भी प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने तीजन बाई की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए कई तीजन बाई के पैतृक गांव गनियारी को कला ग्राम के तौर पर विकसित करने की घोषणा की, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनकी विरासत से जुड़ सकें।

घासीदास संग्रहालय में रखा जाएगा ऐतिहासिक तंबूरा

संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने कहा कि तीजन बाई द्वारा उपयोग किया गया ऐतिहासिक तंबूरा अब घासीदास संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। संस्कृति विभाग उनकी स्मृतियों, कला और योगदान को सहेजने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करेगा। कार्यक्रम में मौजूद कलाकारों, साहित्यकारों और गणमान्य नागरिकों ने भी पंडवानी गायिका स्व. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल ने स्वर्गीय तीजन बाई की पुत्रवधु श्रीमती वेणु देशमुख को एक लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भी प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीमती वेणु देशमुख ने श्रद्धांजलि समारोह के आयोजन के लिए संस्कृति मंत्री तथा संस्कृति विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनके परिवार का नहीं, बल्कि पूरी लोककला परंपरा का सम्मान है। राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वर कभी मौन नहीं होते।

18 साल पुराने शिक्षाकर्मी भर्ती घोटाले में हाईकोर्ट का फैसला, सात को मिली सशर्त अग्रिम जमानत

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्ष 2007 की शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 भर्ती में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़े एक बेहद पुराने मामले में सात आरोपियों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने समानता के सिद्धांत को आधार मानते हुए सभी सात याचिकाकर्ताओं की अग्रिम जमानत याचिकाएं स्वीकार कर ली हैं।

समानता के सिद्धांत पर राहत: जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि इस केस के अन्य सह-आरोपियों को पहले ही अग्रिम जमानत मिल चुकी है। इसी आधार पर इन याचिकाकर्ताओं को भी जमानत का लाभ दिया जाना उचित है।

172 पदों पर भर्ती का मामला: यह पूरा विवाद साल 2007 का है, जब मगरलोड जनपद पंचायत में शिक्षाकर्मी

वर्ग-3 के 172 पदों पर नियुक्तियां की गई थीं। आरोप है कि चयन समिति ने मिलीभगत कर अपात्र अभ्यर्थियों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक्स्ट्रा नंबर देकर पास कराया, जिससे योग्य उम्मीदवार बाहर हो गए।

2011 में हुई थी एफआईआर: भर्ती में गड़बड़ी की शिकायत के बाद साल 2011 में मगरलोड थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना और साजिश (आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी) के साथ-साथ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बचाव पक्ष की दलील: वकीलों ने कोर्ट में तर्क दिया कि करीब 5,000 आवेदनों की कई स्तरों पर जांच के बाद ही अंतिम सूची बनी थी। पुलिस के पास याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आपराधिक साजिश का कोई ठोस सबूत नहीं है और यह शिकायत भी सालों बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने की थी।

जांच और ट्रायल पर असर नहीं: हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि यह राहत केवल अग्रिम जमानत तक ही सीमित है। इस फैसले का मुख्य केस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मामले की पुलिस जांच और कोर्ट ट्रायल कानून के मुताबिक आगे भी जारी रहेगा, जहां आरोपों का अंतिम फैसला होगा।

पहल : गायत्री शक्तिपीठ कुरूद की अनूठी पहल, दोनों परिवारों की सहमति और मौजूदगी में हुआ विवाह, सभी ने दिया आशीर्वाद

सादगीपूर्ण आदर्श विवाह, खर्चीली शादी और दहेज प्रथा छोड़ने का दिया संदेश

धमतरी/नवप्रदेश। गायत्री शक्तिपीठ कुरूद में एक आदर्श विवाह सादगीपूर्ण वातावरण में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर समाज को दहेज प्रथा एवं खर्चीली शादियों से दूर रहकर सरल और संस्कारयुक्त विवाह अपनाने का संदेश दिया गया। जिला समन्वयक दिलीप नाग ने बताया कि ग्राम डोंगीतराई निवासी चिरंजीव जयेश कुमार साहू एवं सौ.का. मोनिका साहू का विवाह परम पूज्य गुरुदेव द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पवित्र वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गायत्री शक्तिपीठ कुरूद, जिला धमतरी में संपन्न कराया गया। विवाह समारोह दोनों पक्षों की सहमति, परिवारजनों तथा वरिष्ठ गायत्री परिजनों की उपस्थिति में सादगी और उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ।

सामाजिक कुरीतियों के कारण विवाह स्वरूप: उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के कारण विवाह का स्वरूप बदलता जा रहा है। विवाह दो आत्माओं का पवित्र बंधन है, लेकिन दहेज की मांग के कारण अनेक परिवार आर्थिक बोझ

तले दब जाते हैं और कई मामलों में बहुओं को प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में कम खर्च में आदर्श विवाह समाज के लिए प्रेरणादायी पहल है।

पुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया विवाह संस्कार: गायत्री परिवार के पुरोहित बंशीलाल यदू ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह संस्कार संपन्न कराया तथा नवदंपती को सुखी एवं मंगलमय दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। दोनों पक्षों के परिजनों ने भी वर-वधु को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित लोगों ने कम खर्च में संपन्न इस सादगीपूर्ण विवाह की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

ये वरिष्ठ लोग रहे उपस्थित : इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ कुरूद की प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी साधना देवांगन, रेखा कमलवंशी, तेश्वरी साहू, विद्या देवांगन, शत्रुघ्न साहू, टेकराम साहू, नंदकुमार साहू, कार्तिक राम साहू, चेतन साहू, गोविन्द साहू, सोहद्रा तारक सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com